हम ही पहुँचे वहाँ कोई न पहुँचे जहाँ

S Y L L A B U S

Vardhaman Mahaveer Open University,Kota

(Formerly Kota Open University, Kota)

Rawatbhata Road, Kota (Raj.) 324021

वर्धमान महावीर खुला वि वविद्यालय, कोटा

(पूर्ववर्ती कोटा खुला वि वविद्यालय, कोटा)

रावतभाटा रोड, कोटा (राज.)

SYLLABUS

Master of Arts,	मास्टर ऑफ आर्ट्स
Master of Commerce	मास्टर ऑफ कॉमर्स
Master of Science	मास्टर ऑफ साईन्स

website : www.vmou.ac.in

Important Information

1. All matters of admissions, examinations and teaching would be governed by the Vardhaman Mahaveer Open University, Kota Act, ordinance and Rules (Hand Book - Vol. I).
2. All disputes are subject to the Jurisdiction of Kota City.
3. The admission is available only to the bonafide citizens of India residing permanently in the subcontinent of India and the foreign national having valid visa to study and live in India.
4. The University reserves the right to make changes at any time and without notice with regard to rules relating to requirements of these courses, Course fees, examination fees or any other information etc.

© Vardhaman Mahaveer Open University, Kota

Vardhaman Mahaveer Open University

(Formerly - Kota Open University, Kota)

Rawatbhata Road, Kota (Raj.) 324021

वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा

(पूर्ववर्ती– कोटा खुला विश्वविद्यालय, कोटा)

रावतभाटा रोड, कोटा (राज.)

SYLLABUS

Master of Arts,	मास्टर ऑफ आर्ट्स
Master of Commerce	मास्टर ऑफ कॉमर्स
Master of Science	मास्टर ऑफ साईन्स

प्रशासनिक व्यवस्था

अध्यक्ष
प्रो.(डॉ.) नरेश दाधीच
कुलपति
वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा

प्रो.(डॉ.) एम.के. घड़ोलिया
निदेशक, संकाय एवं आचार्य, अर्थशास्त्र
वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय,
कोटा (राज.)

ladk; lnL;

प्रो.(डॉ.) पी.के. शर्मा	प्रबन्ध
प्रो. एम. के.घड़ोलिया	अर्थशास्त्र
प्रो.(डॉ.) बी.के. शर्मा	इतिहास
डॉ. एल.आर. गुर्जर	राजनीति विज्ञान
डॉ. कमलेश शर्मा	इतिहास
डॉ. एच.बी. नन्दवाना	पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान
डॉ. वाई. ए. खान	इतिहास
डॉ. दिनेश गुप्ता	पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान
डॉ. अशोक शर्मा	राजनीति विज्ञान
डॉ. कर्ण सिंह	राजनीति विज्ञान
डॉ. बी. अरूण कुमार	राजनीति विज्ञान
श्री योगेश शर्मा	विधि
डॉ. जे. के. शर्मा	अर्थशास्त्र
डॉ. आर.के. जैन	प्रबन्ध
श्री राकेश शर्मा	कम्प्यूटर विज्ञान
डॉ. मीता शर्मा	हिन्दी
डॉ. क्षमता चौधरी	अंग्रेजी
डॉ. कीर्ति सिंह	शिक्षा
डॉ. अनुराधा शर्मा	गणित एवं विज्ञान
डॉ. अनुरोध गोधा	वाणिज्य

पाठ्य सामग्री उत्पादन एवं वितरण विभाग

Jh ;ksxsUæ xks,y
सहायक उत्पादन अधिकारी
सामग्री उत्पादन एवं वितरण विभाग
वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम (Name of Programme)	कार्यक्रम कोड (Programme Code)	पृष्ठ संख्या (Page No.)
1.	एम. ए. अर्थशास्त्र M. A. Economics	एमएईसी MAEC	7
2.	एम. ए. शिक्षा M. A. Education	एमएईडी MAED	23
3.	एम.ए. अंग्रेजी M.A. English	एमएईजी MAEG	41
4.	एम. ए. गांधी एवं शांति अध्ययन M.A. Gandhi and Peace Studies	एमएजीपी MAGP	51
5.	एम.ए. /एम.एससी भूगोल M. A. /M.Sc.Geography	एमए/एमएससीजीई MA/MSc GE	56
6.	एम.ए. हिन्दी M. A. Hindi	एमएएचडी MAHD	68
7.	एम.ए. इतिहास M.A. History	एमएएचआई MAHI	80
8.	एम.ए. राजनीति विज्ञान M. A. Political Science	एमएईपीएस MAPS	94
9.	एम. ए. लोक प्रशासन M.A. Public Administration	एमएपीए MAPA	104
10.	एम. ए. समाजशास्त्र M.A. Sociology	एमएएसओ MASO	113
11.	एम. ए. संस्कृत M. A. Sanskrit	एमएएसए MASA	123
12.	एम. ए. राजस्थानी M.A. Rajasthani	एमएआरजे MARJ	133
13.	एम. ए./एम. एससी गणित M.A./M.Sc. Mathematics	एमए/एमएससीएमटी MA/MSc MT	141
14.	मास्टर ऑफ कॉमर्स Master of Commerce	एमकॉम MCom	148
15.	कम्प्यूटर विज्ञान में स्नात्कोत्तर उपाधि Master of Computer Science	एमएससी (सीएस) MScCS	158
16.	पत्रकारिता (जनसंचार) स्नात्कोत्तर उपाधि Master of Journalism (Mass Communication)	एमजे(एमसी) MJ (MC)	166
17.	पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नात्कोत्तर उपाधि Master of Library and Information Science	एमएलआईएस MLIS	177

SCHEME OF EXAMINATION

The number of paper and the maximum marks for each paper together with the minimum marks required for a pass are shown in the Scheme of examination against each subject separately. It will be necessary for a candidate to pass in the theory part as well as the practical part of a subject/paper, wherever prescribed, separately. Classification of successful candidate shown in the pattern of examination.

DISTRIBUTION OF MARKS

M.A./M.Com/M.Sc. Examination

S.No	Name of the Subject/Papers	No. of Papers	Duration	TEE/ IHA	Max. Marks	Min Pass Marks
1.	अर्थशास्त्र Economics	Paper 1-9	3 घण्टे	80 20	100	36
2.	शिक्षा Education	Paper 1-9	3 घण्टे	80 20	100	36
3.	अंग्रेजी साहित्य English Literature	Paper 1-9	3 घण्टे	80 20	100	36
4.	गाँधी एवं शांति अध्ययन Gandhi and Peace Studies	Paper 1-9	3 घण्टे	80 20	100	36
5.	भूगोल Geography	Paper 1-10	3 घण्टे	80 20	100	36
6.	हिन्दी साहित्य Hindi Literature	Paper 1-9	3 घण्टे	80 20	100	36
7.	इतिहास History	Paper 1-9	3 घण्टे	80 20	100	36
8.	राजनीति विज्ञान Political Science	Paper 1-9	3 घण्टे	80 20	100	36
9.	लोक प्रशासन Public Administration	Paper 1-9	3 घण्टे	80 20	100	36
10.	समाजशास्त्र Sociology	Paper 1-9	3 घण्टे	80 20	100	36
11.	संस्कृत Sanskrit	Paper 1-9	3 घण्टे	80 20	100	36
12.	राजस्थानी Rajasthani	Paper 1-9	3 घण्टे	80 20	100	36
13.	गणित Mathematics	Paper 1-10	3 घण्टे	80 20	100	36
14.	मास्टर ऑफ कॉमर्स Master of Commerce	Paper 1-9	3 घण्टे	80 20	100	36
15.	पत्रकारिता एवं जनसंचार Journalism and Mass Communication	Paper 1-9	3 घण्टे	80 20	100	36
16.	पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान Library and Information Science	Paper 1-8	3 घण्टे	80 20	100	36
17.	कम्प्यूटर विज्ञान Computer Science	Paper 1-12	3 घण्टे	100 50	150	54

TEE = Term End Examination
IHA = Internal Home Assignment
* Duration of Practical will be 4 Hours

वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा

(पूर्ववर्ती–कोटा खुला विश्वविद्यालय, कोटा)

1.0 विश्वविद्यालय : एक परिचय : (University : An Introduction)

1.1 प्रस्तावना (Introduction)

सन् 1985 में देश की केन्द्रीय सरकार ने नई शिक्षा नीति को स्वीकार करते समय यह माना कि स्वतंत्रता प्राप्ति के इतने वर्षों बाद भी भारत में उच्च शिक्षा के लिए उपलब्ध अवसर अपर्याप्त और असमान हैं। इस नीति में इस बात पर भी बल दिया गया था कि पारम्परिक शिक्षा प्रणाली की सीमाओं को ध्यान में रखते हुए एक नवीन शिक्षा प्रणाली को अपनाया जाये जो उच्च शिक्षा से वंचित लोगों को शिक्षा के समुचित अवसर प्रदान करे और व्यावसायिक उन्नयन के मार्ग ढूँढने या अपनी शैक्षणिक योग्यताओं में अभिवृद्धि करने के आकांक्षी शिक्षार्थियों को उच्च शिक्षा का सीधा लाभ पहुँचा सके।

इन्हीं आधारभूत उद्देश्यों की पूर्ति हेतु मुक्त शिक्षा प्रणाली तथा दूरस्थ शिक्षा प्रणाली को अपनाकर देश भर में नये मुक्त विश्वविद्यालयों की स्थापना की गई। राजस्थान सरकार ने भी दूरदर्शिता का परिचय देते हुए विधानसभा से पारित अधि ानियम के अंतर्गत सन् 1987 में कोटा खुला विश्वविद्यालय की स्थापना की। विश्वविद्यालय का मुख्यालय कोटा शहर बनाया गया किन्तु इसका कार्यक्षेत्र सम्पूर्ण राजस्थान को घोषित किया गया। बाद में **21 सितम्बर, 2002 से इसका नाम बदलकर वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा कर दिया गया।** इस प्रकार कार्यक्षेत्र की दृष्टि से यह विश्वविद्यालय आज राजस्थान का सबसे बड़ा विश्वविद्यालय है।

1.2 उद्देश्य (Objectives)

- उच्च शिक्षा के प्रजातंत्रीकरण के उद्देश्य से शिक्षा प्राप्ति के सभी इच्छुक समूहों, रोजगार प्राप्त व्यक्तियों, महिलाओं, विकलांगो एवं वयस्कों को शिक्षा प्राप्ति का अवसर प्रदान करना।
- कम लागत पर गुणात्मक एवं रोजगारोन्मुखी उच्च शिक्षा उपलब्ध कराना।
- प्रदेश के उच्च शिक्षा से वंचित दूरस्थ क्षेत्रों, आदिवासी एवं मरूस्थलीय क्षेत्र में उच्च शिक्षा का प्रसार करना।

1.3 प्रमुख विशेषताएँ (Salient Features)

- प्रवेश सम्बन्धी लचीले नियम।
- शिक्षार्थी को उसकी अपनी अध्ययन क्षमताओं और सुविधाओं के अनुरूप अध्ययन के अवसर उपलब्ध करवाना।
- शैक्षणिक पाठ्यक्रमों में मन पसंद विषय चुनने की अधिक स्वतंत्रता।

- आधुनिक संचार और शैक्षणिक तकनीकी का उपयोग।
- दूरस्थ शिक्षार्थियों की मदद के लिये विद्यार्थी सहायता सेवाओं का संचालन।
- रेडियों काउन्सलिंग

1.4 अध्ययन पद्धति (Study Pattern)

इस विश्वविद्यालय में शिक्षण पद्धति पारंपरिक विश्वविद्यालयों द्वारा अपनाई जा रही कक्षा अध्ययन पद्धति से भिन्न है। खुला विश्वविद्यालय की शिक्षा पद्धति स्वाध्याय पर आधारित है। यह एक अध्येता केन्द्रित पद्धति है। इस कारण इस पद्धति में छात्रों पर सक्रिय अध्ययन का उत्तरदायित्व अधिक होता है। **मुक्त शिक्षण पद्धति एक बहुआयामी शिक्षण–अध्ययन पद्धति है। इसमें निम्नलिखित तत्त्व सम्मिलित हैं :–**

- भारत के एवं विश्व के विश्वविद्यालयों के योग्यतम शिक्षकों द्वारा तैयार की गई उच्च गुणवत्तायुक्त पाठ्य सामग्री। (इसे दूरस्थ शिक्षा पद्धति से अध्ययनरत छात्रों के लिये विशेष वैज्ञानिक आधार पर बनाया जाता है)
- विश्वविद्यालय द्वारा प्रत्येक प्रवेश प्राप्त विद्यार्थी को पाठ्य सामग्री प्रदान की जाती है।
- स्नात्कोत्तर उपाधि एवं कुछ अन्य चयनित कार्यक्रमों में आंतरिक मूल्यांकन की दृष्टि से सत्रीय कार्य की व्यवस्था।
  (इससे विद्यार्थियों को निरन्तर अध्ययनरत रहने की प्रेरणा मिलती है)
- दृश्य–श्रव्य माध्यमों द्वारा योग्यतम विद्वानों के व्याख्यान एवं विचार।
- अध्ययन केन्द्रों पर अकादमिक परामर्शदाताओं के साथ सप्ताहांत विचार विमर्श की कक्षायें।
- फोन–इन–रेडियो और काउंसलिंग माध्यम द्वारा उत्तम गुणवत्ता के परामर्श–सत्र (हर शनिवार को सांय 7 से 8 बजे आकाशवाणी केन्द्रों से प्रसारित)

1.5 अध्ययन सामग्री (Course Material)

विश्वविद्यालय में पंजीकृत विद्यार्थियों को मुद्रित पाठ्य सामग्री प्रदान की जाती है। क्षेत्रीय केन्द्र पर व्यक्तिशः आवेदन पत्र जमा करने वाले विद्यार्थियों को कुछ पाठयक्रमों की अध्ययन सामग्री हाथों हाथ दी जाती है। अतः विद्यार्थियों को चाहिए कि वे इस सुविधा का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। जो विद्यार्थी इस सुविधा का लाभ नहीं उठा पाते हैं उन्हें अध्ययन सामग्री कुछ माह बाद उनके घर के पते पर भिजवा दी जायेगी। इसमें सर्वप्रथम सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को विभिन्न इकाइयों में विभाजित किया गया है। प्रत्येक इकाई के प्रारम्भ में इकाई की रूपरेखा दी गयी है जिसमें इकाई के उद्देश्य एवं प्रस्तावना के अतिरिक्त सम्पूर्ण जानकारी छोटे–छोटे एवं शीघ्र समझ में आ सकने वाले अनुच्छेदों में है। इसमें

जगह–जगह पर स्वपरख प्रश्न भी दिये गये हैं जिससे विद्यार्थी अपनी प्रगति को स्वयं जाँच सकता है। प्रत्येक इकाई के अंत में सारांश, शब्दावली एवं कुछ उपयोगी पुस्तकों की सूची भी दी जाती है। इस प्रकार यह सामग्री Self Learning Material (SLM) प्रारूप में होती है जिससे विद्यार्थी घर बैठे अध्ययन कर आसानी से शिक्षा प्राप्त कर सकता है।

1.6 श्रेयांक पद्धति (Credit System)

विश्वविद्यालय द्वारा श्रेयांक अथवा क्रेडिट पद्धति में प्रति क्रेडिट सभी शैक्षणिक गतिविधियों के लिए 30 घन्टे का समय निर्धारित किया गया है अर्थात् अध्ययन केन्द्र पर परामर्श, दृश्य–श्रव्य माध्यमों से अध्ययन तथा छात्र द्वारा घर पर अध्ययन के लिये दिया गया समय। इससे विद्यार्थियों को यह समझने में मदद मिलती है कि किसी पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए उन्हें कितना प्रयास करना है। उदाहरण के तौर पर यदि पाठ्यक्रम 8 क्रेडिट का है तो यह अपेक्षा की जाती है कि छात्र इस पाठ्यक्रम को भलीभाँति पढ़ने के लिये वर्ष भर में $8 \times 30 = 240$ घंटे का समय लगाने की व्यवस्था करेगा।

1.7 परीक्षा पद्धति (Examination Pattern)

वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय की परीक्षा प्रणाली के दो प्रमुख तत्त्व हैं–

(क) सत्रीय कार्य (Internal (Home) Assignment)

जिन कार्यक्रमों में विश्वविद्यालय द्वारा आन्तरिक मूल्यांकन हेतु सत्रीय गृहकार्य प्रदान किये जाते हैं उन्हें विद्यार्थियों को अपने घर पर बैठकर हल करके सत्रांत परीक्षा के $1\frac{1}{2}$ माह पूर्व विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्र के निदेशक के कार्यालय में जमा करवाकर रसीद प्राप्त करें। जिन पाठयक्रमों में प्रायोगिक/प्रोजेक्ट/शोध प्रबन्ध का प्रावधान है उन्हें भी परीक्षा पूर्व पूरा करना आवश्यक है। स्मरण रहे सत्रीय कार्य समय पर नहीं जमा करने पर आपका परीक्षा परिणाम रोक लिया जावेगा एवं आप उस परीक्षा में अनुत्तीर्ण माने जायेंगे।

सत्रीय गृहकार्य हल करने सम्बन्धी निर्देश

जिन कार्यक्रमों में विश्वविद्यालय द्वारा सत्रीय गृहकार्य का प्रावधान रखा गया है उन कार्यक्रमों के विद्यार्थियों को सत्रीय गृहकार्य हेतु प्रश्न उनकी पाठ्य सामग्री के साथ भिजवाये जाते हैं। यदि आपको पाठ्य सामग्री के साथ सत्रीय गृहकार्य प्रश्न नहीं प्राप्त होते हैं तो आप विश्वविद्यालय की वेबसाइट से सम्बन्धित पाठ्यक्रम के सत्रीय गृहकार्य प्रश्न डाउनलोड कर सकते हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम में आपको दो सत्रीय गृहकार्य करने होंगे। सत्रीय गृहकार्य 20 अंकों के होंगे। इन सत्रीय गृहकार्य को हल करके सत्रांत परीक्षा के $1\frac{1}{2}$ माह पूर्व विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्र के निदेशक के कार्यालय में जमा करवाकर रसीद प्राप्त करें। इन सत्रीय गृहकार्यों के मूल्यांकन के बाद आपको जिस सत्रीय गृहकार्य में अधिक

अंक मिले हैं उसके अंक आपकी सत्रांत परीक्षा में जोड़े जायेंगे एवं अंक तालिका में उन्हें अलग से प्रदर्शित किया जायेगा। श्रेणी की गणना दोनों को मिलाकर की जायेगी। अतः विद्यार्थियों को चाहिए कि सत्रीय गृहकार्य को गम्भीरता से लें। इसके अभाव में आपका परीक्षा परीणाम घोषित नहीं किया जायेगा।

1. सत्रीय गृहकार्य के प्रथम पृष्ठ पर निम्नलिखित प्रारूप में सूचना भरें।

dk;Z@e dk uke &

l&________

Id,yjla[;k			
l=h;dk;Zla[;k	________	tekdjkusdkfnukad	________
ikB~;@edksM	________	IkkB~;@edkuke	________
Nk=dkuke	________	firkdkuke	________
i=O;ogkjdkirk	________	v/;;udsUnzdkuke	________
	________	{ks=h;dsUnzdkuke	________

2. सत्रीय गृहकार्य करने के लिए आप बाजार में उपलब्ध ए–4 साईज के कागज का प्रयोग करें एवं प्रत्येक पृष्ठ पर पृष्ठ संख्या डालें।
3. प्रत्येक उत्तर के साथ सत्रीय गृहकार्य के प्रश्न की संख्या आवश्यक रूप से अंकित करें।
4. उत्तर उतना ही बड़ा लिखें जितना मांगा गया है।
5. उत्तर अपनी हस्तलिपि में ही लिखें।
6. उत्तर लिखते समय विद्यार्थी विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध करवाई गई अध्ययन सामग्री में से अक्षरशः नकल न करें।
7. प्रत्येक पाठ्यक्रम के दोनों सत्रीय गृहकार्य एक साथ एक फाईल में अच्छी तरह बांधकर प्रस्तुत करें तथा प्रत्येक पाठ्यक्रम के सत्रीय गृहकार्य के लिए अलग–अलग फाईल प्रस्तुत करें।

(ख) सत्रांत परीक्षा (Term End Examination)

कार्यक्रम की न्यूनतम अवधि पूरी होने के बाद विश्वविद्यालय द्वारा सत्रांत मुख्य परीक्षा आयोजित की जाती है। विश्वविद्यालय द्वारा सामान्यतः वर्ष में दो बार जून एवं दिसम्बर माह में यह परीक्षाएँ आयोजित की जाती है। कार्यक्रम में प्रवेश के बाद प्रथम बार सत्रांत मुख्य परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए अलग से कोई फार्म नहीं भरना है। इस परीक्षा हेतु फॉर्म आप प्रवेश आवेदन पत्र के साथ पहले ही भरकर शुल्क भी जमा करवा चुके हैं। जिन विधार्थियों ने प्रवेश लिया है वे सभी न्यूनतम अवधि के बाद होने वाली परीक्षाओं में अवश्य बैठे इसके लिए कोई

अलग शुल्क देय नहीं है।

पुनः परीक्षा – न्यूनतम अवधि समाप्त होने के बाद आयोजित सत्रांत मुख्य परीक्षा में यदि विद्यार्थी नहीं बैठ सका हो तो उसे पुनः परीक्षा हेतु अलग से फार्म भरना पड़ेगा एवं परीक्षा शुल्क के साथ परीक्षा नियंत्रक, वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, रावतभाटा रोड, कोटा के पते पर जमा करवाना होगा। पुनः परीक्षा हेतु निर्धारित आवेदन–पत्र प्रफॉर्मा इस विवरणिका में संलग्न किया जा रहा है। इस पुनः परीक्षा आवेदन पत्र की फोटोकॉपी करवाकर विद्यार्थी प्रयोग में ले। पुनः परीक्षा शुल्क प्रति पाठयक्रम देय होता है जिसका विवरण पुनः परीक्षा फॉर्म के द्वितीय पृष्ठ पर अंकित है। भरे हुये पुनः परीक्षा आवेदन पत्र शुल्क के साथ निर्धारित अंतिम तिथि से पूर्व निम्न तालिका के अनुसार जमा करवाएँ :

परीक्षा सत्र	निर्धारित परीक्षा शुल्क सहित	विलम्ब शुल्क (परीक्षा फीस के बराबर सहित)
जून	1 अप्रेल से 30 अप्रेल तक	10 मई तक
दिसम्बर	1 अक्टूबर से 31 अक्टूबर	10 नवम्बर तक

* पुनः परीक्षा आवेदन पत्र का प्रफॉर्मा विवरणिका में उपलब्ध है।

1.8 परीक्षा माध्यम (Medium of Examination)

विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सत्रीय एवं सत्रांत परीक्षा के लिए यदि पाठ्यक्रम सामग्री हिन्दी में दी जाती है तब भी यह आवश्यक नहीं है कि परीक्षा माध्यम हिन्दी में रखा जाये। आप चाहें तो पाठ्यक्रम सामग्री का माध्यम हिन्दी होने पर भी परीक्षा का माध्यम अंग्रेजी चुन सकते है। इसी तरह यदि विश्वविद्यालय आपको अंग्रेजी में पाठ्यसामग्री उपलब्ध करवाता है तो भी परीक्षा का माध्यम हिन्दी अथवा अंग्रेजी हो सकता है।

1.9 मूल्यांकन (Evaluation)

सत्रीय गृहकार्य एवं सत्रांत मुख्य परीक्षा के लिए प्रत्येक पाठ्यक्रम के पूर्णांक नियत हैं जिनमें से परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए विद्यार्थी को न्यूनतम निर्धारित अंक जिनका विवरण यथा स्थान दिया गया है, प्राप्त करना अनिवार्य होगा। सत्रीय गृहकार्य एवं सत्रांत मुख्य परीक्षा के प्राप्तांक अंक सूची (मार्कशीट) में अलग से प्रदर्शित किये जाते है। श्रेणी की गणना दोनों के प्राप्तांकों को जोड़कर की जाती है।

1.10 विद्यार्थी सहायता सेवाएँ (Student Support Services)

क्षेत्रीय केन्द्र एवं अध्ययन केन्द्र (Regional Centre and Study Centre)

वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा ने राजस्थान में अब तक छः स्थानों पर क्षेत्रीय केन्द्र एवं 86 स्थानों पर अध्ययन केन्द्र प्रारंभ कर दिए हैं। आपको

निवास स्थान या कार्य–स्थान के निकट के किसी क्षेत्रीय केन्द्र / अध्ययन केन्द्र से जोड़ा जाएगा। हर क्षेत्रीय केन्द्र में पाठ्यक्रम के परामर्शदाता होंगे। वे अध्ययन के लिए आपके निकटतम संपर्क सूत्र हैं और वे अपनी उपस्थिति द्वारा अध्ययन में आपकी सहायता करेंगे। इसके अतिरिक्त विद्यार्थी की सुविधा के लिए कार्यक्रम समन्वयक नियुक्त किए गए हैं विद्यार्थी संबंधित कार्यक्रम के समन्वयक से सम्पर्क कर सकते हैं। इसकी जानकारी विवरणिका में उपलब्ध है।

प्रत्येक क्षेत्रीय केन्द्र में निम्नलिखित सुविधाएँ उपलब्ध होगी :

- शिक्षण तथा परामर्श की सुविधाएँ
- दृश्य–श्रव्य उपकरण तथा उनके उपयोग के अन्य साधन
- पुस्तकालय सुविधा
- सूचना सेवा

एम.ए. अर्थशास्त्र — कार्यक्रम कोड : एमएईसी

M. A. Economics — Programme Code : MAEC

उद्देश्य (Objectives):

- एम. ए. अर्थशास्त्र कार्यक्रम का उद्देश्य सरल एवं बोधगम्य भाषा में आर्थिक प्रक्रियाओं, नीतियों एवं समस्याओं की जानकारी प्रदान करना है जिससे विद्यार्थी घर बैठे आर्थिक जगत में हो रही हलचल को समझ सकें एवं उसकी सही व्याख्या कर सके।
- दूरस्थ शिक्षा के उद्देश्यों के अनुरूप उच्च गुणवत्ता की अध्ययन सामग्री के साथ–साथ बहुमाध्यमों का उपयोग कर शिक्षा से वंचित किन्तु इच्छुक विद्यार्थियों को शिक्षा उपलब्ध कराना।
- विद्यार्थी को बैंकिंग/बीमा/कम्पनियों एवं शिक्षण संस्थाओं में उपलब्ध रोजगार के अवसरों के लिए योग्य बनाना।

प्रवेश योग्यता

(Admission Eligibility) : किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक (त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम) उपाधि।

अवधि (Duration) : न्यूनतम 2 वर्ष ; अधिकतम 6 वर्ष

माध्यम (Medium) : पाठ्य सामग्री केवल हिन्दी में उपलब्ध

श्रेयांक(Credit) : 72

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) 32 श्रेयांक

एम. ए. (उत्तरार्द्ध) 40 श्रेयांक

शुल्क (Fee) : एम. ए. (पूर्वार्द्ध) रू. 4000/–

: एम. ए. (उत्तरार्द्ध) रू. 4000/–

कार्यक्रम संरचना (Programme Structure):

एम.ए. अर्थशास्त्र के पूर्वार्द्ध में कुल चार पाठ्यक्रम होंगे। जबकि उत्तरार्द्ध में कुल पाँच पाठ्यक्रम होंगे। प्रत्येक पाठ्यक्रम 8 श्रेयांक का होगा। विद्यार्थियों को हिन्दी माध्यम की अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। एम.ए. उत्तरार्द्ध के अन्तिम पाठ्यक्रम निबन्ध लेखन एमएईसी–09 (MAEC-09) के लिए कोई अध्ययन सामग्री उपलब्ध नहीं कराई जाएगी।

एम.ए.(पूर्वार्द्ध) अर्थशास्त्र

क्र.सं. (S.No.)	पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course)	पाठ्यक्रम कोड (Course Code)	श्रेयांक (Credit)
1.	आर्थिक सिद्धान्त (प्रथम) Economic Theory -I	एमएईसी–01 MAEC - 01	8
2.	आर्थिक सिद्धान्त (द्वितीय) Economic Theory - II	एमएईसी–02 MAEC - 02	8
3.	सार्वजनिक अर्थशास्त्र Public Economics	एमएईसी–03 MAEC - 03	8
4.	परिमाणात्मक विधियाँ Quantitative Methods	एमएईसी–04 MAEC-04	8

एम.ए.(उत्तरार्द्ध) अर्थशास्त्र

क्र.सं. (S.No.)	पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course)	पाठ्यक्रम कोड (Course Code)	श्रेयांक (Credit)
1.	अन्तर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र International Economics	एमएईसी–05 MAEC-05	8
2.	भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास Development of Indian Economy	एमएईसी–06 MAEC-06	8
3.	श्रम अर्थशास्त्र Labour Economics	एमएईसी–07 MAEC-07	8
4.	क्षेत्रीय आर्थिक विकास एवं नियोजन Regional Economic Development and Planning	एमएईसी–08 MAEC-08	8
5.	निबन्ध* Essay*	एमएईसी–09 MAEC-09	8

* इस पाठ्यक्रम की सत्रान्त परीक्षा (मुख्य परीक्षा) में प्रश्नपत्र 100 अंकों का होता है। इस पाठ्यक्रम में कोई सत्रीय (गृह) कार्य नहीं दिया जायेगा। इसमें दो खण्ड होते हैं। खण्ड "अ" में एम.ए. पूर्वार्द्ध के चारों पाठ्यक्रमों में दी गई पाठ्यसामग्री में से कोई पाँच

शीर्षक दिये जाते हैं। इनमें से आपको 2500 शब्दों का एक निबन्ध लिखना होता है। इसी प्रकार पाठ्यक्रम के खण्ड "ब" में एम.ए. उत्तरार्द्ध की अध्ययन सामग्री में से पाँच शीर्षक दिये जाते हैं। इनमें से किसी एक शीर्षक पर 2500 शब्दों का एक निबन्ध लिखना होता है। इस प्रकार आपको अपनी पूर्वार्द्ध एवं उत्तरार्द्ध की सम्पूर्ण सामग्री में से दो निबन्ध लिखने हैं।

परीक्षा पद्धति (Examination Pattern) :

सत्रीय गृहकार्यः प्रत्येक पाठ्यक्रम में सत्रीय गृहकार्य 20 अंकों का होगा। प्रत्येक पाठ्यक्रम में दो सत्रीय गृहकार्य करने होंगे। सत्रीय गृहकार्य पूर्ण करके सत्रांत परीक्षा से पूर्व संबंधित क्षेत्रीय केन्द्र पर जमा करवाना होगा।

सत्रांत (मुख्य) परीक्षाः एम.ए. (पूर्वार्द्ध) एवं एम.ए. (उत्तरार्द्ध) न्यूनतम अवधि अर्थात् 1 वर्ष के बाद विद्यार्थी की प्रत्येक पाठ्यक्रम की तीन घंटे की लिखित परीक्षा होगी। प्रत्येक पाठ्यक्रम की सत्रांत परीक्षा के लिए अधिकतम 80 अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम के दोनों भागों अर्थात सत्रांत परीक्षा एवं सत्रीय गृहकार्य में उत्तीर्ण होने के लिए दोनों में मिलाकर उत्तीर्णांक 36 प्रतिशत हैं। परन्तु किसी एक भाग सत्रीय गृहकार्य अथवा सत्रांत परीक्षा में न्यूनतम 25 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य है। यदि विद्यार्थी कुछ पाठ्यक्रमों को उत्तीर्ण नहीं कर पाया है तो उन पाठ्यक्रमों को उत्तीर्ण करने के लिए छः माह बाद होने वाली आगामी परीक्षा में पुनः बैठ सकता है। किसी एक परीक्षा में नए एवं पुराने अनुत्तीर्ण रहे पाठ्यक्रमों को मिलाकर अधिकतम 56 क्रेडिट के पाठ्यक्रमों की परीक्षा दे सकता है।

अंक तालिका में सत्रीय गृहकार्य एवं सत्रांत परीक्षा के अंकों को अलग–अलग दर्शाया जायेगा। सफल विद्यार्थियों को निम्न तालिका के अनुसार श्रेणी प्रदान की जाएगी–

प्रथम श्रेणी	–	60% एवं अधिक
द्वितीय श्रेणी	–	48% एवं 60% से कम
उत्तीर्ण	–	36% एवं 48% से कम

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) परीक्षा में कोई श्रेणी नहीं दी जाएगी।

अर्थशास्त्र (Economic)

योजना

कुल अधिकतम अंक 100 **समय : 3 घण्टे**

सत्रीय गृह कार्य 20 **सत्रांत परीक्षा 80** **न्यूनतम उत्तीर्णांक 36**

आर्थिक सिद्धान्त-I एमएईसी–01

(Economic Theory-I) (MAEC-01)

इकाई संख्या	इकाई का शीर्षक
1	विषय परिचय
2.	मॉग का नियम
3.	मॉग की लोच
4.	मॉग ऑकलन पूर्वानुमान का आधारभूत अभिप्राय
5.	निश्चितता तथा अनिश्चितता की दशाओं में उपभोक्ता व्यवहार–स्थायी तथा गैर–स्थायी वस्तुओं की मॉग
6.	उपभोग फलन तथा अन्तर–कालगत चयन
7.	फर्म के उद्देश्य– लाभ अधिकतम करण, विक्रय अधिकतम करण
8.	अल्पकाल एवं दीर्घकाल में फर्म के उद्देश्य
9.	अल्पकाल में उत्पादन–फलन–परिवर्तनशील अनुपातों का नियम
10.	दीर्घकाल में उत्पादन–फलन–पैमाने के प्रतिफल
11.	लागत रेखाएं और उनका परिमाणांकन
12.	पैमाने की मितव्ययताएं
13.	पूर्ण प्रतियोगिता के अंतर्गत कीमत एवं उत्पादन निर्धारण
14.	एकाधिकार के अंतर्गत कीमत एवं उत्पादन निर्धारण
15.	एकाधिकार विभेदकारी के अंतर्गत कीमत एवं उत्पादन निर्धारण
16.	एकाधिकारिक प्रतियोगिता के अंतर्गत कीमत एवं उत्पादन निर्धारण
17.	गैर–सन्धिपूर्ण अल्पाधिकार के विभिन्न स्वरूप
18.	सन्धिपूर्ण अल्पाधिकार के विभिन्न स्वरूप
19.	द्विपक्षीय एकाधिकार
20.	एकाधिकार तथा केन्द्रीयकरण का अंश
21.	फर्म की वृद्धि एवं विलय
22.	क्षमता उपयोग की धारणा

23. मूल्य विभेदीकरण एवं मार्कअप मूल्य निर्धारण
24. सीमान्त लागत मूल्य निर्धारण
25. सीमान्त उत्पादकता सिद्धान्त–पूर्ण प्रतियोगिता के अंतर्गत
26. सीमान्त उत्पादकता सिद्धान्त– अपूर्ण प्रतियोगिता के अंतर्गत
27. लगान के सिद्धान्त– प्रथम– रिकॉर्डो का सिद्धान्त
28. लगान के सिद्धान्त–द्वितीय– आधुनिक सिद्धान्त
29. ब्याज के सिद्धान्त–I- कीन्स पूर्व
30. ब्याज के सिद्धान्त– II– कीन्स का सिद्धान्त
31. मजदूरी सिद्धान्त
32. लाभ के सिद्धान्त
33. सामान्य साम्य की अवधारणा–उपभोक्ता का साम्य
34 सामान्य साम्य की अवधारणा–उत्पादक का साम्य
35 कल्याण अर्थशास्त्र
36. अधिकतम कल्याण हेतु पेरेटो की इष्टतम शर्ते
37. नव कल्याण अर्थशास्त्र
38. क्षतिपूर्ति सिद्धान्त

आर्थिक सिद्धान्त-II एमएईसी–02

(Economic Theory-II) (MAEC-02)

योजना

कुल अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या इकाई का शीर्षक

1. राष्ट्रीय आय की अवधारणा
2. राष्ट्रीय आय की संरचना
3. राष्ट्रीय आय के माप की विधियां
4. राष्ट्रीय आय के सन्तुलन स्तर का निर्धारण
5. बचत, विनियोग व आय में सम्बन्ध
6. सरकारी घाटे का बजट, भुगतान समतोलन घाटा तथा राष्ट्रीय आय का संबंध

7. आय तथा उत्पादन संतुलन में परिवर्तन गुणक
8. संतुलित बजट गुणक
9. मुद्रा की मांग
10. IS-LM वक्र विश्लेषण
11. विदेशी व्यापार एवं राष्ट्रीय आय
12. आंतरिक एवं बाह्य संतुलन
13. उत्पादन फलन, श्रम बाजार एवं राष्ट्रीय आय का पूर्ति पक्ष
14. वास्तविक मजदूरी प्रतिरूप, मौद्रिक मजदूरी प्रतिरूप और अनम्य मजदूरी, समग्र पूर्ति फलन
15. मुद्रा का परिमाण सिद्धान्त
16. मिल्टन फ्रीडमैन का मुद्रा परिमाण सिद्धान्त
17. मुद्रा स्फीति के सिद्धान्त–मांग प्रोत्साहित एवं लागत जनित स्फीति
18. समग्र मांग, समग्र पूर्ति तथा स्फीति
19. मुद्रा स्फीति, स्फीति प्रत्याशाएं एवं स्फीति विरोधी नीतियां
20. मौद्रिक नीति के यंत्र–(परिशिष्ट सहित)
21. विकास का प्रतिष्ठित सिद्धान्त
22. कार्लमार्क्स का आर्थिक विकास मॉडल
23. नव संस्थापक मॉडल
24. विकास का हेराड़–डोमर मॉडल
25. जान राबिन्सन का आर्थिक विकास मॉडल
26. आर्थिक विकास का महालनोबिस मॉडल
27. सैम्युल्सन का व्यापारिक चक्र सिद्धान्त
28. हिक्स का व्यापार चक्रीय सिद्धान्त
29. काल्डॉर का व्यापार चक्र सिद्धान्त
30. व्यापार चक्र विरोधक नीतियां
31. मौद्रिक नीति की प्रभावकता
32. विकासशील देशों में मौद्रिक नीति की भूमिका
33. राजकोषीय नीति की प्रभावकता
34. विकासशील देशों में राजकोषीय नीति की भूमिका

सार्वजनिक अर्थशास्त्र एमएईसी–03
(Public Economics) (MAEC-03)

योजना

कुल अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या इकाई का शीर्षक

1. विभिन्न राजकोषीय प्रणालियों में राज्य की आर्थिक क्रियाओं का विश्लेषण
2. लोक अर्थशास्त्र के उद्देश्य व अंग
3. सामाजिक वस्तुओं का सिद्धान्त
4. बाह्यताएं एवं मिश्रित वस्तुएं
5. लोक चयन
6. सार्वजनिक व्यय
7. सार्वजनिक व्यय, मूल्यांकन एवं बजटीय रूप
8. सार्वजनिक उपक्रमः मिश्रित अर्थव्यवस्था के विकास स्वरूप में भूमिका, चुनाव कसौटियां
9. भारत में सार्वजनिक उपक्रमों में कीमत नीति प्रबन्धित कीमतें एवं आधिक्य सृजन, सैद्धान्तिक पहलू और कल्याणकारी प्रभाव
10. करारोपण के सिद्धान्त एवं वर्गीकरण
11. करारोपण में न्याय
12. आवंटन कुशलता
13. करापात एवं कर विवर्तन
14. राजकोषीय आपात
15. भारतीय सार्वजनिक वित्त–I– भारतीय कर प्रणाली
16. भारतीय सार्वजनिक वित्त–II– प्रमुख कर
17. निजी आयकरः कर योग्य आय, कर आधार, कर मुक्त आय तथा अन्य कर छूटें
18. निजी आयकरः दर का ढांचा तथा वर्द्धमानता
19. निगम आयकरः प्रमुख विशेषताएं तथा दर का ढांचा

20. निगम आयकरः कम्पनियों का वर्गीकरण, मूल्य ह्रास संबंधी नियम इत्यादि
21. सार्वजनिक ऋण का अर्थशास्त्र
22. सार्वजनिक ऋण का संस्थापित सिद्धान्त, क्रियात्मक एवं क्षतिपूरक वित्त
23. आन्तरिक एवं बाह्य सार्वजनिक ऋणों के मुद्दे
24. विकास के लिए राजकोषीय नीतिः साधन गतिशीलता विकास, वितरण तथा मूल्यों पर प्रभाव
25. पंचवर्षीय योजनाओं का वित्त पोषण
26. भारत में बजटीय घाटे की नीति

परिमाणात्मक विधियां एमएईसी–04
(Quantitative Methods) (MAEC-04)

योजना

कुल अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या इकाई का शीर्षक

1. समुच्चय, सम्बन्ध व फलन
2. आर्थिक सिद्धान्त में फलन तथा रेखाचित्र
3. सीमान्त तथा निरंतरता
4. अवकलन एवं इसका निर्वचन
5. लघुगुणकीय अवकलन व लोच की माप
6. आंशिक अवकलन एवं इसका अर्थशास्त्र में प्रयोग
7. अवकलज के आर्थिक प्रयोग
8. अनुकूलतम समीकरण–प्रतिबन्ध रहित एवं प्रतिबन्धित अनुकूलतम समीकरण की धारणा
9. अनुकूलतम समीकरण की धारणा के अर्थशास्त्र में सरल प्रयोग
10. समाकलन की अवधारणा एवं इसका अर्थशास्त्र में प्रयोग
11. आव्यूह (मैट्रिक्स) बीज गणित का परिचय
12. सारणिक

13. आगत–निर्गत सारणी विश्लेषण का परिचय
14. रैखिक प्रोग्रामिंग–आलेख विधि
15. ऑकड़ों के संकलन की विधियां
16. प्रतिचयन एवं प्रतिचयन की विधियां
17. ऑकड़ों के प्रस्तुतिकरण की विधियां
18. केन्द्रीय प्रवृति की मापें–I : औसत
19. केन्द्रीय प्रवृति की मापें–II : मध्यिका, चतुर्थक, दशमर्थक, शतमर्थक एवं बहुलक
20. विक्षेपण की मापें– I : परिसर,माध्य एवं चतुर्थक विचलन
21. विक्षेपण की मापें– II : प्रमाप विचलन एवं विषमता
22. द्विचर समंकों का विश्लेषण– I : अवर्गीकृत समंक
23. द्विचर समंकों का विश्लेषण– II : वर्गीकृत समंक
24. द्विचर समंकों का विश्लेषण–III : बहुगुणी प्रतीपगमन–दो स्वतंत्र चर
25. प्रतिचयनों की विभ्रम एवं सार्थकता परीक्षण
26. सूचकांक
27. उपभोक्ता मूल्य सूचकांक
28. काल श्रेणी विश्लेषण
29. समष्टि ऑकड़ों की प्रकृति एवं स्रोत राष्ट्रीय आय
30. समष्टि ऑकड़ों की प्रकृति एवं स्रोत मूल्य स्तर एवं मुद्रा की पूर्ति
31. जनगणना सर्वेक्षण
32. राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण

अन्तरराष्ट्रीय अर्थशास्त्र एमएईसी–05

(International Economics) (MAEC-05)

योजना

कुल अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या इकाई का शीर्षक

1. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार सिद्धान्त–रिकॉर्डो का सिद्धान्त
2. मिल के अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रतिपूरक मांग का सिद्धान्त

3. टॉजिंग का अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार सिद्धान्त
4. हेबरलर का अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार सिद्धान्त (अवसर लागतें)
5. हेक्शचर–ओहलिन का सिद्धान्त तथा साधन कीमत समानीकरण प्रमेय
6. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मॉडलों का प्रमाणीकरण
7. व्यापार–स्वरूप के निर्धारकः नवीन सिद्धान्त
8. उत्पादन, उपभोग तथा अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में सामान्य संतुलन
9. व्यापार तटस्थता–रेखाएं तथा ऑफर–रेखाएं
10. आर्थिक विस्तार और व्यापार
11. व्यापार की शर्तें
12. प्राथमिक उत्पादों का निर्यात तथा व्यापार शर्तें
13. व्यापार से प्राप्त लाभ का सिद्धान्त
14. तटकरः तटकर के प्रभाव, तटकर की लागतें, लाभ एवं प्रभावी संरक्षण दर
15. अनुकूलतम प्रशुल्क
16. आयात अभ्यंश
17. व्यापार में हस्तक्षेप की आवश्यकता, शिशु उद्योग, बाजार विकृतियां और बाह्य मितव्ययताएं
18. विकासशील देशों की व्यापारिक नीति
19. चुंगी संघ का सिद्धान्त एवं आर्थिक एकीकरण
20. भुगतान संतुलन, व्यापार संतुलन व भुगतान संतुलन खाता
21. भुगतान संतुलन में असाम्यता
22. विदेशी विनिमय दर निर्धारण के सिद्धान्त
23. स्थिर एवं लचीली विनिमय दरें
24. अवमूल्यन–लोच विधि, अवशोषण विधि एवं मौद्रिक नीतियों का समन्वय
25. विदेशी सहायता एवं ऋण सेवा भार
26. अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष
27. विश्वबैंक एवं सम्बद्ध संस्थाएं
28. यूरोपीय मुद्रा बाजार
29. अल्पकालीन एवं दीर्घकालीन पूँजी अन्तरण
30. भारत का विदेशी व्यापार
31. विश्व के प्रमुख आर्थिक क्षेत्रों के साथ भारत का विदेशी व्यापार

भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास एमएईसी–06

(Development of Indian Economy) (MAEC-06)

योजना

कुल अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या	इकाई का शीर्षक
1.	भारतीय अर्थव्यवस्था में वृद्धि की प्रवृतियाँ
2.	भारत में नियोजन एवं विकासप्रक्रिया–नियोजित विकास की समीक्षा
3.	विकास की व्यूहरचनाएं–भारी उद्योग बनाम मजदूरी–वस्तुएं–उद्देश्य व उपलब्धियां
4.	विकेन्द्रित नियोजन–पद्धति
5.	भारत में शिक्षा का विकास
6.	जनसांख्यिकीय आयाम एवं आर्थिक विकास
7.	बचत एवं निवेश के प्रतिमान
8.	पूँजी उत्पाद अनुपात एवं इसका प्रभाव
9.	भारत में निर्धनता एवं असमानता, आकार, प्रकृति, कारण तथा इसको कम करने के उपाय
10.	बेरोजगारी स्वरूप तथा आकार–औद्योगीकरण तथा रोजगार एवं रोजगार नीति
11.	कृषि भूमि सम्बन्ध एवं भूमि सुधार
12.	कृषि निविष्ट/कृषि आगत
13.	हरित क्रान्ति
14.	भारतीय कृषि विकास की उपलब्धियां तथा कमियाँ
15.	खाद्यान्न आहरण तथा सुरक्षित भण्डार नीति
16.	सार्वजनिक वितरण प्रणाली
17.	भारत में औद्योगिक विकास की प्रवृति एवं समस्याएं
18.	कृषि व उद्योग के मध्य व्यापार शर्तें
19.	भारत में क्षेत्रीय विषमताएं
20.	भारत में संतुलित औद्योगिक विकास की नीतियां
21.	भारतवर्ष में बहुराष्ट्रीय निगम
22.	भारतवर्ष की समानान्तर अर्थव्यवस्था

23.	भारत का भुगतान संतुलन
24.	निर्यात सम्वर्द्धन और आयात प्रतिस्थापन
25.	भारतीय कर व्यवस्था
26.	समाज के विभिन्न वर्गों पर करापात
27.	भारत में सार्वजनिक व्यय की प्रवृतियां
28.	भारत में केन्द्र राज्य वित्त सम्बन्ध

श्रम अर्थशास्त्र एमएईसी–07

(Labour Economics) (MAEC-07)

योजना

कुल अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या	इकाई का शीर्षक
1.	श्रम की अवधारणा
2.	श्रम अर्थशास्त्र, अर्थ, क्षेत्र एवं महत्व
3.	श्रम बाजार
4.	श्रम की पूर्ति की अवधारणा
5.	श्रम की मांग एवं श्रम की मांग के सिद्धान्त
6.	श्रम की उत्पादकता
7.	विकासोन्मुख अर्थव्यवस्था में श्रम समस्याएं
8.	बेरोजगारी एवं अर्द्ध रोजगार
9.	जनसंख्या संरचना और जनशक्ति नियोजन
10.	भारतीय वैज्ञानिक पुनर्गठन और स्वचालिता के सन्दर्भ में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में तकनीकी परिवर्तन एवं रोजगार
11.	तकनीकी द्वेतवाद तथा ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में अनौपचारिक क्षेत्र का विकास
12.	श्रम की गतिशीलता एवं प्रवास
13.	नियोजन हेतु श्रम की मांग एवं आपूर्ति के प्रक्षेपण की विधियां
14.	रोजगार सृजन कार्यक्रम
15.	मजदूरी निर्धारण सिद्धान्त
16.	संस्थागत व सौदाकारी सिद्धान्त

17. मजदूरी ढ़ॉचा और मजदूरी भिन्नता
18. मजदूरी भुगतान की पद्धतियां
19. विकासशील देशों में मजदूरी नीतिः न्यूनतम मजदूरी, उचित मजदूरी एवं पर्याप्त मजदूरी
20. भारत में न्यूनतम मजदूरी
21. श्रम सम्बन्ध, अर्थ एवं क्षेत्र, श्रम सम्बन्धों का बदलता प्रतिमान, औद्योगिक सम्बन्ध व्यवस्था
22. भारत में कृषि श्रम
23. श्रम संघवाद
24. भारत में श्रमिक संघों का उदय, संरचनाएं एवं समस्याएं
25. औद्योगिक शांति, बचाव एवं समझौते, औद्योगिक अशांति दूर करने के उपाय
26. औद्योगिक सम्बन्ध तंत्र, औद्योगिक सम्बन्ध आयोग/श्रम न्यायालय, कार्य समितियां, संयुक्त व्यवस्था परिषदें, प्रबन्ध में श्रमिकों की भागीदारी
27. सामूहिक सौदेबाजी, अर्थ, आवश्यकता एवं महत्व, भारत में सामूहिक सौदेबाजी
28. अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन, उद्देश्य, कार्य एवं उपलब्धियां
29. श्रम–कल्याण–अवधारणा एवं संरचनात्मक ढ़ॉचा
30. सामाजिक सुरक्षा, सामाजिक सहायता एवं सामाजिक बीमा
31. भारत में सामाजिक सुरक्षा
32. श्रम कल्याण योजनाएं एवं संस्थाएं
33. भारत में महिला एवं बाल श्रम
34. भारत में ग्रामीण श्रम

क्षेत्रीय आर्थिक विकास एवं नियोजन एमएईसी–08

(Regional Economic Development and Planning) (MAEC-08)

योजना

कुल अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या इकाई का शीर्षक

1. अंचल क्षेत्रीय अर्थशास्त्रः महत्व तथा आर्थिक विश्लेषण में स्थान क्षेत्रीय महत्व

2. एकाधिकृत बाजार एवं मूल्य निर्धारण
3. स्थानीयकरण के सिद्धान्त
4. बाजार के आकार एवं स्वरूप के सिद्धान्त
5. साम्यावस्था और असाम्यावस्था सिद्धान्तः लौश मॉडल व उसकी आलोचना
6. केन्द्रीयकरण की मितव्ययताएं व अमितव्ययताएंः विकास ध्रुव का विचार
7. क्षेत्रः अवधारणा, प्रकार व पहचान
8. प्रादेशिक आय लेखाः प्रादेशिक आदा–प्रदा विश्लेषण
9. वस्तुएं एवं पूँजी का अन्तर्प्रादेशिक प्रवाह/चालू एवं पूँजी खातों का संतुलन
10. प्रादेशिक विकास का सिद्धान्त
11. क्षेत्रीय संवृद्धि के सिद्धान्त– मिर्डल और हर्षमैन के सिद्धान्तों का समीक्षात्मक मूल्यांकन
12. केन्द्रीय स्थल सिद्धान्त
13. प्रादेशिक आगत निर्गत विश्लेषण
14. अन्तर अंचल क्षेत्रीय व्यापार एवं अंचल क्षेत्रीय गुणक
15. औद्योगिक कॉम्पलेक्स विश्लेषण
16. बहुस्तरीय नियोजनः इन्टरेटिव प्रक्रम का उपयोग, लांगे के मॉडल का परिचय
17. गुरूत्वाकर्षण मॉडल तथा अन्तर अंचल क्षेत्रीय प्रवाह का निर्धारण
18. क्षेत्रीय विकास के सूचकः ऑकड़ों के स्त्रोत एवं बाधाएं
19. भारत के प्रमुख प्राकृतिक संसाधन एवं उनका प्रादेशिक वितरण
20. औपनिवेशिक काल में भारतीय प्रादेशिक संरचना का उद्‌भव
21. कृषि विकास : परिवर्तनशील क्षेत्रीय संरचना
22. औद्योगिक विकासः परिवर्तनशील क्षेत्रीय संरचना
23. सामाजिक आर्थिक आधारभूत ढ़ॉचे के विकास में क्षेत्रीय असंतुलन
24. राज्यों के अन्तर्गत अंतः क्षेत्रीय विषमताएं (राजस्थान के विशेष सन्दर्भ में)
25. भारत में नियोजन प्रक्रिया के क्षेत्रीय आयाम
26. भारत में बहुस्तरीय नियोजन (राज्य स्तर तथा जिला स्तर नियोजन के विशेष सन्दर्भ में)

27. नगर एवं महानगर नियोजन
28. ग्रामीण शहरी समन्वय के लिये नियोजन
29. अंचल क्षेत्रीय साधन विकास की योजनाएं
30. जिला एवं नीचे के स्तर पर विकेन्द्रित नियोजन
31. भारत में क्षेत्रीय विकास योजनाएं

निबन्ध एमएईसी–09

(Essay) (MAEC-09)

एम. ए. उतरार्द्ध के विद्यार्थियों के लिए यह प्रश्न–पत्र अनिवार्य हैं। इसके पूर्णांक 100 है। इसमें आन्तरिक मूल्यांकन का प्रावधान नहीं है।

इस प्रश्न–पत्र में दो खण्ड होंगे – 'अ' और 'ब'। खण्ड ''अ'' में एम. ए. पूर्वार्द्ध के पाठ्यक्रमों सम्बन्धी निबन्ध पूछे जायेंगे जबकि खण्ड ''ब'' में एम.ए. उतरार्द्ध से सम्बन्धित निबन्ध शीर्षकों का समावेश होगा। इन दोनों खण्डों में क्रमशः पॉच–पॉच निबन्ध शीर्षक होंगे। परीक्षा की दृष्टि से विद्यार्थियों को इन शीर्षकों में से ही निबंध लिखने हैं।

प्रत्येक खण्ड 50 अंक का होगा उस खण्ड में देय 5 शीर्षकों में से विद्यार्थियों को किसी एक निबंध शीर्षक पर निबंध लिखना होगा। इस प्रकार, इस प्रश्न–पत्र में विद्यार्थियों को खण्ड 'अ' तथा 'ब' से एक–एक शीर्षक चुनते हुए कुल दो निबंध लिखने होंगे। प्रत्येक निबंध की अधिकतम शब्द सीमा 2500 शब्द निर्धारित है। उदाहरणार्थ दोनों खण्डों में देय निबंधों के शीर्षक इस प्रकार हो सकते हैंः–

निबन्ध लेखन के लिए निर्दिष्ट अनुसूचीः–

(The Prescribed List for Essay Writing)

खण्ड 'अ' (Section-A)

इकाई संख्या इकाई का शीर्षक

1. मौद्रिक नीति के अस्त्र (Monetary Policy Instruments)
2- राष्ट्रीय आय (National Income)
3. उपभोक्ता संतुलन एवं बाजार स्वरूप (Consumers Equilibrium and Market Forms)
4. मूल्य विभेद की शर्ते एवं एकाधिकार (Conditions for price Discrimination & Monopoly)

5. राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संगठन (National Sample Survey Organization)
6. अधिकतम कल्याण की पेरेटो शर्ते (Pareto Conditions for Maximum Welfare)
7. परिवर्तनशील अनुपातों का नियम (Law of Variable Proportions)
8. करारोपण में न्याय (Justice in Taxation)
9. सार्वजनिक क्षेत्र में घाटा (Deficition in Public Sector)
10. भारतीय कर व्यवस्था (Indian Tax System)

खण्ड 'ब' (Section-B)

11. अन्तर्राष्ट्रीय मौद्रिक संस्थाएं (International Monetary Institutions)
12. औद्योगिक नीति (Industrial Policy)
13. उदारीकरण, निजीकरण एवं वैश्वीकरण (Liberalisation, Privatization and Globalization)
14. बेरोजगारी एवं रोजगार सृजन (Unemployment and Employment Generation)
15. भारत में श्रम संगठन (Trade Unions in India)
16. भारत में गरीबी (Poverty in India)
17. श्रम की उत्पादकता (Productivity of Labour)
18. क्षेत्रीय विकास के सूचक (Indicators of Regional Development)
19. मजदूरी भुगतान पद्धतियां (Methods of Wage Payments)
20. शहरी नियोजन (Urban/Town Planning)

एम.ए. शिक्षा — कार्यक्रम कोड : एमएईडी

M. A. Education — Programme Code : MAED

उद्देश्य (Objectives) :

- एम.ए. शिक्षा पाठ्यक्रम का उद्देश्य सरल एवं सुबोधगम्य भाषा में विद्यार्थी को शिक्षा सम्बन्धित विभिन्न पक्षों की जानकारी देना है ताकि विद्यार्थी शिक्षा जगत में होने वाले नवीन परिवर्तनों से भली भाँति परिचित हो सके।
- रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों के माध्यम से रोजगार अवसरों का सृजन करना।
- दूरस्थ शिक्षा के उद्देश्यों के अनुरूप गुणवत्ता की अध्ययन सामग्री के साथ साथ बहु माध्यमों का उपयोग एवम् शिक्षा से वंचित किन्तु इच्छुक विद्यार्थियों को शिक्षा उपलब्ध कराना।
- विद्यार्थियों को एम.एड. के समकक्ष सामग्री के द्वारा इन्हें व्यावसायिक क्षेत्र में अवसर प्राप्त करने के योग्य बनाना।

प्रवेश योग्यता (Admission Eligibility) :

किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कला/विज्ञान/वाणिज्य/कृषि में स्नातक उपाधि।

अवधि (Duration)	:	न्यूनतम 2 वर्ष ; अधिकतम 6 वर्ष।
माध्यम (Medium)	:	पाठ्य सामग्री केवल हिन्दी में उपलब्ध
श्रेयांक (Credit)	:	72 एम.ए. (पूर्वार्द्ध) 32 श्रेयांक एम. ए. (उत्तरार्द्ध) 40 श्रेयांक
शुल्क (Fee)	:	एम. ए. (पूर्वार्द्ध) रू. 12000/–
	:	एम. ए. (उत्तरार्द्ध) रू. 12000/–

कार्यक्रम संरचना (Programme Structure) :

एम.ए. शिक्षा में पूर्वार्द्ध में कुल चार पाठ्यक्रम होंगे। जो सभी के लिए अनिवार्य होंगे। उत्तरार्द्ध में कुल पाँच पाठ्यक्रम होंगे। प्रत्येक पाठ्यक्रम 8 क्रेडिट का होगा। विद्यार्थियों के पाठ्य सामग्री हिन्दी में उपलब्ध कराई जायेगी। एम. ए. उत्तरार्द्ध समूह (पाठ्यक्रम–5) में दो प्रश्न पत्र MAED-05 एवं MAED-06 में से एक प्रश्न पत्र का चयन करें। उत्तरार्द्ध में पाठ्यक्रम के 6, 7 एवं 8 के लिए MAED-07 से MAED-15 तक कुल 8 पाठ्यक्रम दिये गये है उनमें से छात्र को किन्ही तीन पाठयक्रमों का चयन करना होगा। पाठ्यक्रम समूह (पाठ्यक्रम -9) में दो पाठ्यक्रम MAED-17 एवं MAED- 18 में से केवल एक पाठ्यक्रम का चयन करें।

पाठ्यक्रम समूह (MAED-18) 'लघुशोध प्रबन्ध' का है। जो भी विद्यार्थी लघुशोध प्रबन्ध लेना चाहते हैं उनके लिए एम. ए. पूर्वार्द्ध में 55 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य है, तभी उन्हें शोध कार्य करने की स्वीकृति प्रदान की जायेगी। अन्य विद्यार्थियों को लघुशोध प्रबन्ध के स्थान पर शिक्षक शिक्षा MAED-17 का पाठ्यक्रम लेना होगा।

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) शिक्षा

क्र.सं. (S.No.)	पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course)	पाठ्यक्रम कोड (Course Code)	श्रेयांक (Credit)
1.	शिक्षा के दार्शनिक एवं सामाजिक आधार (Philosophical & Sociological Bases of Education)	एमएईडी–01	8
2.	शिक्षा के मनोवैज्ञानिक आधार (Psychological Bases of Education)	एमएईडी –02	8
3.	शिक्षा की अनुसंधान पद्धतियां (Research Methods in Education)	एमएईडी –03	8
4.	शैक्षिक तकनीकी (Education Technology)	एमएईडी –04	8

एम.ए. (उत्तरार्द्ध) शिक्षा

Øl a S.No.	ikB~Øe dkuke (Name of Course)	ikB~Øe dksM (Course Code)
	ikB~Øe fuEufdr ikB~Øe lewgesa sfdlh ,d ikB~Øe dkp;u djsaA	
1. 2.	dEI;wj f'k{kk (Computer Education) or/vFkok nwjLFk f'k{kk (Distance Education)	MAED-05 MAED-06
	ikB~Øe VI, VII & VIII dsfy, uhpsfn;sx;s07 ls15 rd dsi'u i=ksaesa lsfdlgh rhu dkp;u djsaA	
3.	rqyukRed f'k{kk (Comparative Education)	MAED-07
4.	Ekku ,oaewY;kdu (Measurement and Evaluation)	MAED-08
5.	'kSf{kd izca/ku (Eductional Management)	MAED-09

6.	funZku ,oa ijke'kZ(Guidance and Counselling)	MAED-10
7.	ikB~;Øe fodkl (Curriculum Development)	MAED-11
8.	efgyk f'k{kk(Women Education)	MAED-12
9.	izkjfEHkd f'k{kk(Elementary Education)	MAED-14
10.	ek/;fed f'k{kk(Secondary Education)	MAED-15
	ikB~;Øe IX fuEufyf[kr ikB~;Øe lewg esa ls fdlh ,d ikB~;Øe dk p;u djsa	
11.	f'k{kd f'k{kk(Teacher Education)	MAED-17
12.	y?kq'kks/k izcU/k(Dissertation) नोटः एम.ए. पूर्वार्द्ध में 55 प्रतिशत अंक लाने पर देय होगा।	MAED-18

परीक्षा पद्धति (Examination Pattern) :

सत्रीय गृहकार्यः प्रत्येक पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) में सत्रीय गृहकार्य 20 अंकों का होगा। प्रत्येक पाठ्यक्रम में दो सत्रीय गृहकार्य करने होंगे। सत्रीय गृहकार्य पूर्ण करके सत्रांत परीक्षा से पूर्व संबंधित क्षेत्रीय केन्द्र पर जमा करवाना होगा।

सत्रांत (मुख्य) परीक्षाः एम.ए. पूर्वार्द्ध एवं उतरार्द्ध न्यूनतम अवधि अर्थात् 1 वर्ष के बाद विद्यार्थी की प्रत्येक पाठ्यक्रम की तीन घंटे की लिखित परीक्षा होगी। प्रत्येक पाठ्यक्रम (कम्प्यूटर शिक्षा एम.ए.ई.डी. –05 एवं शोध प्रबन्ध एम.ए.ई.डी. –18 को छोड़कर) की सत्रांत परीक्षा के लिए अधिकतम 80 अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम के दोनों भागों अर्थात सत्रांत परीक्षा एवं सत्रीय गृहकार्य में उत्तीर्ण होने के लिए दोनों में मिलाकर उत्तीर्णांक 36 प्रतिशत हैं। परन्तु किसी एक भाग सत्रीय गृहकार्य अथवा सत्रांत परीक्षा में न्यूनतम 25 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य है। यदि विद्यार्थी कुछ पाठ्यक्रमों को उत्तीर्ण नहीं कर पाया है तो उन पाठ्यक्रमों को उत्तीर्ण करने के लिए छः माह बाद होने वाली आगामी परीक्षा में पुनः बैठ सकता है। किसी एक परीक्षा में नए एवं पुराने अनुत्तीर्ण रहे पाठ्यक्रमों को मिलाकर अधिकतम 56 क्रेडिट के पाठ्यक्रमों की परीक्षा दे सकता है।

सम्पर्क शिविर एम.ए. शिक्षा में प्रत्येक वर्ष दिनांक 15 मई से 31 जून के मध्य 15 दिन का सम्पर्क शिविर लगेगा जो सभी छात्रों के लिए अनिवार्य है इसमें 75 प्रतिशत उपस्थिति नहीं होने पर छात्र मुख्य परीक्षा में नहीं बैठ पायेंगे।

कम्प्यूटर शिक्षा पाठ्यक्रम (एम.ए.ई.डी.–05) में कोई सत्रीय गृहकार्य नहीं दिया जायेगा। इस पाठ्यक्रम की सत्रांत सैद्धान्तिक परीक्षा 50 अंकों की एवं प्रायोगिक परीक्षा 50 अंकों की होगी तथा दोनों में अलग–अलग पास होना अनिवार्य है।

लघुशोध प्रबन्ध (एम.ए.ई.डी.–18) भी 100 अंकों का होगा। इसमें भी कोई सत्रीय कार्य नहीं होगा। शोध का विषय पूर्वार्द्ध के परीक्षा परीणाम के बाद जिन छात्रों के 55 प्रतिशत अंक प्राप्त किये है, केवल उन्हें ही लघुशोध प्रबन्ध चयन करने की सुविधा प्रदान की जायेगी। इसके लिए सभी छात्रों को अपने अध्ययन केन्द्र के प्राचार्य से निरन्तर सम्पर्क में रहना होगा क्योंकि उनके द्वारा ही उन्हें शोध पर्यवेक्षक आवंटित किया जायेगा। पर्यवेक्षक के द्वारा छात्रों को शोध का विषय दिया जायेगा उसे कैसे करना है, उसकी विवरणिका भी दे दी जायेगी।

अंक तालिका में सत्रीय गृहकार्य एवं सत्रांत परीक्षा के अंकों को अलग–अलग दर्शाया जायेगा। सफल विद्यार्थियों को निम्न तालिका के अनुसार श्रेणी प्रदान की जाएगी–

प्रथम श्रेणी	–	60% एवं अधिक
द्वितीय श्रेणी	–	48% एवं 60% से कम
उत्तीर्ण	–	36% या अधिक एवं 48% से कम

एम.ए. पूर्वार्द्ध में कोई श्रेणी नहीं दी जायेगी।

शिक्षा (Education)

योजना

कुल अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

शिक्षा के दार्शनिक एवं सामाजिक आधार एमएईडी–01

Philosophical & Sociological Bases of Education (MAED-01)

इकाई संख्या	इकाई का शीर्षक
1.	भारतीय दर्शन और इसके निहितार्थ
2.	गीता के शैक्षिक निहितार्थ
3.	जैन दर्शन तथा उसके शैक्षिक निहितार्थ
4.	बौद्ध दर्शन तथा उसके शैक्षिक निहितार्थ
5.	इस्लाम का शिक्षा– दर्शन
6.	अद्वैत वेदान्त दर्शन और उसके शैक्षिक निहितार्थ
7.	शिक्षा में उग्रवादी चिन्तन
8.	गुरूदेव रविन्द्रनाथ टैगोर के शैक्षिक विचार
9.	विवेकानन्द के शैक्षिक विचार

10.	डॉ. राधाकृष्णन का शिक्षा दर्शन
11.	महात्मा गाँधी का शिक्षा दर्शन
12.	आदर्शवाद
13.	प्रकृतिवाद
14.	प्रयोजनवाद
15.	यर्थाथवाद
16.	मानवतावाद
17.	अस्तित्ववाद
18.	शिक्षा और संस्कृति
19.	शिक्षा के अभिकरण– परिवार, सम–समूह
20.	विज्ञान व प्रोद्यौगिकी के युग में शिक्षा
21.	शिक्षा और आधुनिकीकरण
22.	शिक्षा और सांस्कृतिक परिवर्तन
23.	भारत में शिक्षा और आर्थिक विकास
24.	भारतीय राजनीति तथा शिक्षा
25.	भारत में शिक्षा और प्रजातंत्र
26.	शिक्षा और धार्मिक निरपेक्षता
27.	समाजवाद और शिक्षा
28.	शिक्षा और मानव अधिकार
29.	भारत में शिक्षा और मूल्यों की समस्या
30.	शिक्षा और सूचना क्रान्ति
31.	भविष्य विज्ञान एवं शिक्षा

शिक्षा के मनोवैज्ञानिक आधार एमएईडी–02

(Psychological Bases of Education) (MAED-02)

योजना

कुल अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या	**इकाई का शीर्षक**
1.	शिक्षा मनोविज्ञान की संकल्पना : मनोविज्ञान कला है या विज्ञान
2.	मनोविज्ञान का क्षेत्र और महत्व

3.	मनोवैज्ञानिक अध्ययनों में प्रयोग की जाने वाली विभिन्न विधियाँ (निरीक्षण, परीक्षण, व्यक्ति वृत अध्ययन, साक्षात्कार, सेल्फ रिपोर्टिंग)
4.	मनोविज्ञान के प्रमुख सम्प्रदाय
5.	विकास का अर्थ, विशेषताएं एवं प्रभावित करने वाले तत्व (अनुवांशिक, जैविक, सामाजिक)
6.	बालक का शारीरिक एवं गामक विकास
7.	बालक का ज्ञानात्मक विकास
8.	सामाजिक विकास : अर्थ, प्रक्रिया, परिवर्तन और प्रतिमान
9.	संवेगात्मक विकास
10.	नैतिक विकास : पियाजे तथा कॉलबर्ग के विशेष संदर्भ में
11.	अधिगम का प्रत्यय, स्वरूप और प्रकार
12.	अधिगम के सिद्धान्त
13.	अधिगम के सूचना प्रसाधन सिद्धान्त
14.	अधिगम का स्थानान्तरण
15.	गेने द्वारा प्रतिपादित अधिगम – अनुक्रम
16.	स्मरण व विस्मरण : प्रभावित करने वाले तत्व
17.	व्यक्तित्व के लक्षण एवं प्रभावक तत्व
18.	व्यक्तित्व मूल्यांकन प्रक्षेपी व अप्रक्षेपी विधियाँ
19.	व्यक्तित्व विभिन्नताएँ : संकल्पना, स्वभाव तथा मापन की विधियाँ
20.	बुद्धि अवधारणा तथा सिद्वान्त
21.	सृजनात्मकता
22.	अभिरूचि : अवधारणा तथा मापन
23.	अभिप्रेरणा संकल्पना तथा अधिगम पर प्रभाव
24.	समायोजन
25.	समाजमिती

शिक्षा की अनुसंधान पद्धतियां एमएईडी–03

(Research Methods in Education) (MAED-03)

योजना

कुल अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या	**इकाई का शीर्षक**
1	शैक्षिक अनुसंधान – अर्थ, विषय परिधि एवं महत्व

2 शैक्षिक अनुसंधान : लक्ष्य/वैशिष्ट्य, बाधाएं, सीमाएं, नैतिक आधार एवं स्तर
3 शोध के क्षेत्र (1)
4 शोध के क्षेत्र (2)
5 शिक्षा अनुसंधान के राष्ट्रीय व अन्तराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में वरीयता के क्षेत्र
6 शोध समस्या – चयन और निर्माण
7 प्राक्कल्पना
8 दत्त – आवश्यकता, महत्व और प्रकार
9 उपकरण एवं प्राविधियां
10 मनोवैज्ञानिक, शैक्षिक व समाजमिति परीक्षण तथा उचित परीक्षण का चयन
11 प्रतिचयन या न्यादर्श का महत्व विधियां
12 ऐतिहासिक अनुसंधान उपागम – अर्थ, आवश्यकता, प्रक्रिया, सोपान विशेषताएं एवं सीमाएं
13 दाशनिक उपागम – अर्थ, आवश्यकता, प्रक्रिया, सोपान विशेषताएं एवं सीमाएं
14 वर्णनात्मक अनुसंधान उपागम – अर्थ, आवश्यकता, प्रक्रिया, सोपान विशेषताएं एवं सीमाएं
15 प्रयोगात्मक उपागम
16 क्रियात्मक उपागम
17 दत्त की रेखाचित्रीय प्रस्तुति
18 केन्द्रीय प्रवृतियों का मापन
19 विचलनशीलता के माप
20 सापेक्ष स्थानिक माप
21 द्विपद एवं प्रसामान्य बण्टन
22 प्राचलिक सांख्यिकी
23 प्रसरण विश्लेषण
24 सह–सम्बन्ध
25 प्रतीपगमन विश्लेषण एवं पूर्वानुमान
26 अप्राचलिक सांख्यकी
27 काई वर्ग मध्यांक तथा चिन्ह परीक्षण

28 कम्प्यूटर उसका महत्व व प्रयोग, आंकडो के विश्लेषण में कम्प्यूटर का स्थान
29 सामान्यीकरण – अर्थ आधार औचित्य और निहितार्थ
30 अनुसंधान प्रायोजना
31 शोध प्रबन्ध

शैक्षिक तकनीकी एमएईडी–04

(Education Technology) (MAED-04)

योजना

कुल अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या इकाई का शीर्षक

1. शैक्षिक तकनीकी : अवधारणा, प्रकृति एवं क्षेत्र
2.. शैक्षिक तकनीकी का सैद्वान्तिक आधार –प्रथम
3. शैक्षिक तकनीकी का सैद्वान्तिक आधार – द्वितीय
4. प्रणाली उपागम
5. भारत में शैक्षिक तकनीकी में शोध की प्रवृति
6. ई – लर्निंग : अर्थ रीतियां एवं कार्यविधि
7. ज्ञान रचनावाद
8. अधिगम का प्रबन्ध
9. साधिकारिता अधिगम
10. अभिक्रमित अनुदेशन – संकल्पना, सिद्वान्त, प्रकार, प्रक्रिया अभिक्रमित पाठयपुस्तक तथा इसके विकास में प्रेसी, स्किनर, क्राउडर, गिलबर्ट का योगदान, उचित परीक्षण का चयन
11. कम्प्यूटर सहायतित अनुदेशन : अवधारणा एवं क्षेत्र, शोध, कार्यालय प्रबन्ध तथा पुस्तकालय में कम्प्यूटरों का प्रयोग
12. व्यक्तिपरक अनुदेशन पद्वति
13. सहयोगात्मक अधिगम
14. सूक्ष्म – शिक्षण
15. शिक्षण प्रतिमान
16. अन्तःक्रिया विश्लेषण प्रणाली
17. शिक्षण व्यूह रचनाएं

18. शिक्षण की व्यवस्था
19. सम्प्रेषण
20. सम्प्रेषण के सिद्वान्त
21. दृश्य–श्रव्य सहायक सामग्री
22. अन्तःक्रियात्मक टेलिविजन
23. मुद्रित सामग्री का महत्व , औपचारिक एवं अनौपचारिक शिक्षा में अनुरूपक एवं खेल
24. माध्यम वर्गीकरण योजना
25. स्थिर प्रक्षेपित सामग्री एवं गतिशील चित्र
26. शिक्षा में आकाशवाणी प्रसारण एवं श्रव्य टेप का महत्व तथा रेडियो पाठों का निर्माण
27. ई. टी. वी.,क्लोज सर्किट टी.वी., वी.सी.आर. तथा उपग्रह सम्प्रषण का महत्व
28. बहुआयामी उपागम की अवधारणा, भूमिका एवं महत्व
29. दूरस्थ शिक्षा में मुद्रण आधारित, स्व– अध्ययन सामग्री, इलैक्ट्रानिक मीडिया, सी.ए. आई, इन्टरैक्टव वीडियों, टैलिकॉन्फ्रैन्सिगं, कम्प्यूटर नैटवर्किगं माध्यम का प्रयोग

dEI;wVj lk{kjrk ,oa f'k{kk esa vuqiz;ksx ,e,bZMh05

Computer Litracy and Educational Application (MAED-05)

योजना

अधिकतम अंक 100 **समय : 3 घण्टे**

सैद्धान्तिक	50	**न्यूनतम उत्तीर्णांक** 18
प्रायोगिक	50	**न्यूनतम उत्तीर्णांक** 18

इकाई संख्या **इकाई का शीर्षक**

1. कम्प्यूटर का परिचय
2. इनपुट तथा आउटपुट डिवाइस
3. स्टोरेज डिवाइस
4. ऑपरेटिंग सिस्टम
5. विन्डोज ऑपरेटिंग सिस्टम

6. एम.एस. ऑफिस का परिचय तथा एम.एस. वर्ड
7. माइक्रोसोफ्ट वर्ड के विशेष गुण
8. मेल मर्ज
9. एम.एस. एक्सेल का परिचय
10. एम.एस. एक्सेल के विशेष गुण
11. एम.एस. एक्सेल चार्ट
12. एम.एस. पावर पाइन्ट का परिचय
13. पावर पाइन्ट के विशेष गुण
14. इंटरनेट एक परिचय
15. शिक्षा के लिए मल्टीमीडिया
16. इंटरनेट अनुप्रयोग
17. कम्प्यूटर आधारित प्रशिक्षण
18. सूचना तकनीक
19. दूरस्थ शिक्षा में सूचना तकनीक
20. शार्टकट बटन

nwjLFk f'k{kk ,e,bZMh06

Distance Education (MAED-06)

योजना

कुल अधिकतम अंक 100 **समय : 3 घण्टे**

सत्रीय गृह कार्य 20 **सत्रांत परीक्षा** 80 **न्यूनतम उत्तीर्णांक** 36

इकाई संख्या **इकाई का नाम**

1. दूरस्थ शिक्षा का दार्शनिक आधार
2. दूरस्थ शिक्षा : संकल्पना एवं विकास, दूरस्थ शिक्षा का परिचय : राष्ट्रीय और अन्तराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में
3. दूरस्थ शिक्षा संस्थानों का वर्गीकरण
4. पाठयक्रम अभिकल्प और विकास में प्रणाली अभिगम
5. दूरस्थ शिक्षा में स्व – अधिगम सामग्री
6. कार्यक्रम विकास की प्रक्रिया, संप्रेषण और संशोधन
7. विद्यार्थी सहायता सेवाएं
8. सामग्री उत्पादन और वितरण प्रणाली
9. भिन्न रूप से सक्षम शिक्षार्थी और विभिन्न सहायता प्रक्रिया
10. दूरस्थ शिक्षा में मूल्यांकन और निर्धारण

11. संप्रेषण प्रौद्योगिकियों का विकास
12. रेडियो, दूरदर्शन और उपग्रह प्रौद्योगिकी
13. इंटरनेट
14. मोबाइल प्रौद्योगिकी
15. दूरस्थ शिक्षा की आयोजना और प्रबन्ध
16. दूरस्थ शिक्षा निधिकरण
17. दूरस्थ शिक्षा की मानिटरिंग और विकास

rqyukRed f'k{kk ,e,bZMh&07

Comparative Education (MAED-07)

योजना

कुल अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या	इकाई का शीर्षक
1.	तुलनात्मक शिक्षा : सम्प्रत्यय, आवश्यकता, क्षेत्र,विधि एवं उपागम
2.	तुलनात्मक शिक्षा का विकास
3.	शिक्षा को प्रभावित करने वाले घटक
4.	अमेरिका में शिक्षा का विकास
5.	अमेरिका में विद्यालयी शिक्षा
6.	अमेरिका में विश्वविद्यालयी शिक्षा
7.	ब्रिटेन में शिक्षा का विकास
8.	ब्रिटेन में विद्यालयी शिक्षा
9.	ब्रिटेन में विश्वविद्यालयी शिक्षा
10.	रूस में शिक्षा का विकास
11.	रूस में विद्यालयी शिक्षा
12.	रूस में विश्वविद्यालयी शिक्षा
13.	जापान में शिक्षा का विकास
14.	जापान में विद्यालयी शिक्षा
15.	जापान में विश्वविद्यालयी शिक्षा
16.	श्रीलंका में शिक्षा का विकास
17.	श्रीलंका में विद्यालयी शिक्षा
18.	श्रीलंका में विश्वविद्यालयी शिक्षा
19.	भारत में शिक्षा का विकास
20.	भारत में विद्यालयी शिक्षा
21.	भारत में विश्वविद्यालयी शिक्षा
22.	शैक्षिक समस्याओं का तुलनात्मक अध्ययन

Ekkiu ,oa ewY;kadu ,e,bZMh&08

(Measurement and Evaluation) (MAED-08)

योजना

कुल अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या	इकाई का शीर्षक
1.	मापन एवं मूल्यांकन का अर्थ : प्रकृति, क्षेत्र एवं मापन तथा मूल्यांकन में अन्तर
2.	शैक्षिक मापन एव मूल्यांकन की आवश्यकता एवं महत्व तथा परिमाणात्मक और गुणात्मक मूल्यांकन
3.	मापन एवं मूल्यांकन में सम्बन्ध
4.	शिक्षा में उद्देश्य
5.	शैक्षिक उद्देश्यों का वर्गीकरण (ब्लूम द्वारा प्रतिपादित)
6.	उद्देश्यों को व्यावहारिक रूप में लिखना (मेगर का वर्गीकरण)
7.	निबन्धात्मक प्रकार के उपलब्धि परीक्षण, निबन्धात्मक प्रकार के परीक्षण, पदो की रचना, प्रशासन एवं फलाकंन
8.	वस्तुनिष्ठ प्रकार के उपलब्धि परीक्षण, वस्तुनिष्ठ प्रकार के परीक्षणों की व्यवस्था
9.	निबन्धात्मक व वस्तुनिष्ठ परीक्षण की तुलना अध्यापक निर्मित परीक्षणों का प्रयोजन एवं उनकी तुलना
10.	अच्छे परीक्षण की विशेषताएं वस्तुनिष्ठता विश्वसनीयता,वैधता व्यावहारिकता, उपयोगिता, मानक
11.	प्रमाणीकृत परीक्षण निर्माण में पद
12.	पद विश्लेषण ,विधि पद विश्लेषण परिणामों का उपयोग, पद विश्लेषण की सीमाएँ
13.	विश्वयनीयता – अर्थ मापन और प्रकार
14.	वैद्यता,– अर्थ मापन और प्रकार वैद्यता व विश्वसनीयता में सम्बन्ध
15.	विश्वयनीयता, व्यावहारिकता, उपयोगिता, तुलनीयता,
16.	प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों में शैक्षिक निदान की आवश्यकता
17.	निदानात्मक परीक्षण

18. पद विश्लेषण – प्रयोजन विभेदीकरण एवं कठिनाई सूचकांक – गणना करने की विधियाँ
19. अच्छे परीक्षण पदों को चयन करने के मापदण्ड मानक और प्रतिमान– मानक फलांक एवं प्रोफाइल का अर्थ
20. वास्तविक फलांक एवं मानकीय व्युत्पन्न फलांक मानकों के प्रकार– आयु, श्रेणी, शंताकीय,टी तथा जेड प्राप्तांक मानक

kSf{kd izca/ku ,e,bZMh&09
(Educational Management) (MAED-09)

योजना

कुल अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या	इकाई का शीर्षक
1.	शैक्षिक प्रबन्धन : अवधारणा, परिभाषा एवं सिद्वान्त
2.	शैक्षिक प्रबन्धन के सिद्वान्त
3.	शैक्षिक प्रबन्धन के उपागम
4.	उद्देश्यों द्वारा शैक्षिक प्रबन्धन (उद्वाप्र)
5.	शिक्षा में सम्पूर्ण गुणात्मक प्रबन्ध
6.	शैक्षिक योजना
7.	संगठनात्मक पर्यावरण
8.	शैक्षिक प्रबन्धन में नेतृत्व शैलियाँ
9.	शैक्षिक पर्यवेक्षण
10.	शैक्षिक प्रबन्धन में निर्णयन
11.	शैक्षिक प्रबन्धन में समन्वय
12.	शैक्षिक प्रबन्धन में दबाव एवं नियंत्रण
13.	स्वोट
14.	शैक्षिक प्रबन्धन में सम्प्रेषण
15.	समय प्रबन्धन
16.	परिवर्तन और नवाचार
17.	शैक्षिक प्रबन्धन के सवैंधानिक प्रावधान
18.	विद्यालय प्रबन्धन
19.	शिक्षा में वित्तीय प्रबन्धन
20.	भारत में शैक्षिक प्रबन्धन की प्रणाली एवं संरचना
21.	शैक्षिक निरीक्षण एवं मोनिटरिंग

निर्देशन एवं परामर्श ,e,bZMh&10
(Guidance and Counselling) (MAED-10)

योजना

कुल अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या	इकाई का शीर्षक
1.	निर्देशन और परामर्श – अर्थ , प्रकृति और क्षेत्र
2	निर्देशन की आवश्यकता और महत्ता
3	निर्देशन और परामर्श के लक्ष्य तथा सिद्धान्त
4	निर्देशन के प्रकार – व्यक्तिगत और शैक्षिक
5	व्यावसायिक निर्देशन
6	परामर्श का अर्थ, प्रकृति एवं उपागम
7	निर्देशन एवं परामर्श की संगठनात्मक योजना
8	परामर्श सेवाएं
9	निर्देशन एवं परामर्श सेवाओं के विभिन्न कार्यक्रम
10	निर्देशन एवं परामर्श मे विभिन्न सेवाएँ
11	निर्देशन एवं परामर्श मे मूल्यांकन
12	पाठ्यक्रम मूल्यांकन के प्रतिमान, पाठ्यचर्या विकास के मुद्दे प्रवृत्तियाँ एवं भारत में पाठ्यचर्या अनुसंधान (I) विभिन्न परीक्षण बुद्धि परीक्षण (II) अभियोग्यता परीक्षण (III) सृजनात्मकता (IV) रुचि परीक्षण (V) व्यक्तित्व परीक्षण
13	परीक्षणों का प्रशासन , फलांकन तथा व्याख्या परीक्षणों की उपलब्धियां तथा इसका संप्रेक्षण
14	निर्देशन एवं परामर्श में नवीन प्रवृति
15	निर्देशन एवं परामर्शदाता एवं दूरस्थ शिक्षा
16	निर्देशन एवं परामर्श पर विश्लेषणात्मक रिपोर्ट

पाठ्यक्रम विकास,e,bZMh&11
(Curriculum Development) (MAED-11)

योजना

कुल अधिकतम अंक 100　　**समय : 3 घण्टे**

सत्रीय गृह कार्य 20　　**सत्रांत परीक्षा 80**　　**न्यूनतम उत्तीर्णांक 36**

इकाई संख्या	इकाई का शीर्षक
1.	पाठ्यक्रम की अवधारणा , लक्ष्य एवं व्यक्तित्व से इसका सम्बन्ध
2	पाठ्यक्रम विकास – प्रक्रिया एवं सिद्धान्त
3	पाठ्यक्रम विकास का इतिहास
4	पाठ्यक्रम के निर्धारक आधार
5	पाठ्यक्रम में विचारणीय दार्शनिक विचार : दर्शन एक पाठ्यक्रम बल के रूप में, प्रगतिवादी, पुनर्निर्माणवादी, आधारभूतवाद एवं प्रगतिवाद के अनुसार पाठ्यक्रम मूल्यों एवं पाठ्यक्रम के बीच के सम्बन्ध
6	पाठ्यक्रम के मनोवैज्ञानिक आधार : मनोविज्ञान एक पाठ्यक्रम बल के रूप में, सहचर्यवाद एवं क्षेत्र सिद्धान्त के सन्दर्भ में अधिगम के अधिनियमों की उपयोगिता
7	पाठ्यक्रम में विचारणीय सामाजिक आधार : पाठ्यक्रम के माध्यम से संस्कृति : भारत में सामाजिक परिवर्तन (विशेष रूप से विज्ञान एवं तकनीकी के सन्दर्भ में) एवं इसकी पाठ्यक्रम में निहितार्थ
8	पाठ्यक्रम आकल्पन एवं संगठन : आकल्पन के अवयव एवं स्रोत , पाठ्यक्रम निर्माण के सिद्धान्त, पाठ्यक्रम के कार्यान्वयन में पाठ्यचर्या संगठन की विधियाँ
9	पाठ्यक्रम अभिकल्प : प्रकार एवं वर्गीकरण
10	पाठ्यक्रम निर्माण : विभिन्न मॉडल एवं पाठ्यक्रम निर्माण के सिद्धान्त
11	पाठ्यक्रम मूल्याकंन : मूल्याकंन की अवधारणा , आवश्यकता एवं महत्व
12	पाठ्यक्रम मूल्याकंन के प्रतिमान पाठ्यक्रम विकास के मुद्दे एवं प्रवृत्तियां एवं भारत में पाठ्यक्रम अनुसंधान
13	विभिन्न शिक्षा आयोगों के अनुसार पाठ्यक्रम विकास के सम्बन्ध में सिफारिशें / सुझाव

efgykf'k{kk,e,bZMh&12
(Women Education) (MAED-12)

योजना

कुल अधिकतम अंक 100　　**समय : 3 घण्टे**

सत्रीय गृह कार्य 20　　**सत्रांत परीक्षा 80**　　**न्यूनतम उत्तीर्णांक 36**

इकाई संख्या	इकाई का शीर्षक
1	महिला शिक्षा – ऐतिहासिक अवलोकन
2	महिला शिक्षा – वर्तमान स्थिति
3	बालिका शिक्षा
4	राजस्थान में महिला शिक्षा
5	प्राथमिक शिक्षा
6	माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा
7	विज्ञान, तकनीकी एवं महिलाएं
8	साहित्य, कला एवं मीडियां क्षेत्र में महिलाऐं
9	शैक्षिक विकास नीतियां एवं कार्यक्रम
10	पंचवर्षीय योजनाएं एवं महिला शिक्षा
11	स्वयं सेवी संस्थाएँ और महिला शिक्षा
12	महिला सशक्तिकरण और शिक्षा
13	रोजगारोन्मुखी शिक्षा
14	विभिन्न व्यवसायिक क्षेत्रों में महिलाऐं
15	कार्यस्थल में महिलाएं
16	अनौपचारिक शिक्षा और महिलाएं
17	लैंगिक परिप्रेक्ष्य : सैद्धान्तिक आधार
18	लिंग संवेदी अध्यापन – अधिगम प्रक्रिया
19	पाठ्यचर्या निर्माण : लैंगिक परिप्रेक्ष्य
20	लिंग संवेदी शिक्षक प्रशिक्षण

izkFkfed f'k{kk,e,bZMh&14
(Elementary Education) (MAED-14)

योजना

कुल अधिकतम अंक 100　　**समय : 3 घण्टे**

सत्रीय गृह कार्य 20　　**सत्रांत परीक्षा 80**　　**न्यूनतम उत्तीर्णांक 36**

इकाई संख्या	इकाई का शीर्षक
1	प्राथमिक शिक्षा : इतिहास , वर्तमान और भावी परिदृश्य

2	प्राथमिक शिक्षा का ऐतिहासिक विकास : भारतीय परिदृश्य
3	प्राथमिक शिक्षा का सार्वभौमिकरण : जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम
4	प्रारंभिक शिक्षा का सार्वभौमिकरण : सबके लिए शिक्षा (सर्वशिक्षा अभियान 2002–2010)
5	प्राथमिक स्तर पर शिक्षण अधिगम
6	प्राथमिक स्तर पर एकीकृत शिक्षण एवं अधिगम
7	सूचना एवं प्रोधौगिकी समर्थित अधिगम एवं प्राथमिक शिक्षा
8	पाठ्यक्रम एवं अनुदेशन
9	बाल वृद्धि एवं विकास
10	बालक का व्यक्तित्व विकास
11	विशेष आवश्यकता युक्त बच्चे
12	बालिका शिक्षा
13	समुदाय संबद्धः प्रावधान / नीति स्वरूप
14	विद्यालय और अध्यापक
15	विद्यालय और समाज
16	अनौपचारिक शिक्षा

Ekk/;fed f'k{kk ,e,b2Mh&15

(Secondary Education) (MAED-15)

योजना

कुल अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या	**इकाई का शीर्षक**
खण्ड –1	**माध्यमिक शिक्षा प्रणाली– इसका विकास**
1	स्वतंत्रता से पूर्व भारत में माध्यमिक शिक्षा का विकास
2	माध्यमिक शिक्षा का विकास–1947 से 1964
3	माध्यमिक शिक्षा का विकास–1966 से 1985
4	माध्यमिक शिक्षा का विकास–1886 और उसके बाद
खण्ड –2	**माध्यमिक शिक्षा का बोधन**
5	माध्यमिक शिक्षा के लक्ष्य एवं उद्देश्य
6.	माध्यमिक शिक्षा पद्धति में सुधार एवं इसकी गुणवत्ता
7.	माध्यमिक स्तर पर स्कूल प्रणाली
8.	विकसित देशों में माध्यमिक शिक्षा
खण्ड–3	**माध्यमिक शिक्षा प्रणाली : कुछ विचारणीय विषय**
9	माध्यमिक शिक्षा पर व्यावसायीकरण
10.	माध्यमिक स्तर पर पाठ्यक्रम
11.	माध्यमिक स्तर पर मूल्यांकन
12.	माध्यमिक स्तर पर अध्यापक शिक्षा
खण्ड–4	**माध्यमिक शिक्षा का प्रबंधन**
13.	संवैधानिक दायित्व तथा माध्यमिक शिक्षा के लिए केन्द्र एवं राज्य का योगदान
14.	माध्यमिक शिक्षा में निजीकरण
15.	माध्यमिक शिक्षा में वित्त व्यवस्था
16.	माध्यमिक शिक्षा में प्रशासन
खण्ड–5	**माध्यमिक शिक्षा में प्रवृत्तियाँ**
17.	माध्यमिक स्तर पर शिक्षण विधियां
18.	माध्यमिक स्तर पर विशिष्ट विद्यार्थियों के लिए शिक्षण
19.	माध्यमिक स्तर पर विशिष्ट विचारणीय विषय
20	माध्यमिक शिक्षा में उदीयमान प्रवृत्तियाँ

f'k{kd f'k{kk ,e,b2Mh&17

(Teacher Education) (MAED-17)

योजना

कुल अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या	**इकाई का शीर्षक**
1.	शिक्षक शिक्षा का अर्थ, प्रकृति एवं संकल्पना
2.	अधिगमकर्ताओं की आवश्यकताएं, शैक्षिक प्रणाली और अध्यापक शिक्षा
3.	ब्रिटिश काल एवं स्वातंत्रोत्तर भारत काल में शिक्षक–शिक्षा का विकास
4.	शिक्षक शिक्षा के उद्देश्य एवं राष्ट्रीय नीतियां
5.	शिक्षक शिक्षा की संरचना–स्तर एवं प्रकार
6.	अध्यापक प्रशिक्षण की प्रमुख विशेषताएं – सार्थकता, लचीलापन, एकीकरण और अंतर्विषयता
7.	प्राथमिक एवं माध्यमिक स्तर के लिए अध्यापक शिक्षा के पाठ्यक्रम की प्रकृति एवं संकल्पना
8.	राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् की पाठ्यचर्या की संरचना
9.	शिक्षक शिक्षा के राष्ट्रीय एवं अन्तराष्ट्रीय स्तर के अभिकरण
10.	शिक्षक शिक्षा के राज्य स्तरीय अभिकरण

11. व्यवसायिक संगठन तथा उनके उद्देश्य
12. शिक्षक प्रशिक्षक की व्यवसायिक सामाजिक एवं आर्थिक प्रतिष्ठा
13. शिक्षक और शिक्षक प्रशिक्षकों की अनवरत शिक्षा : संकल्पना, पद्धति, महत्त्व, तकनीकियाँ एवं मूल्यांकन
14. शिक्षक शिक्षा के मापदण्ड, प्रवेश नीतियां व चयन प्रक्रिया
15. शिक्षक प्रशिक्षकों का व्यवसायिक विकास : सेवापूर्व तथा सेवाकालीन कार्यक्रम
16. शिक्षक प्रशिक्षक संस्थाओं में प्रशासनिक मुद्दे
17. शिक्षक शिक्षा : प्राथमिक एवं माध्यमिक स्तर पर नियोजन, वित्तीय प्रबन्धन तथा नियंत्रण
18. केन्द्र सरकार, राज्य सरकार तथा स्वैच्छिक संगठनों की शिक्षा नियोजन (परियोजना) एवं वित्तीय प्रबन्धन व्यवस्था में भूमिका
19. शिक्षक शिक्षा में शोध की प्रकृति, प्रासंगिकता, क्षेत्र, समस्याएं एवं प्रवृत्तियां
20. उच्च माध्यमिक तथा माध्यमिक स्तर की शिक्षक शिक्षा में नवाचारित अभ्यास एवं विदेशों में नवाचार

लघुशोध प्रबन्ध (एम.ए.ई.डी.–18) लघु शोध प्रबन्ध लेने के नियमः

लघु शोध प्रबन्ध 100 अंकों का होगा। इसमें भी कोई सत्रीय कार्य नहीं होगा। शोध का विषय पूर्वार्द्ध के परीक्षा परीणाम के बाद जिन छात्रों के 55 प्रतिशत अंक प्राप्त किये है, केवल उन्हें ही लघुशोध प्रबन्ध चयन करने की सुविधा प्रदान की जायेगी। इसके लिए सभी छात्रों को अपने अध्ययन केन्द्र के प्राचार्य से निरन्तर सम्पर्क में रहना होगा क्योंकि उनके द्वारा ही उन्हें शोध पर्यवेक्षक आवंटित किया जायेगा। पर्यवेक्षक के द्वारा छात्रों को शोध का विषय दिया जायेगा उसे कैसे करना है, उसकी विवरणिका भी दे दी जायेगी।

एम. ए. अंग्रेजी **कार्यक्रम कोड–एम.ए.ई.जी.**

M.A. English **(Programme Code-MAEG)**

Objectives :

- Further expansion of understanding related to various streams of literary trends and linguistics.
- Development of better expressive skills leading to self development as a literary persona.
- Capacity to discern the literary trends across continents so as to inculcate pertinent "global" mental make up.
- Exploring better prospects for higher education in the chosen literature by contributing to it as a teacher, researcher or writer.

Admission Eligibility **:** Bachelor's degree (T.D.C.) from any recogniseduniversity.

Duration **:** Minimum 2 years ; maximum 6 years

Medium **:** Course Material is Available only in English

Credit **:** 72
M.A.(Previous) 32
M.A.(Final) 40

Fee **:** M.A.(Previous) Rs.4000/-
M.A.(Final) Rs.4000/-

Programme Structure **:**

There will be four courses in M.A. (Previous) and five courses in M.A.(Final). Each course will be of 8 credits.

M.A. (Previous)

S.No.	Name of Course	Course Code	Credit
1.	English Language Usage and Communication Skills	MAEG-01	8
2.	Renaissance to Jacobean Age	MAEG-02	8
3.	Caroline to Reformation Age	MAEG-03	8
4.	The Romantic Age	MAEG-04	8

M.A.(Final)

S.No.	Name of Course (COMPULSORY PAPERS)	Course Code	Credit
1.	Principles of Criticism	MAEG-05	8
2.	Victorian Age	MAEG-06	8
3.	Twentieth Century	MAEG-07	8
4.	Indian Writing in English and in Translation	MAEG-08	8

Optional Papers

S.No.	Name of Course (Choose any one)	Course Code	Credit
5	Post Colonial Literature	MAEG-09	8
6	American Literature	MAEG-10	8
7.	Canadian Literature	MAEG-11	8

Examination Pattern :

Internal Assignment: In each course Internal Assignment will be of 20 marks. Two Assignments will be given in each course . The Internal Assignments shall be submitted to the Concerned Regional Centre.

Term-end Examination: On the completion of the minimum duration i.e. one year; a candidate will be examined by the means of written examination of 3 hours duration in each course. The maximum marks for each course shall be 80. To pass in Examination, a candidate shall be required to score 36% marks in each course as well as in aggregate. However, it is compulsory to secure 25% marks in each component i.e. Internal Assignment and Term End Examination otherwise he/she will have to reappear in the next examination after

six months to clear the due papers. There will be a ceiling of 56 credits in an examination to clear fresh as well as due courses.

The marks obtained in internal assignment and term end examination shall be shown separately in the marksheet. The successful candidate shall be classified as per the following table-

First Division	-	60% above
SecondDivision	-	48% to less than 60%
Pass	-	36% to less than 48%

No Division shall be awarded for the M.A. Previous examination.

अंग्रेजी (English)

Scheme

Max.Marks 100 Duration: 3 hr.

I.H.A. 20 Term-End Exam. 80 Min.PassMarks 36

English Language Usage & Communication Skills (MAEG-01)

Unit No.	Unit Name
1	Elements of a sentence
2	Basic verb patterns
3	Phrase structures
4	Clause structures
5	Concord and Agreement
6	Notions and Concepts
7	Morphology
8	Troublespots
9	Reading Comprehension
10	Listening Comprehension
11	Summerizing and Précis Writing
12	Note making
13	Report and Review Writing
14	Theme Writing and Elaboration

15 Business Communication
16 Electronic Communication
17 Non-Verbal Communication
18 Research Methodology

Renaissance to Jacobean Age (MAEG-02)

Scheme
Max.Marks 100 Duration: 3 hr.
I.H.A. 20 Term-End Exam. 80 Min.PassMarks 36

Unit No.	Unit Name
1	Chaucer: Prologue to the Cantebury Tales
2	Spenser: Faerie Queen (extracts)
3	Thomes Wyatt and Henry Howard, Earl of Surrey
4	Thomas Kyd and Nashe
5	Webster:Duchess of Malfi
6	Alchemist
7	Marlowe: Dr. Faustus
8	Bacon: Of Truth; Of Revenge
9	Donne: Cannonization; Extasie; Religious Sonnets
10	Shakespeare: King Lear; As You Like It
11	Social and Cultural History: Renaissance to Jacobean Age

Caroline to Reformation Age (MAEG-03)

Scheme
Max.Marks 100 Duration: 3 hr.
I.H.A. 20 Term-End Exam. 80 Min.PassMarks 36

Unit No.	Unit Name
1	Milton: Lycidas; Paradise Lost Book I & II (Extracts)
2	Marvel, Vaugham and Herbert: Poems
3	Swift: Battle of Books
4	Pope: Rape of the Lock
5	Fielding: Tom Jones
6	Dryden: Absalom and Achitophel
7	Sheridan: The School for Scandals

8 Goldsmith: She Stoops to Conquer
9 Sterne: Tristram Shandy
10 Defoe: Moll Flanders
11 Thomas Gray
12 William Collins
13 William Blake: Songs of Innocence
14 Social and Cultural History of the Age
15 Important Movements of the Age

The Romantic Age (MAEG-04)

Scheme
Max.Marks 100 Duration: 3 hr.
I.H.A. 20 Term-End Exam. 80 Min.PassMarks 36

Unit No.	Unit Name
1	Wordsworth: Preface to Lyrical Ballads; Tinten Abbey
2	Coleridge: Kubla Khan; Christabel ; The Rime of Ancient Mariner
3	Keats: Odes - Grecian Urn and Autumn ; The Eve of St. Agnes
4	Shelley: Adonais ; Odes -The West Wind and The Skylark
5	Byron: The Vision of Judgement
6	Lamb: Imperfect Sympathies, Dream Children
7	Hazlitt: On Going a Journey; The Indian Jugglers
8	Scott: Ivanhoe
9	Jane Austin: Pride and Prejudice
10	Mary Shelley: Frankenstein
11	Social and Cultural History of the Age
12	Geoff Ward: Overview of Romantic Age

Principles of Criticism (MAEG-05)

Scheme
Max.Marks 100 Duration: 3 hr.
I.H.A. 20 Term-End Exam. 80 Min.PassMarks 36

Unit No.	Unit Name
1	Bharata's Natyashastra**,** Rasadhyayas of Natyashastra

2	Acharya Kuntaka's Vakroktijivitam
3	Aristotle: The Poetics
4	Samuel Johnson: Preface to Shakespeare
5	Alexander Pope: An Essay on Man
6	Coleridge: Biographia Literaria
7	Matthew Arnold: Culture and Anarchy
8	T.S.Eliot: Tradition and Individual Talent
9	F.R.Leavis: Revaluation
10	Northrop Frye:Myth and Archetype
11	Lionel Trilling: The Liberal Imagination and The Opposing Self
12	Elaine Showalter: Towards A Feminist Poetics
13	Simone De Beauvoir: A Feminist with A Difference
14	Frantz Fanon: The Wretched of The Earth
15	Salman Rishdie: Imaginary Homelands: Essays and Criticism1981-1991
16	Mulk Raj Anand: Social Protest In My Novels

Victorian Literature (MAEG-06)

Scheme

Max.Marks 100 Duration: 3 hr.

I.H.A. 20 Term-End Exam. 80 Min.PassMarks 36

Unit No.	Unit Name
1	Alfred Tennyson: Ulysses, Lotus Eaters
2	Elizabeth Barrett Browning: Poems
3	Robert Browning: The Grammarian's Funeral; Andrea Del Sarto
4	Matthew Arnold: A Great Victorian Genius; Sohrab and Rustam
5	G.M. Hopkins: The Windover, Carrion Comfort
6	Development of The Novel
7	Charles Dickens: Great Expectations
8	George Eliot: Silas Marner
9	Emily Bronte: Wuthering Heights
10	William Makepiece Thackeray: Vanity Fair
11	Thomos Hardy: The Return of Native

12	R.L. Stevenson: Treasure Island
13	John Stuart Mill: The Subjection of Women
14	Thomas Carlyle: The Hero as Poet
15	Walter Pater: Studies in the History of the Renaissance

Twentieth Century Literature (MAEG-07)

Scheme

Max.Marks 100 Duration: 3 hr.

I.H.A. 20 Term-End Exam. 80 Min.PassMarks 36

Unit No.	Unit Name
1	T.S.Eliot: The Wasteland (I)
2	W.B.Yeats: Sailing to Byzantium; Easter 1916
3	W.H.Auden: Sept. 1, 1939 and In Memory of W.B.Yeats
4	Dylen Thomas: Fern Hill and This Bread I Break
5	Bernard Shaw: Saint Joan
6	J.M.Synge: The Play Boy of Westren World
7	John Osborne: Look Back in Anger
8	Samuel Beckett: Waiting for Godot
9	Virginia Woolf: Mrs. Dalloway
10	James Joyce: A Portrait of the Artist As a Young Man
11	D.H.Lawrence: Sons and Lovers
12	Aldous Huxley: Brave New World
13	George Orwell: Shooting an Elephant

Indian Writings in English & Translation (MAEG-08)

Scheme

Max.Marks 100 Duration: 3 hr.

I.H.A. 20 Term-End Exam. 80 Min.PassMarks 36

Unit No.	Unit Name
1	Rabindranath Tagore: Gitanjali
2	Toru Dutt: Our Casuarina Tree and Sita
3	Sarojini Naidu: Palanquin Bearers, Conquest and The Feather of Dawn

4	Sri Aurobindo: Savitri Canto I: The Symbol Dawn
5	Nissim Ezekiel: Night of the Scorpion and Poet, Lover, Birdwatcher
6	Kamala Das: The Sunshine Cat & The Looking Glass
7	Mulk Raj Anand : Untouchable
8	Raja Rao: Kanthapura
9	R.K.Narayan; The Guide
10	Anita Desai: Voices in the city
11	Shashi Deshpande: The Dark Holds No Terror
12	Rama Mehta: Inside The Haveli
13	Mahesh Dattani: Final Solutions
14	Kalidasa: Abhijnanashakuntalam
15	Sudraka: Mrichchhakatikam
16	Premchand: Godan
17	U.R.Anantha Murthy: Samskara
18	Indira Goswami: An Unfinished Autobiography
19	Mahashweta Devi: Mother of 1084

(Optional Paper)

Postcolonial Literature (MAEG-09)

Scheme

Max.Marks 100 Duration: 3 hr.

I.H.A. 20 Term-End Exam. 80 Min.PassMarks 36

Unit No.	Unit Name
1	Chinua Achebe's: Things Fall Apart
2	Ice- Candy Man
3	Jean Arasanayagam : "The Journey"
4	Intezar Hussain : "A Letter from India"
5	Urmil Pawar's "My Four Enemies"
6	Postcolonial Poetry
7	Language: Kamla Das's and R. Parthasarathy's Poems
8	Language: P.K.Page's and Derek Walcott's Poems
9	A.D. Hope's and Iudith Wright's Poems

10	David Diop's and Margaret Atwood's Poems
11	Bernard Dadiet and Rechard Ntiru's Poems.
12	Kamla Das's and Shiv K. Kuwar's Poems
13	Arun Prabha Mukherjee " Race Consciousness of a South Asian (Canadian, Of Course) Female Academic"
14	Partha Chatterjee: "Whose Imagined Community?" I
15	Ashis Nandy's The Intimate Enemy I
16	A Study of Tale- Danda-I
17	Amitav Ghosh "The Diaspora in Indian Culture"
18	V.S. Naipual : India : A Wounded Civilization

(Optional Paper)

American Literature (MAEG-10)

Scheme

Max.Marks 100 Duration: 3 hr.

I.H.A. 20 Term-End Exam. 80 Min.PassMarks 36

Unit No.	Unit Name
1	Whitman: Selected Poems
2	Emily Dickinson: Selected Poems
3	Robert Frost: Some Selected Poems
4	Nathaniel Hawthorne: The Scarlet Letters
5	Ernest Hemingway: A Farewell to Arms
6	Toni Morison: The Bluest Eyes
7	Mark Twain: The Adventures of Huckleberry Finn
8	Arthur Miller: Death of a Salesman
9	Tennessee Williams : The Glass Menagerie
10	Eugene O'Neill : The Emperor Jones
11	Ralph Waldo Emerson: The Over Soul; The American Scholar
12	Raymond Carver: Vitamins A Small Good Thing

(Optional Paper)

Canadian Literature in English (MAEG-11)

Scheme

Max.Marks 100 Duration: 3 hr.

I.H.A. 20 Term-End Exam. 80 Min.PassMarks 36

Unit No.	Unit Name
1	Canadian Poetry
2	Canadian Fiction
3	Canadian Drama
4	Northrop Frye:"Conclusion "to the Literary History of Canada
5	Edwin John Dove Pratt's Poems
6	F.R.Scott's Poems
7	Al Purdy's Poems
8	Margaret Atwood's Poems
9	Margaret Laurence: The Stone Angel; The Fire Dwellers
10	Alice Munro: Who Do You Think You Are
11	Margaret Atwood: Surfacing
12	Rohinton Mistry : Such A Long Journey
13	Sharon Pollock: A Distinguished Dramatist; *Doc*
14	Uma Parameswaran: A Diasporic Writer; Sons Must Die

एम.ए. गाँधी एवं शान्ति अध्ययन कार्यक्रम कोड : एमएजीपी

M.A. Gandhi and Peace Studies Programme Code : MAGP

उद्देश्य (Objectives)

- समाज विज्ञान के व्यापक परिवेश में गाँधी का चिन्तन, गाँधीवादी चिन्तन तथा शान्ति की चुनौतियाँ एवं संभावनाओं का सघन ज्ञानार्जन।
- संघर्ष समाधान हेतु गाँधीवादी एवं अहिंसक विधाओं की जानकारी प्रदान कर छात्रों में अहिंसक संघर्ष निवारण की व्यावहारिक समझ एवं कर्म कौशल विकसित करना।
- विविध सघंर्ष समाधान और शान्ति से जुड़े विविध गैर–सरकारी संगठनों में बेहतर रोजगार सम्भावनाओं का अभिज्ञान।

प्रवेश योग्यता

(Admission Eligibility) : किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक (त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम) उपाधि।

अवधि (Duration) : न्यूनतम 2 वर्ष ; अधिकतम 6 वर्ष

माध्यम (Medium) : पाठ्य सामग्री केवल हिन्दी में उपलब्ध

श्रेयांक (Credit) : 72
एम.ए. (पूर्वार्द्ध) 32
एम.ए. (उत्तरार्द्ध) 40

शुल्क (Fee) : एम.ए. (पूर्वार्द्ध) रू. 4000/–
एम.ए. (उत्तरार्द्ध) रू. 4000/–

कार्यक्रम संरचना (Programme Structure)

एम.ए. गाँधी एवं शान्ति अध्ययन के पूर्वार्द्ध में कुल चार पाठयक्रम होंगें। जबकि उत्तरार्द्ध में कुल पाँच पाठयक्रम होंगे। प्रत्येक पाठयक्रम 8 श्रेयांक का होगा। अध्ययन सामग्री हिन्दी माध्यम में उपलब्ध करवायी जायेगी।

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) गाँधी एवं शान्ति अध्ययन

क्र. सं. (S.No.)	पाठयक्रम का नाम (Name of Course)	पाठयक्रम कोड (Course Code)	श्रेयांक (Credit)
1.	मोहनदास से महात्मा गाँधी From Mohandas to Mahatma Gandhi	एमएजीपी– 01 MAGP-01	8
2.	विचारक के रूप में गाँधी Gandhi as a Thinker	एमएजीपी– 02 MAGP-02	8

3.	अहिंसात्मक संघर्ष निवारण की गाँधीवादी तकनीक Gandhian Techniques of Nonviolent Conflict Resolution	एमएजीपी– 03 MAGP-03	8
4.	भारत एवं विदेश में गाँधीवादी शान्ति आन्दोलन Gandhian Peace Movements in India and Abroad	एमएजीपी– 04 MAGP-04	8

एम.ए. (उत्तरार्द्ध) गाँधी एवं शान्ति अध्ययन

क्र. सं. (S.No.)	पाठयक्रम का नाम (Name of Course)	पाठयक्रम कोड (Course Code)	श्रेयांक (Credit)
1.	गाँधी पर शास्त्रीय ग्रन्थ Classics on Gandhi	एमएजीपी – 05 MAGP-05	8
2.	गाँधी के राजनीतिक विचार Political Thought of Gandhi	एमएजीपी – 06 MAGP-06	8
3.	गाँधी के बाद उनके विचार एवं प्रयोग Gandhian Ideas and Practices after Gandhi	एमएजीपी – 07 MAGP -07	8
4.	समकालीन समस्यायें और गाँधी Gandhi and Contemporary Problems	एमएजीपी – 09 MAGP-08	8
5.	लघु शोध प्रबन्ध Dissertation	एमएजीपी – 09 MAGP -09	8

* इस पाठ्यक्रम की सत्रान्त परीक्षा (मुख्य परीक्षा) में प्रश्नपत्र 100 अंकों का होता है। इस पाठ्यक्रम में कोई सत्रीय (गृह) कार्य नहीं दिया जायेगा। इसमें दो खण्ड होते हैं। खण्ड "अ" में एम.ए. पूर्वार्द्ध के चारों पाठ्यक्रमों में दी गई पाठ्यसामग्री में से कोई पाँच शीर्षक दिये जाते हैं। इनमें से आपको 2500 शब्दों का एक निबन्ध लिखना होता है। इसी प्रकार पाठ्यक्रम के खण्ड "ब" में एम.ए. उत्तरार्द्ध की अध्ययन सामग्री में से पाँच शीर्षक दिये जाते हैं। इनमें से किसी एक शीर्षक पर 2500 शब्दों का एक निबन्ध लिखना होता है। इस प्रकार आपको अपनी पूर्वार्द्ध एवं उत्तरार्द्ध की सम्पूर्ण सामग्री में से दो निबन्ध लिखने हैं।

परीक्षा पद्धति (Examination Pattern) :

सत्रीय गृहकार्यः प्रत्येक पाठ्यक्रम में सत्रीय गृहकार्य 20 अंकों का होगा। प्रत्येक पाठ्यक्रम में दो सत्रीय गृहकार्य करने होंगे। सत्रीय गृहकार्य पूर्ण करके सत्रांत परीक्षा से पूर्व संबंधित क्षेत्रीय केन्द्र पर जमा करवाना होगा।

सत्रांत (मुख्य) परीक्षाः एम.ए. (पूर्वार्द्ध) एवं एम.ए. (उत्तरार्द्ध) न्यूनतम अवधि अर्थात् 1 वर्ष के बाद विद्यार्थी की प्रत्येक पाठ्यक्रम की तीन घंटे की लिखित परीक्षा होगी। प्रत्येक

पाठ्यक्रम की सत्रांत परीक्षा के लिए अधिकतम 80 अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम के दोनों भागों अर्थात् सत्रांत परीक्षा एवं सत्रीय गृहकार्य में उत्तीर्ण होने के लिए दोनों में मिलाकर उत्तीर्णांक 36 प्रतिशत हैं। परन्तु किसी एक भाग सत्रीय गृहकार्य अथवा सत्रांत परीक्षा में न्यूनतम 25 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य है। यदि विद्यार्थी कुछ पाठ्यक्रमों को उत्तीर्ण नहीं कर पाया है तो उन पाठ्यक्रमों को उत्तीर्ण करने के लिए छः माह बाद होने वाली आगामी परीक्षा में पुनः बैठ सकता है। किसी एक परीक्षा में नए एवं पुराने अनुत्तीर्ण रहे पाठ्यक्रमों को मिलाकर अधिकतम 56 क्रेडिट के पाठ्यक्रमों की परीक्षा दे सकता है।

अंक तालिका में सत्रीय गृहकार्य एवं सत्रांत परीक्षा के अंकों को अलग–अलग दर्शाया जायेगा। सफल विद्यार्थियों को निम्न तालिका के अनुसार श्रेणी प्रदान की जाएगी–

प्रथम श्रेणी	–	60% एवं अधिक
द्वितीय श्रेणी	–	48% एवं 60% से कम
उत्तीर्ण	–	36% एवं 48% से कम

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) परीक्षा में कोई श्रेणी नहीं दी जाएगी।

egkRekxka/khdkfuekZ.k¼,e,thih&01½

योजना

अधिकतम अंक 100 **समय : 3 घण्टे**

सत्रीय गृह कार्य 20 **सत्रांत परीक्षा 80** **न्यूनतम उत्तीर्णांक 36**

इकाई संख्या	**इकाई का शीर्षक**
1.	महात्मा गाँधी
2	गाँधी जीवन (1869 ई. 1948 ई.)
3	गाँधी के जीवन और चिंतन पर प्रभाव
4	दक्षिण अफ्रीका में गाँधी का अभियान
5	भारत में गाँधी : चम्पारण सत्याग्रह से भारत छोड़ो आन्दोलन तक
6	चम्पारण आन्दोलन और महात्मा गाँधी
7	खेड़ा सत्याग्रह एवं गाँधी
8	बारदोली सत्याग्रह और महात्मा गाँधी
9	गाँधी : आध्यात्मिक व्यक्तित्व
10	लंदन में गाँधीजी का विद्यार्थी जीवन
11	गाँधी की व्रत सम्बन्धी विचार
12	वॉयकोम सत्याग्रह
13	नोआखली सत्याग्रह
14	महात्मा गाँधी : एक जननेता के रूप में

fopkjdds :i esa xka/kh ¼e,thih&02½

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या	**इकाई का शीर्षक**
1.	गाँधी का अध्ययन
2	गाँधीजी की सत्य की अवधारणा
3	अहिंसा
4	सत्याग्रह
5	गाँधीजी चिन्तन : राजनीतिक एवं धार्मिक
6	गाँधीजी चिन्तन : सामाजिक एवं आर्थिक
7	गाँधीजी का आर्थिक चिन्तन
8	गाँधीजी के धर्म सम्बन्धी विचार
9	नारी सम्बन्धी गाँधीजी के विचार
10	गाँधी अध्ययन के ऐतिहासिक चरण
11	गाँधी पर उत्तर आधुनिक परिचर्या : आधुनिकता एवं सत्य
12	राज्य सम्बन्धी गाँधी के विचार
13	गाँधी की स्वतंत्रता, अधिकार एवं कर्त्तव्य सम्बन्धी विचार
14	स्वराज एवं रामराज्य सम्बन्धी गाँधी के विचार
15	अस्पृश्यता और गाँधी : विचार एवं कार्य
16	सर्वोदय की अवधारणा

vfgalkRed la?k"kZ fuokj.k dh xka/khoknh rduhd¼e,thih&03½

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या	**इकाई का शीर्षक**
1.	मानव सुरक्षा हेतु शान्ति एवं संघर्ष निवारण
2	मानवाधिकार और गाँधी
3	अहिंसात्मक संघर्ष निवारण
4	संघर्ष निवारण और सत्याग्रह
5	बुनियादी शिक्षा के विभिन्न आयाम
6	रचानात्मक कार्यक्रम और शान्तिमय परिवर्तन
7	गाँधी आश्रम और अहिंसात्मक आन्दोलन
8	सविनय अवज्ञा द्वारा अहिंसात्मक संघर्ष निवारण
9	महात्मा गाँधी का राजनीतिक नेतृत्व : एक मूल्यांकन
10	वैकल्पिक संघर्ष निवारण
11	असयोग और अहिंसात्मक संघर्ष निवारण
12	शान्ति–निर्माण
13	संघर्ष–प्रबन्धन
14	शान्ति सम्बन्धी गाँधीवादी दृष्टिकोण

Hkkjr ,oa fons'k esa xka/khoknh 'kkfUr vkUnksyu¼e,thih&04½

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या	**इकाई का शीर्षक**
1	भारत में गाँधीवादी शान्ति आन्दोलन
2	भूदान
3	ग्रामदान
4	स्थिर विकास और पर्यावरण
5	चिपको आन्दोलन
6	नर्मदा आन्दोलन
7	अमेरिका में नागरिक आन्दोलन
8	किंग की अहिंसा
9	ग्रीन पीस आन्दोलन
10	शान्ति शिक्षा
11	गाँधी एवं राजस्थान
12	नेल्सन मण्डेला

लघु शोध प्रबन्ध के नियमः

इस पाठ्यक्रम की सत्रान्त परीक्षा (मुख्य परीक्षा) में प्रश्नपत्र 100 अंकों का होता है। इस पाठ्यक्रम में कोई सत्रीय (गृह) कार्य नहीं दिया जायेगा। इसमें दो खण्ड होते हैं। खण्ड "अ" में एम.ए. पूर्वार्द्ध के चारों पाठ्यक्रमों में दी गई पाठ्यसामग्री में से कोई पाँच शीर्षक दिये जाते हैं। इनमें से आपको 2500 शब्दों का एक निबन्ध लिखना होता है। इसी प्रकार पाठ्यक्रम के खण्ड "ब" में एम.ए. उत्तरार्द्ध की अध्ययन सामग्री में से पाँच शीर्षक दिये जाते हैं।

एम. ए./एम.एससी भूगोल कार्यक्रम कोड: एमए/एमएससीजीई

M. A./M.Sc. Geography Programme Code : MA/MScGE

उद्देश्य (Objectives) :

- दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से मौलिक ज्ञानार्जन द्वारा भावी विशेषज्ञता को संधारित करना।
- भूगोल के विषयगत विकास की प्रवृत्तियों का संयोजन।
- विद्यार्थियों को 'भौतिक भूगोल' के व्यावहारिक पक्ष से परिचित करवाना।
- समसामयिक परिप्रेक्ष्य में भूगोल के आर्थिक सिद्धान्तों की प्रस्थापना।
- पर्यावरणीय भूगोल का ज्ञान प्रदान कर दक्षता विकसित करना।
- अखिल भारतीय/राजस्थान प्रशासनिक सेवाओं में चयन की सामर्थ्य का विकास।

प्रवेश योग्यता (Admission Eligibility) :

एम. ए. भूगोल में प्रवेश हेतु किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी संकाय में स्नातक (त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम) उपाधि।

एम.एससी भूगोल में प्रवेश हेतु किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से बी. एससी उत्तीर्ण होना आवश्यक है। इसके लिये यह आवश्यक है कि बीएससी में भूगोल विषय रहा हो।

अवधि (Duration) : न्यूनतम 2 वर्ष ; अधिकतम 6 वर्ष।

माध्यम (Medium) : पाठ्य सामग्री केवल हिन्दी में उपलब्ध

श्रेयांक (Credit) : 80

एम.ए./एम.एससी. (पूर्वार्द्ध) 40

एम.ए./एम.एससी. (उत्तरार्द्ध) 40

शुल्क (Fee) : पूर्वार्द्ध रू. 6000/–(2000 रूपये सम्पर्क शिविर शुल्क सहित)

उत्तरार्द्ध रू. 6000/–(2000रूपये सम्पर्क शिविर शुल्क सहित))

कार्यक्रम संरचना (Programme Structure) :

एम.ए./एम.एससी भूगोल के पूर्वार्द्ध तथा उत्तरार्द्ध में पाँच–पाँच पाठ्यक्रम होंगे। इनमें से चार पाठ्यक्रम सैद्धान्तिक तथा एक पाठ्यक्रम प्रायोगिक का होगा। प्रत्येक पाठ्यक्रम 8 श्रेयांक का होगा। विद्यार्थियों को हिन्दी माध्यम की अध्ययन सामग्री उपलब्ध करवायी जाएगी।

प्रायोगिक कार्य निष्पादन हेतु प्रति वर्ष 20 दिन के एक शिविर का आयोजन किया जायेगा। जिसमें कुल 60 घंटों का प्रायोगिक कार्य सम्पन्न करना होगा।

एम.ए./एम.एससी (पूर्वार्द्ध) भूगोल

क्र.सं. (S.No.)	पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course)	पाठ्यक्रम कोड (Course Code)	श्रेयांक (Credit)
1.	भौगोलिक चिन्तन का विकास Evolution of Geographical Thought	एमए/एमएससी जीई–01 MA/MSc GE-01	8
2.	भौतिक भूगोल Physical Geography	एमए/एमएससी जीई–02 MA/MSc GE-02	8
3.	आर्थिक भूगोल के सिद्धांत Principles of Economic Geography	एमए/एमएससी जीई–03 MA/MSc GE-03	8
4.	पर्यावरण भूगोल Geography of Environment	एमए/एमएससी जीई–04 MA/MSc GE-04	8
5.	प्रायोगिक भूगोल Practical Geography	एमए/एमएससी जीई–05 MA/MSc GE-05	8

एम.ए./एस.एससी (उत्तरार्द्ध) भूगोल

क्र.सं. (S.No.)	पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course)	पाठ्यक्रम कोड (Course Code)	श्रेयांक (Credit)
1.	भारत का वृहद् भूगोल Geography of India	एमए/एमएससी जीई–06 MA/MSc GE-06	8
2.	कृषि भूगोल Geography of Agriculture	एमए/एमएससी जीई–07 MA/MSc GE-07	8
3.	राजनीतिक भूगोल Political Geography	एमए/एमएससी जीई–08 MA/MSc GE-08	8
4.	नगरीय भूगोल Urban Geography	एमए/एमएससी जीई–09 MA/MSc GE-09	8
5.	प्रायोगिक भूगोल Practical Geography	एमए/एमएससी जीई–10 MA/MSc GE-10	8

परीक्षा पद्धति (Examination Pattern) :

सत्रीय गृहकार्य: प्रत्येक पाठ्यक्रम में सत्रीय गृहकार्य 20 अंकों का होगा। प्रत्येक पाठ्यक्रम में दो सत्रीय गृहकार्य दिये जाएंगे। सत्रीय गृहकार्य पूर्ण करके संबंधित क्षेत्रीय केन्द्र पर जमा करवाना होगा। एम.ए./एम.एससी पूर्वार्द्ध एवं उत्तरार्द्ध भूगोल के पाठ्यक्रम कोड एमए/एमएससी जीई–05 एवं एमए/एमएससी जीई–10 प्रायोगिक भूगोल का है जिसमें कोई सत्रीय गृहकार्य नहीं दिया जायेगा।

सत्रांत (मुख्य) परीक्षाः एम.ए. (पूर्वार्द्ध) एवं एम.ए. (उत्तरार्द्ध) न्यूनतम अवधि अर्थात् 1 वर्ष के बाद विद्यार्थी की प्रत्येक पाठ्यक्रम की तीन घंटे की लिखित परीक्षा होगी। प्रत्येक पाठ्यक्रम की सत्रांत परीक्षा के लिए अधिकतम 80 अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक सैद्धान्तिक पाठ्यक्रम के दोनों भागों अर्थात सत्रांत परीक्षा एवं सत्रीय गृहकार्य में उत्तीर्ण होने के लिए दोनों में मिलाकर उत्तीर्णांक 36 प्रतिशत हैं। परन्तु किसी एक भाग सत्रीय गृहकार्य अथवा सत्रांत परीक्षा में न्यूनतम 25 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य है। यदि विद्यार्थी कुछ पाठ्यक्रमों को उत्तीर्ण नहीं कर पाया है तो उन पाठ्यक्रमों को उत्तीर्ण करने के लिए छः माह बाद होने वाली आगामी परीक्षा में पुनः बैठ सकता है। किसी एक परीक्षा में नए एवं पुराने अनुत्तीर्ण रहे पाठ्यक्रमों को मिलाकर अधिकतम 56 क्रेडिट के पाठ्यक्रमों की परीक्षा दे सकता है।

सत्रांत (मुख्य) प्रायोगिक परीक्षा : एम.ए./एम.एससी पूर्वार्द्ध (भूगोल) की प्रायोगिक परीक्षा में अंकों का वितरण निम्न प्रकार होगा। प्रायोगिक पाठ्यक्रम में उत्तीर्ण होने के लिए अलग से 36 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य है।

1.	प्रयोगशाला कार्य पर लिखित परीक्षा	4 घंटे	40 अंक
2.	रिकॉर्ड वर्क एवं मौखिक परीक्षा	20+10	30 अंक
3.	प्रोजेक्ट रिपोर्ट एवं मौखिक परीक्षा	20+10	30 अंक

अंक तालिका में सत्रीय कार्य एवं सत्रांत परीक्षा के अंकों को अलग–अलग दर्शाया जायेगा। विद्यार्थी को सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक प्रश्नपत्र अलग–अलग उत्तीर्ण करने होंगे। सफल विद्यार्थियों को निम्न तालिका के अनुसार श्रेणी प्रदान की जाएगी–

प्रथम श्रेणी	–	60% एवं अधिक
द्वितीय श्रेणी	–	48% एवं 60% से कम
उत्तीर्ण	–	36% एवं 48% से कम

एम.ए./एम.एससी उत्तरार्द्ध (भूगोल) की प्रायोगिक परीक्षा में अंकों का वितरण निम्न प्रकार होगा :

1.	प्रयोगशाला कार्य पर लिखित परीक्षा	4 घंटे	40 अंक
2.	रिकॉर्ड वर्क एवं मौखिक परीक्षा	15+5	20 अंक
3.	फील्ड सर्वे एवं मौखिक परीक्षा	15+5	20 अंक
4.	प्राजेक्ट रिर्पोट एवं मौखिक परीक्षा	15+5	20 अंक

एम.ए./एम.एससी उत्तरार्द्ध (भूगोल) की प्रायोगिक परीक्षा में अंकों का वितरण निम्न प्रकार होगा :

भूगोल (Geography)

योजना

कुल अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

भौगोलिक चिन्तन का विकास (एमए/एमएससी जीई–01)

Evolution of Geographical Thought (MA/MSc GE-01)

इकाई संख्या	इकाई का शीर्षक
1	भूगोल का अर्थ, प्रकृति, विषय–क्षेत्र और उद्देश्य
2	प्राचीन भारत में भौगोलिक विचारधारा के विकास के मुख्य प्रदेश, युग और मुख्य पक्ष
3	चिरसम्मत (शास्त्रीय) काल में भूगोल : यूनानी तथा रोम भूगोलवेत्ताओं की देन
4	पूर्व मध्यकालीन भूगोल एवं अरब भूगोलवेत्ताओं का योगदान
5	उत्तर मध्यकालीन भूगोल : पुनर्जागरण काल (1250 ई. से 1700 ई. तक)
6	अठारहवीं शताब्दी का भूगोल : राजनीतिक – सांख्यिकीय भूगोल, शुद्ध भूगोल, वैज्ञानिक और दार्शनिक विधियाँ एव भूगोल का वर्गीकरण
7	उन्नीसवीं शताब्दी का भूगोल : भूगोल का शास्त्रीय युग, वैज्ञानिक भूगोल की स्थापना
8	जर्मन भौगोलिक विचारधाराएँ
9	फ्रांसीसी भौगोलिक विचारधाराएँ
10	वातावरण निश्चयवाद, सम्भववाद, नव–निश्चयवाद, प्रसम्भाव्यवाद
11	ब्रिटिश भौगोलिक विचारधाराएँ
12	अमेरिकी विचारधाराएँ
13	पूर्ववर्ती सोवियत सघं में भौगोलिक विचारधाराएँ
14	भूगोल में द्वैतवाद : प्राकृतिक और मानव भूगोल
15	'क्रमबद्ध' और 'प्रादेशिक' भूगोल का द्विभाजन : भूगोल में एकता

16 भूगोल में अभिनव प्रवृत्तियाँ
17 समस्या उपागम, व्यावहारिक भूगोल और प्रादेशिक नियोजन
18 आधुनिक भारत में भूगोल का अध्ययन – अध्यापन

भौतिक भूगोल (एमए/एमएससी जीई–02)
Physical Geography (MA/MSc GE-02)

योजना

अधिकतम अंक 100 **समय : 3 घण्टे**

सत्रीय गृह कार्य 20 **सत्रांत परीक्षा 80** **न्यूनतम उत्तीर्णांक 36**

इकाई संख्या	इकाई का शीर्षक
1	पृथ्वी की उत्पत्ति
2	पृथ्वी की आन्तरिक संरचना
3	भू–सन्तुलन
4	महाद्वीपों एवं महासागरों की उत्पति
5	पृथ्वी की हलचलें
6	भूकम्प एवं ज्वालामुखी
7	चट्टानें
8	नदी एवं उसके कार्य
9	हिमानी वायु, भूमिगत जल तथा सामुद्रिक लहरों द्वारा निर्मित भू–आकार
10	वायुमण्डल का संगठन एवं संरचना
11	सूर्यातप, तापमान एवं उष्मा सन्तुलन
12	वायुमण्डलीय दाब तथा पवन; आर्द्रता एवं वर्षा
13	वायु –राशियाँ
14	जलवायु के प्रकार : कोपेन तथा थॉर्न्थवेट के वर्गीकरण
15	महासागरीय जल का तापमान तथा लवणता
16	महासागरीय तली के उच्चावच एवं निक्षेप
17	महासागरीय जल का परिसंचरण : ज्वारभाटा तथा धाराएँ
18	प्रवाल भित्तियाँ तथा द्वीप।

आर्थिक भूगोल के सिद्धांत (एमए/एमएससी जीई–03)
Principles of Economic Geography (MA/MSc GE-03)

योजना

अधिकतम अंक 100 **समय : 3 घण्टे**

सत्रीय गृह कार्य 20 **सत्रांत परीक्षा 80** **न्यूनतम उत्तीर्णांक 36**

इकाई संख्या	इकाई का शीर्षक
1	आर्थिक भूगोल की परिभाषा, क्षेत्र एवं परिवर्तित प्रकृति
2	अर्थव्यवस्था : परिभाषा मॉडल, सरलीकृत का पर्यावरणीय सम्बन्ध एवं सरलीकृत की स्थानिक संरचना
3	आर्थिक क्रियाओं का भौगोलिक आधारः क्रमबद्ध और स्थानिक उपागम
4	निर्वाहक, बागाती एवं भूमध्यसागरीय कृषि
5	मिश्रित कृषि, व्यापारिक खाद्यान्न उत्पादन कृषि।
6	पशुपालन दुग्ध व्यवसाय
7	ऊर्जा ससांधन
8	उद्योगों के अवस्थिति सिद्धान्त : वेबर, लॉश, हूवर एवं स्मिथ
9	लोहा–इस्पात, एल्यूमिनियम तथा इंजीनियरिंग उद्योग का विशद् अध्ययन
10	सूती वस्त्र तथा कागज एवं लुग्दी उद्योग
11	परिवहन लागत में स्थानिक विविधताएँ
12	परिवहन जाल विश्लेषण
13	महासागरीय एवं आन्तरिक जलमार्ग आतंरिक जल मार्ग
14	वॉन थूईनेन के कृषि अवस्थिति सिद्धान्त के संदर्भ में: भूमि उपयोग की स्थानिक संरचना
15	निर्णय लेने की प्रक्रिया : स्थितिगत निर्णय–व्यवहारात्मक दृष्टिकोण
16	केन्द्रीय स्थल सिद्धान्त की परिवर्तित प्रकृति
17	आर्थिक प्रदेश : निर्धारण की विधियाँ
18	भारत के आर्थिक प्रदेश

पर्यावरण भूगोल (एमए/एमएससी जीई–04)
Geography of Environment (MA/MSc GE-04)

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या	इकाई का नाम
1	पर्यावरण भूगोल की परिभाषा, विषय क्षेत्र एवं प्रकृति तथा इसका अन्य प्राकृतिक और सामाजिक विज्ञानों से सम्बन्ध
2	भूगोल में मानव पर्यावरण सम्बन्धः नियतिवाद, सम्भववाद, नव–निश्चयवाद एवं अन्य विचार
3	प्राकृतिक वातावरण पर मानवीय प्रभाव
4	पर्यावरण अवकर्षण : प्रकृति और प्रकार
5	वायु प्रदूषण : स्रोत, प्रभाव एवं नियन्त्रण के उपाय
6	जल प्रदूषण : स्रोत, प्रभाव एवं नियन्त्रण के उपाय
7	शोर, मृदा/भूमि एवं रेडियो धर्मिता प्रदूषण– स्रोत, प्रभाव एवं नियन्त्रण के उपाय
8	मानव जनसंख्या एवं पर्यावरण : जनसंख्या वृद्धि एवं वितरण, जनसांख्यकीय संक्रमण, जनसंख्या वृद्धि पर पारिस्थितिकी, पर्यावरण एवं मानवीय स्वास्थ्य, भारतीय परिदृश्य
9	प्राकृतिक संसाधन एवं उनका संरक्षण
10	पर्यावरणीय प्रबन्धन : आवश्यकता, संकल्पनाएँ एवं उपागम
11	जैव–विविधता एवं इसका प्रबन्धन
12	पर्यावरणीय प्रभाव का मूल्यांकन
13	सतत् विकास : संकल्पना का विकास मूल आधार, नियन्त्रक सिद्धान्त एवं सूचकांक, सतत् विकास हेतु विश्वव्यापी प्रयास
14	भूमण्डलीय पर्यावरणीय मुद्दे : ओजोन परत की विरलता, हरित गृह प्रभाव एवं विश्व तापमान वृद्धि
15	मरूस्थलीकरण एवं वनोन्मूलन
16	पर्यावरण की भू–राजनीति एवं संयुक्त राष्ट्र संघ

17	भारत की प्रमुख पर्यावरणीय समस्याएँ : वायु, जल एवं ध्वनि प्रदूषण, ठोस अपशिष्ट निस्तारण, वनोन्मूलन एवं मृदा अवकर्षण
18	भारत में पर्यावरणीय विधि व्यवस्था

प्रायोगिक भूगोल (एमए/एमएससी जीई–05)
Practical Geography MA/MSc GE-05

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या	इकाई का नाम
1	मानचित्र की परिभाषा एवं प्रकृति , मानचित्र कला का कलात्मक एवं वैज्ञानिक पक्ष, मानचित्र रचना का इतिहास, मानचित्रण की सामग्री एवं उपकरण की तकनीक
2	मानचित्रों का विवर्धन, लघुकरण एवं सयुंक्तीकरण
3	भूवैज्ञानिक मानचित्र
4	मौसम मानचित्र का निवर्चन एवं मौसम पूर्वानुमान
5	मानचित्र प्रक्षेप एवं उनका वर्गीकरण
6	शंक्वाकार प्रक्षेप : गणितीय रचना एवं विशेषताएँ
7	बेलनाकार प्रक्षेप : गणितीय रचना एवं विशेषताएँ
8	खमध्य प्रक्षेप : गणितीय रचना एवं विशेषताएँ
9	रूढ़ प्रक्षेप : गणितीय रचना एवं विशेषताएँ
10	आकंड़ों की गणना
11	सांख्यिकीय विधियॉ
12	निकटतम पड़ौस विश्लेषण का सैद्धान्तिक पक्ष, निकटतम पड़ौस विश्लेषण का प्रायोगिक अभ्यास, नगरीय केन्द्रों का स्थानिक विश्लेषण
13	वितरण, सममान रेखा विधि वर्णमात्री एवं छाया मानचित्र, बिन्दु विधि, एवं जनसंख्या पिरामिड आरेख
14	आर्थिक सामाजिक आकंड़ो के निरूपण के लिविमीय आरेख एवं मानारेख
15	आलेख
16	भूगोल में क्षेत्र अध्ययन

भारत का वृहद् भूगोल (एम.ए./एम. एससी. जीई 06)
Geography of India (MA/MSc GE-06)

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या	इकाई का नाम
1	भारत : स्थिति, विस्तार एवं स्थानिक सम्बन्ध
2(अ)	भौमिकी
2(ब)	भू–आकृति
3	अपवाह तंत्र एवं जल संसाधन
4	प्रमुख नदी घाटी परियोजनाऐं एवं जल संसाधनों का संरक्षण
5	जलवायु
6	प्राकृतिक वनस्पति एवं वन्य जीव
7	मिट्टी – वर्गीकरण, समस्याएं एवं संरक्षण
8	खनिज संसाधन
9	ऊर्जा संसाधन
10	जनसंख्या एवं अधिवास
11	कृषि
12	उद्योग
13	परिवहन एवं संचार तंत्र एवं व्यापार
14	प्रादेशिक नियोजन
15	भारत के भौगोलिक प्रदेश
16	राजस्थान का प्रादेशिक अध्ययन
17	समसामयिक मुद्दे
18	भारत का राजनीतिक परिदृश्य

कृषि भूगोल (एमए/एमएससी जीई–07)
Geography of Agriculture (MA/MSc GE-07)

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या	इकाई का नाम
1	कृषि भूगोल : प्रकृति एवं विकास

2	कृषि का उद्भव, प्रसार एवं विकास
3	कृषि भूगोल में क्षेत्र–सर्वेक्षण एवं मानचित्रण
4	कृषीय भूमि उपयोग के भौगोलिक निर्धारक : धरातल एवं जलवायु
5	मृदाएँ
6	कृषि के मानवीय अवधारक
7	कृषि भूगोल के मॉडल/प्रतिरूप
8	कृषि नवाचारों का प्रसरण
9	भूमि उपयोग एवं भूमि क्षमता वर्गीकरण
10	कृषि दक्षता/उत्पादकता
11	कृषि मूल्यांकन प्रविधियां : शस्य श्रेणी, शस्य गहनता, शस्य विविधता एवं शस्य संयोजन प्रदेश
12	कृषि प्रादेशीकरण
13	कृषि प्रकारिकी
14	हरित क्रान्ति
15	भारत में कृषि परिदृश्य
16	कृषि जलवायु प्रदेश : भारत एवं राजस्थान
17	भारत में कृषि नीति

राजनीतिक भूगोल (एमए/एमएससी जीई–08)
Political Geography (MA/MSc GE-08)

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या	इकाई का नाम
1	राजनीतिक भूगोल की प्रकृति, क्षेत्र एवं विकास
2	राजनीतिक भूगोल के अध्ययन दृष्टिकोण
3	राजनीतिक भूगोल की विचारधाराएँ एवं पद्धतियाँ
4	विश्व सामरिकता के दृष्टिकोण
5	राज्य, राष्ट्र और राष्ट्र राज्य
6	एकात्मक एवं संघात्मक राज्य
7	सीमान्त और सीमाएँ
8	राजधानी और मूल स्थल
9	राजनीतिक भूगोल में प्राकृतिक तत्व

10	राजनीतिक भूगोल में सांस्कृतिक तत्व
11	राजनीतिक भूगोल में आर्थिक तत्व : संसाधन एवं परिवहन
12	पर्यावरण की भू–राजनीति
13	निर्वाचन अध्ययन के दृष्टिकोण एवं प्रारूप
14	निर्वाचन प्रणाली के प्रकार, निर्वाचन क्षेत्रो का अध्ययन एवं गेरीमेण्डरिंग मतदान व्यवहार एवं चुनाव परिणामों का अध्ययन
15	सुपर शक्ति संकल्पना : निर्धारक तत्व एवं संयुक्त राज्य अमेरिका का सुपर शक्ति के रूप में अध्ययन
16	भारत का उभरता भू–राजनीतिक स्वरूप : अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में भारत की भूमिका एवं भारत का पड़ौसी राज्यों से सम्बन्ध
17	गैर–राजनीतिक संगठन : अन्तर्राष्ट्रीय एवं प्रादेशिक तथा उनकी युद्ध और शांति में भूमिका
18	वर्तमान विश्व के उभरते राजनीतिक भौगोलिक मुद्दे

नगरीय भूगोल (एमए/एमएससी जीई–09)
Urban Geography (MA/MSc GE-09)

योजना

अधिकतम अंक 100 **समय : 3 घण्टे**

सत्रीय गृह कार्य 20 **सत्रांत परीक्षा 80** **न्यूनतम उत्तीर्णांक 36**

इकाई संख्या	इकाई का नाम
1	नगरीय भूगोल, परिभाषा, विषय क्षेत्र
2	नगरीय भूगोल का विकास एवं उपागम
3	नगरों का उद्भव एवं विकास
4	द्वितीय विश्वयुद्धोपरान्त विश्व नगरीकरण, प्रवत्तियां एवं प्रारूप
5	नगरीय केन्द्रों का स्तमन, स्थिति, बसाव स्थिति एवं बसाव स्थान
6	नगरों की आंतरिक संरचना, विकास प्रक्रिया, सिद्धान्त, भारतीय नगरों की आंतरिक संरचना का तुलनात्मक अध्ययन
7	नगरीय उपान्त – विशेषताएं, सीमांकन; उपग्रह नगर
8	नगरीय बस्तियों का पदानुक्रम
9	प्रभाव क्षेत्रों के कार्यात्मक स्वरूप
10	केन्द्रीय स्थान सिद्धान्त एवं नगर

11	नगरों के कार्यात्मक वर्गीकरण की विभिन्न विधियों का तुलनात्मक अध्ययन
12	भारत में नगरों का कार्यात्मक वर्गीकरण
13	कोटि–आकार नियम
14	नगरीय समस्याऐं
15	नगर नियोजन, अर्थ, सिद्धान्त व भारत में नगर नियोजन
16	भारत में नगरीय विकास : नीतियां एवं कार्यक्रम
17	भारत में नगर नियोजन, जयपुर एवं चण्डीगढ़ की नगर योजनाएं
18	भारत में महानगर –प्रादेशिक नियोजन : राष्ट्रीय राजधानी प्रदेश

प्रायोगिक भूगोल (एमए/एमएससी जीई–10)
Practical Geography (MA/MSc GE-10)

योजना

अधिकतम अंक 100 **समय : 3 घण्टे** **न्यूनतम उत्तीर्णांक 36**

इकाई संख्या	इकाई का नाम
1	सर्वेक्षण : परिभाषा, इतिहास, उपयोग एवं प्रकार
2	प्लेन टेबुल सर्वेक्षण के उपकरण एवं उनके उपयोग
3	प्लेन टेबुल सर्वेक्षण
4	भारतीय क्लाइनोमीटर
5	डम्पी लेविल से तल–मापन एवं ऐबनी लेविल
6	थियोडोलाइट सर्वेक्षण
7	स्थलाकृतिक मानचित्रः इतिहास, रूढ़ चिन्ह तथा स्थलाकृतिक अंशचित्रों के विभिन्न तथ्यों की व्याख्या
8	परिच्छेदिकाऐं, प्रवणता एवं ढाल विश्लेषण
9	उच्चतादर्शी वक्र एवं तुंगता बारंबारता ग्राफ
10	वायु छायाचित्र
11	सुदूर संवेदन एवं भूमण्डलीय स्थितीय तंत्र
12	भौगोलिक सूचना तंत्र
13	परिशिष्ट

एम.ए. हिन्दी — कार्यक्रम कोड : एमएएचडी

M. A. Hindi — Programme Code: MAHD

उद्देश्य (Objectives) :

- प्रवेश प्राप्त विषय में सघन ज्ञानार्जन द्वारा भावी विशेषज्ञता का संधान।
- हिन्दी काव्य,काव्यशास्त्र, गद्य व समालोचना की प्रमुख प्रवृत्तियों से अन्तरंगता और उसके आधार पर व्यवहार्य साहित्यिकी का विकास।
- हिन्दी साहित्य के इतिहास के संबंध में दक्षता का निर्धारण।
- नाटक व कथेतर गद्य विधाएँ, कथा साहित्य व भाषा विज्ञान के सम्बन्ध में दक्षता का निर्धारण।
- उच्च शिक्षा में बेहतर सम्भावनाओं की तलाश और उसके आधार पर शिक्षक, शोधकर्ता तथा लेखक के रूप में उपयोगी भूमिका का निर्वाह।
- जनसंचार माध्यम व पत्रकारिता तथा लोकसाहित्य के स्वरूप व प्रवृत्तियों से अन्तरंगता का निर्धारण।
- विविध प्रतियोगी परीक्षाओं में भाषा–दक्षता के आधार पर सफलता का सूत्रपात।

प्रवेश योग्यता

(Admission Eligibility) : किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक (त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम) उपाधि।

अवधि (Duration) : न्यूनतम 2 वर्ष ; अधिकतम 6 वर्ष।

माध्यम (Medium) : पाठ्य सामग्री केवल हिन्दी में उपलब्ध

श्रेयांक (Credit) : 72
एम.ए. (पूर्वार्द्ध) 32 श्रेयांक
एम. ए. (उत्तरार्द्ध) 40 श्रेयांक

शुल्क (Fee) : एम.ए.(पूर्वार्द्ध) रू. 4000/–
एम.ए.(उत्तरार्द्ध) रू. 4000/–

कार्यक्रम संरचना (Programme Structure) :

एम.ए. हिन्दी के पूर्वार्द्ध में कुल चार पाठ्यक्रम होंगे। जबकि एम.ए उत्तरार्द्ध में कुल पाँच पाठ्यक्रम होंगे। प्रत्येक पाठ्यक्रम 8 श्रेयांक का होगा।

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) हिन्दी

क्र.सं. (S.No.)	पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course)	पाठ्यक्रम कोड (Course Code)	श्रेयांक (Credit)
1.	प्राचीन एवं मध्य कालीन काव्य	एमएएचडी–01	8
2.	आधुनिक काव्य	एमएएचडी–02	8
3.	हिन्दी साहित्य का इतिहास	एमएएचडी–03	8
4.	काव्यशास्त्र व समालोचना	एमएएचडी–04	8

एम.ए. (उत्तरार्द्ध) हिन्दी

क्र.सं. S. No	पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course)	पाठ्यक्रम कोड (Course Code)	श्रेयांक (Credit)
1.	नाटक और कथेतर गद्य विधाएँ	एमएएचडी–05	8
2.	कथा साहित्य	एमएएचडी–06	8
3.	भाषा विज्ञान	एमएएचडी–07	8
4.	आधुनिक हिन्दी कविता और गीत परम्परा	एमएएचडी–08	8
क्र.सं.	वैकल्पिक प्रश्न–पत्र (कोई एक चुनें) Optional Course (Paper) (Select any one)	पाठ्यक्रम कोड (Course Code)	श्रेयांक (Credit)
5.	लोक साहित्य	एमएएचडी–09	8
6.	जनसंचार माध्यम और पत्रकारिता	एमएएचडी–10	8

परीक्षा पद्धति (Examination Pattern) :

सत्रीय गृहकार्य: प्रत्येक पाठ्यक्रम में सत्रीय गृहकार्य 20 अंकों का होगा। प्रत्येक पाठ्यक्रम में दो सत्रीय गृहकार्य करने होंगे। सत्रीय गृहकार्य पूर्ण करके सत्रांत परीक्षा से पूर्व संबंधित क्षेत्रीय केन्द्र पर जमा करवाना होगा।

सत्रांत (मुख्य) परीक्षा: एम.ए. (पूर्वार्द्ध) एवं एम.ए. (उत्तरार्द्ध) न्यूनतम अवधि अर्थात् 1 वर्ष के बाद विद्यार्थी की प्रत्येक पाठ्यक्रम की तीन घंटे की लिखित परीक्षा होगी। प्रत्येक पाठ्यक्रम की सत्रांत परीक्षा के लिए अधिकतम 80 अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम के दोनों भागों अर्थात सत्रांत परीक्षा एवं सत्रीय गृहकार्य में उत्तीर्ण होने के लिए दोनों में मिलाकर उत्तीर्णांक 36 प्रतिशत हैं। परन्तु किसी एक भाग सत्रीय गृहकार्य अथवा सत्रांत परीक्षा में न्यूनतम 25 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य है। यदि विद्यार्थी कुछ पाठ्यक्रमों को उत्तीर्ण नहीं कर पाया है तो उन पाठ्यक्रमों को उत्तीर्ण करने के लिए छः माह बाद होने वाली आगामी परीक्षा में पुनः बैठ सकता है। किसी एक परीक्षा में नए एवं पुराने अनुत्तीर्ण

रहे पाठ्यक्रमों को मिलाकर अधिकतम 56 क्रेडिट के पाठ्यक्रमों की परीक्षा दे सकता है।

अंक तालिका में सत्रीय गृहकार्य एवं सत्रांत परीक्षा के अंकों को अलग–अलग दर्शाया जायेगा। सफल विद्यार्थियों को निम्न तालिका के अनुसार श्रेणी प्रदान की जाएगी–

प्रथम श्रेणी	–	60% एवं अधिक
द्वितीय श्रेणी	–	48% एवं 60% से कम
उत्तीर्ण	–	36% एवं 48% से कम

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) परीक्षा में कोई श्रेणी नहीं दी जाएगी।

हिन्दी (Hindi)

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य (एमएएचडी–01)

इकाई संख्या	इकाई का नाम
1	चन्दवरदाई का काव्य
2	चन्दवरदाई के काव्य का अनुभूति एवं अभिव्यंजना पक्ष
3	विद्यापति का काव्य
4	विद्यापति के काव्य का अनुभूति एवं अभिव्यंजना पक्ष
5	कबीर का काव्य
6	कबीर के काव्य का अनुभूति एवं अभिव्यंजना पक्ष
7	जायसी का काव्य
8	जायसी के काव्य का अनुभूति एवं अभिव्यंजना पक्ष
9	तुलसीदास का काव्य
10	तुलसीदास के काव्य का अनुभूति एवं अभिव्यंजना पक्ष
11	सूरदास का काव्य
12	सूरदास के काव्य का अनुभूति एवं अभिव्यंजना पक्ष
13	मीराबाई का काव्य
14	मीराबाई के काव्य का अनुभूति और अभिव्यंजना पक्ष
15	बिहारी का काव्य
16	बिहारी के काव्य का अनुभूति और अभिव्यंजना पक्ष

17	पद्माकर का काव्य
18	पद्माकर के काव्य का अनुभूति और अभिव्यंजना पक्ष
19	धनानन्द का काव्य
20	धनानन्द के काव्य का अनुभूति और अभिव्यंजना पक्ष
21	भूषण का काव्य
22	भूषण के काव्य का अनुभूति और अभिव्यंजना पक्ष

आधुनिक काव्य (एमएएचडी–02)

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या	इकाई का नाम
1	मैथिलीशरण गुप्त का काव्य
2	मैथिलीशरण गुप्त के काव्य का अनुभूति एवं अभिव्यंजना पक्ष
3	जयशंकर प्रसाद का काव्य
4	जयशंकर प्रसाद के काव्य का अनुभूति एवं अभिव्यंजना पक्ष
5	सूर्यकांत त्रिपाठी निराला का काव्य
6	सूर्यकांत त्रिपाठी निराला के काव्य का अनुभूति एवं अभिव्यंजना पक्ष
7	महादेवी वर्मा का काव्य
8	महादेवी वर्मा के काव्य का अनुभूति एवं अभिव्यंजना पक्ष
9	सुमीत्रानन्दन पंत का काव्य
10	सुमत्रानन्दन पंत के काव्य का अनुभूति एवं अभिव्यंजना पक्ष
11	दिनकर का काव्य : कुरूक्षेत्र का छठा सर्ग
12	हरिवंशराय बच्चन का काव्य
13	हरिवंशराय बच्चन के काव्य का अनुभूति एवं अभिव्यंजना पक्ष
14	नरेन्द्र शर्मा का काव्य
15	नरेन्द्र शर्मा के काव्य का अनुभूति एवं अभिव्यंजना पक्ष
16	नागार्जुन का काव्य
17	नागार्जुन के काव्य का अनुभूति और अभिव्यंजना पक्ष
18	अज्ञेय का काव्य – 'असाध्य वीणा'
19	अज्ञेय के काव्य का अनुभूति और अभिव्यंजना पक्ष

20 दुष्यंत का काव्य
21 दुष्यंत के काव्य का अनुभूति और अभिव्यंजना पक्ष
22 रघुवीर सहाय का काव्य
23 रघुवीर सहाय के काव्य का अनुभूति और अभिव्यंजना पक्ष

हिन्दी साहित्य का इतिहास (एमएएचडी–03)

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या	इकाई का नाम
1	आदिकालीन काल विभाजन, नामकरण एवं काल निर्धारण
2	आदिकालीन काव्य की परिस्थिति
3	नाथ, सिद्ध और जैन साहित्य
4	रासो काव्य एवं लौकिक साहित्य
5	भक्तिकालीन काव्य की परिस्थिति
6	निर्गुण भक्तिकाल–ज्ञानमार्गी संत काव्यधारा
7	निर्गुण भक्तिकाल–प्रेममार्गी सूफी काव्य धारा
8	सगुण भक्तिकाल – कृष्ण भक्ति काव्य धारा
9	सगुण भक्तिकाल – राम भक्ति काव्य
10	रीतिकालीन काव्य की परिस्थिति
11	रीतिकालीन कविता का स्वरूप–रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीति मुक्त काव्य
12	आधुनिक काव्य की पृष्ठभूमि
13	भारतेन्दु युग का काव्य
14	द्विवेदी युग का काव्य
15	छायावाद
16	उत्तर छायावादी कविता
17	प्रगतिवादी काव्य
18	प्रयोगवाद और नयी कविता
19	समकालीन कविता
20	हिन्दी कथा साहित्य

21 हिन्दी नाट्य साहित्य
22 हिन्दी आलोचना
23 निबन्ध
24 अन्य गद्य विधाएँ

काव्यशास्त्र और समालोचना (एमएएचडी–04)

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या	इकाई का नाम
1	काव्य की परिभाषा तथा लक्षण
2	काव्य के भेदः प्रबन्ध काव्य और मुक्तक काव्य
3	काव्य प्रेरणा व काव्य हेतु
4	काव्य प्रयोजन
5	भारतीय काव्य शास्त्र का परिचय
6	भारतीय काव्य शास्त्र के प्रमुख सम्प्रदाय–1 : रस
7	भारतीय काव्य शास्त्र के प्रमुख सम्प्रदाय–2:रीति, अंलकार व औचित्य
8	भारतीय काव्य शास्त्र के प्रमुख सम्प्रदाय–3 : ध्वनि व वक्रोक्ति
9	रस की परिभाषा, स्वरूप व रस निष्पत्ति
10	साधारणीकरण
11	अरस्तू का साहित्य चिन्तन
12	इलियट का साहित्य चिन्तन
13	मार्क्स का साहित्य चिन्तन
14	क्रोचे का अभिव्यंजनावाद
15	फ्रायड का मनोविश्लेषण
16	लुकाच का साहित्य चिन्तन
17	आई.ए. रिचर्ड्स का साहित्य चिन्तन
18	अस्तित्ववाद
19	अभिजात्यवाद व स्वच्छन्दतावाद
20	आधुनिकतावाद
21	उत्तर – आधुनिकतावाद
22	हिन्दी आलोचना का उद्‌भव व विकास

23 हिन्दी का आलोचना शास्त्र–1 : पाठालोचन, सैद्धान्तिक व ऐतिहासिक आलोचना

24 हिन्दी का आलोचना शास्त्र–2 : प्रगतिशील, शास्त्रीय, रीतिवादी व स्वच्छन्दतावादी आलोचना

25 हिन्दी का आलोचना शास्त्र – 3 : तुलनात्मक, प्रभाववादी, मनोवैज्ञानिक व नई समीक्षा

नाटक और कथेतर गद्य विधाएं (एमएएचडी–05)

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या इकाई का नाम

1 नाटक का स्वरूप, तत्व व रंगमंच

2 हिन्दी नाटक की परम्परा और विकास

3 प्रसाद का नाट्य साहित्य

4 चन्द्रगुप्त : कथावस्तु, पात्र संरचना व प्रतिपाद्य

5 धर्मवीर भारती की नाट्य दृष्टि और नाट्य साहित्य

6 अंधायुग में कथावस्तु और चरित्र चित्रण

7 गीतिनाट्य के रूप में अंधायुग

8 मोहन राकेश : नाट्य दृष्टि व उनके नाटक

9 आधे अधूरे : एक विवेचन

10 आधे अधूरे : रंगमंचीय विधान

11 निबन्ध साहित्य की परम्परा व विकास

12 कथेतर गद्य विधाओं की परम्परा व विकास

13 बालमुकन्द गुप्त कृत 'एक दुराशा' का अध्ययन व विवेचन

14 रामचन्द्र शुक्ल कृत 'काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था' का विवेचन व विश्लेषण

15 हजारी प्रसाद द्विवेदी कृत 'अशोक के फूल' का अध्ययन व विवेचन

16 विद्यानिवास मिश्र कृत 'मेरे राम का मुकुट भीग रहा है' का अध्ययन व विवेचन

17 हरिशंकर परसाई कृत 'ठिठुरता हुआ गणतन्त्र' की व्यंग्य चेनता का अध्ययन व विवेचन

18 महादेवी वर्मा कृत 'भाभी' रेखाचित्र का अध्ययन व विवेचन

19 अज्ञेय कृत संस्मरण 'प्रेमचन्द' (स्मृति लेखा से) का अध्ययन व विवेचन

20 रांगेय राघव कृत रिपोर्ताज 'अंधकार' (तूफानों के बीच में) का अध्ययन व विवेचन

21 निर्मल वर्मा कृत 'चीड़ों पर चाँदनी' (यात्रा वृतान्त) के एक अंश का अध्ययन व विवेचन

22 पाण्डेय बेचेन शर्मा 'उग्र' कृत 'अपनी खबर' (आत्मकथा) का अध्ययन व विवेचन

23 विष्णु प्रभाकर कृत 'आवारा मसीहा' (जीवनी) के एक अंश का अध्ययन व विवेचन

कथा साहित्य (एमएएचडी–06)

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या इकाई का नाम

1 उपन्यास : परिभाषा, स्वरूप व प्रकार

2 उपन्यास की परम्परा और विकास

3 प्रेमचन्द की औपन्यासिक दृष्टि व उनके उपन्यास

4 गोदान : कथावस्तु, चरित्र चित्रण व शिल्प विवेचन

5 गोदान का प्रतिपाद्य

6 अज्ञेय की औपन्यासिक दृष्टि व उनके उपन्यास

7 शेखर : एक जीवनी 'संवेदना व शिल्प'

8 शेखर : एक जीवन का मनौवैज्ञानिक अध्ययन

9 कृष्णा सोबती की औपन्यासिक दृष्टि व उनके उपन्यास

10 समय सरगम : संवेदना व शिल्प

11 समय सरगम का प्रतिपाद्य

12 कहानी का स्वरूप और वर्गीकरण

13 कहानी की परम्परा और विकास
14 प्रेमचन्द कृत 'शतरंज के खिलाड़ी' का अध्ययन व विवेचन
15 जयशंकर प्रसाद कृत 'मधुआ' का अध्ययन व विवेचन
16 जैनेन्द्र कृत 'पत्नी' का विवेचन व विश्लेषण
17 यशपाल की 'महाराजा का इलाज' का संवेदना व शिल्प विवेचन
18 अमरकान्त कृत 'जिन्दगी और जोंक' का अध्ययन व विवेचन
19 ज्ञानरंजन कृत 'पिता' का अध्ययन व विवेचन
20 राजेन्द्र यादव की 'टूटना' का संवेदना व शिल्प विवेचन
21 उषा प्रियम्वदा कृत 'जिन्दगी व गुलाब' का अध्ययन व विवेचन
22 कृष्ण बलदेव वेद की 'मेरा दुश्मन' का अध्ययन व विवेचन
23 कृष्णा सोबती कृत 'सिक्का बदल गया' का अध्ययन व विवेचन

भाषा विज्ञान (एमएएचडी–07)

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या इकाई का नाम

1 भाषा–परिभाषा और अभिलक्षण
2 भाषा का उद्‌गम और विकास
3 भाषा–संरचना एवं भाषिक कार्य
4 भाषा विज्ञान : परिभाषा, क्षेत्र और अध्ययन की पद्धतियां
5 भाषा विज्ञान एवं अन्य सामाजिक विज्ञान
6 भाषा विज्ञान के अध्ययन की भारतीय परम्परा
7 भाषा विज्ञान के अध्ययन की पाश्चात्य परम्परा
8 ध्वनि संरचना
9 ध्वनि प्रक्रिया
10 रूप संरचना : रूप की अवधारणा
11 वाक्य संरचना
12 अर्थ संरचना
13 लिपि का उद्‌भव एवं विकास और नागरी लिपि
14 हिन्दी की शब्द संपदा
15 विश्व के प्रमुख भाषा परिवार
16 भारोपीय भाषा परिवार

17 प्राचीन एवं मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएं
18 आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं का परिचय
19 हिन्दी का उद्‌भव एवं विकास–हिन्दी की उपभाषाएं/बोलियां
20 हिन्दी के विभिन्न रूप और उनके प्रकार्य
21 हिन्दी की संवैधानिक स्थिति
22 अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान
23 भाषा शिक्षण और हिन्दी
24 शैली विज्ञान : उद्‌भव एवं विकास
25 शैली विज्ञान – प्रतिमान एवं प्रक्रिया, क्षेत्र और अन्य अनुशासनों से सम्बन्ध

आधुनिक हिन्दी कविता और गीत परम्परा (एमएएचडी–08)

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या इकाई का नाम

1 नई कविता और समकालीन कविता : परम्परा और विकास
2 शमशेर बहादुर सिंह की रचनाएं
3 शमशेर बहादुर सिंह का काव्य : संवेदना और शिल्प
4 मुक्तिबोध का काव्य (भूल–गलती, ब्रह्मराक्षस, चाँद का मुँह टेढ़ा है)
5 मुक्तिबोध का काव्य : संवेदना और शिल्प विवेचन
6 नरेश मेहता का काव्य : महाप्रस्थान (यात्रा पर्व और स्वाहा पर्व)
7 नरेश मेहता : संवेदना और शिल्प विवेचन (महाप्रस्थान के संदर्भ में)
8 गिरिजा कुमार माथुर का काव्य
9 गिरिजा कुमार माथुर का काव्य : संवेदना और शिल्प विवेचन
10 सर्वेश्वर दयाल सक्सेना का काव्य : कुआनो नदी, सौंदर्य–बोध, यहीं कहीं एक कच्ची सड़क थी
11 सर्वेश्वर दयाल सक्सेना का काव्य : संवेदना और शिल्प विवेचन
12 धर्मवीर भारती का काव्यः 'कनुप्रिया' आम्रबौर का अर्थ' और 'समुद्र स्वप्न'
13 धर्मवीर भारती का काव्य : अनुभूति और अभिव्यंजना पक्ष
14 अशोक वाजपेयी का काव्य : संवेदना और शिल्प विवेचन
15 नन्दकिशोर आचार्य का काव्य : संवेदना और शिल्प विवेचन
16 गीत संरचना : स्वरूप और परम्परा

17 सोहन लाल द्विवेद्वी का गीत : संवेदना व शिल्प
18 वीरेन्द्र मिश्र के गीत : संवेदना और शिल्प विवेचन
19 भवानी प्रसाद मिश्र का काव्य : संवेदना और शिल्प विवेचन
20 गोपालदास नीरज के गीत : संवेदना और शिल्प विवेचन
21 बालस्वरूप राही के गीत : संवेदना और शिल्प विवेचन
22 रमानाथ अवस्थी के गीत : संवेदना और शिल्प विवेचन

लोक साहित्य (एमएएचडी–09)

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या	इकाई का नाम
1	'लोक'–लोकवार्ता–लोकमानस–लोकसाहित्य
2	लोकसाहित्य एवं अभिजात्य साहित्य का संबंध
3	लोक संस्कृति
4	लोकसाहित्य का अन्य समाज विज्ञानों से सम्बन्ध
5	लोकसाहित्य के विशिष्ट अध्येता
6	भारतीय लोकसाहित्य के अध्ययन का इतिहास
7	लोक साहित्य के संकलन–संरक्षण की समस्याएं और समाधान
8	कथानक अभिप्राय, कथानक रूढ़ियां एवं कथामानक
9	लोकगीत
10	लोककथा : स्वरूप व वर्गीकरण
11	लोकगाथा–स्वरूप और वर्गीकरण
12	लोक नाटक : स्वरूप व वर्गीकरण
13	राजस्थानी लोक गीत, लोकगायक एवं लोकवाद्य
14	राजस्थान की लोक कथा
15	राजस्थान की लोक गाथा (प्रमुख लोक गाथाएं–देवनारायण बगड़ावत, तेजाजी, पाबूजी एवं रामदेवजी)
16	राजस्थानी लोक नाटक
17	राजस्थान के लोकनृत्य और लोककला
18	राजस्थान के लोकोत्सव एवं लोकदेवी–देवता
19	राजस्थानी लोक सुभाषित
20	राजस्थानी लोक संस्कृति
21	हरियाणवी लोक साहित्य

22 मालवी लोक साहित्य
23 ब्रज लोक साहित्य
24 खड़ी बोली का लोक साहित्य
25 भोजपुरी लोकसाहित्य

जनसंचार माध्यम और पत्रकारिता (एमएएचडी–10)

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या	इकाई का नाम
1	जनसंचार की अवधारणा और स्वरूप
2	जनसंचार : लक्ष्य, कार्य और प्रक्रिया
3	जनसंचार माध्यमों की परम्परा और इतिहास
4	जनसंचार के विभिन्न माध्यम
5	जनसंचार की प्रौद्योगिकी
6	जनसंचार के सिद्धांत
7	जनसंचार के सामाजिक सिद्धांत
8	जनसंचार के संस्थान और व्यवसाय
9	जनसंचार और भाषा
10	जनसंचार और साहित्य
11	जनसंचार का समकालीन परिदृश्य
12	जनसंचार माध्यम और जनमत निर्माण
13	जनसंचार और समाज (भाग–1)
14	जनसंचार और समाज (भाग–2)
15	जनसंचार के विभिन्न आयाम
16	जनसंचार और स्त्री–विमर्श
17	जनसंचार और शिक्षा
18	पत्रकारिता का अर्थ और स्वरूप
19	पत्रकारिता के विभिन्न रूप – (1) समाचार पत्र (2) पत्रिकाएं
20	पत्रकारिता के विभिन्न क्षेत्र
21	विश्व पत्रकारिता का परिचय
22	हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास
23	भाषायी पत्रकारिता

एम.ए. इतिहास — कार्यक्रम कोड: एमएएचआई

M. A. History — Programme Code: MAHI

उद्देश्य (Objectives) :

- समाज विज्ञान के व्यापक परिवेश में ऐतिहासिक विचारों, संस्थाओं एवं प्रक्रियाओं का ज्ञान सम्बोधन।
- समाज विज्ञान के रूप में इतिहास की व्यावहारिक विधाओं एवं शैलियों का संयोजन।
- विश्व एवं भारतीय इतिहास के गहन अध्ययन का प्रवर्तन।
- इतिहास की समसामयिक प्रवृत्तियों के ज्ञान का संयोजन।

प्रवेश योग्यता

(Admission Eligibility) : किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक (त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम) उपाधि।

अवधि (Duration) : न्यूनतम 2 वर्ष ; अधिकतम 6 वर्ष

माध्यम (Medium) : पाठ्य सामग्री केवल हिन्दी में उपलब्ध

श्रेयांक (Credit) : 72
एम.ए. (पूर्वार्द्ध) 32 श्रेयांक
एम. ए. (उत्तरार्द्ध) 40 श्रेयांक

शुल्क (Fee) : एम. ए. (पूर्वार्द्ध) रू. 4000/–
एम. ए. (उत्तरार्द्ध) रू. 4000/–

कार्यक्रम संरचना (Programme Structure) :

एम. ए. इतिहास के पूर्वार्द्ध में कुल चार पाठ्यक्रम होंगे। जबकि उत्तरार्द्ध में कुल पाँच पाठ्यक्रम होंगे। प्रत्येक पाठ्यक्रम 8 श्रेयांक का होगा। विद्यार्थियों को हिन्दी माध्यम की अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी।

एम.ए. पूर्वार्द्ध इतिहास

क्र.सं. (S.No.)	पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course)	पाठ्यक्रम कोड (Course Code)	श्रेयांक (Credit)
1.	विश्व इतिहास (मध्यकालीन समाज एवं क्रान्ति का युग) World History (Medieval Society and Era of Revolution)	एमएएचआई–01 MAHI-01	8
2.	विश्व इतिहास–(1815–1918) (राष्ट्रवाद, पूंजीवाद एवं समाजवाद) World History-(1815-1918) (Nationalism, Capitalism and Socialism)	एमएएचआई–02 MAHI-02	8
3.	आधुनिक विश्व का इतिहास–(1919–1945) (युद्ध एवं ओद्योगिक समाज) History of Modern World-(1919-1945) (War and Industrial Society)	एमएएचआई–03 MAHI-03	8
4.	ऐतिहासिक चिन्तन Historical Thought	एमएएचआई–04 MAHI-04	8

एम.ए. (उत्तरार्द्ध) इतिहास

विद्यार्थी निम्नलिखित तालिका में दिये गये पाठ्यक्रमों (प्रश्नपत्रों) में से किन्ही पाँच पाठ्यक्रमों (प्रश्नपत्रों) का चयन कर आवेदन पत्र में यथा स्थान पर अंकित करें।

क्र.सं. (S.No.)	पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course)	पाठ्यक्रम कोड (Course Code)	श्रेयांक (Credit)
1.	प्राचीन भारत में राज्य एवं राजनीति State and Polity in Ancient India	एमएएचआई–05 MAHI-05	8
2.	प्राचीन भारत में व्यापार एवं शहरीकरण Trade and Urbanisation in Ancient India	एमएएचआई –06 MAHI -06	8
3.	भारत में भक्ति आंदोलन एवं सूफीवाद Bhakti Movement and Sufism in India	एमएएचआई –09 MAHI -09	8
4.	मध्यकालीन भारत में प्रशासकीय संस्थाओं का विकास Growth of Administrative Institutions in Medieval India	एमएएचआई –10 MAHI -10	8
5.	भारत में किसान आंदोलन (1818–1951) Peasant Movement in India (1818–1951)	एमएएचआई –13 MAHI -13	8
6.	भारत में स्वतन्त्रता आंदोलन (1920–1947) Freedom Movement in India (1920-1947)	एमएएचआई –14 MAHI 14	8
7.	आधुनिक राजस्थान में समाज एवं अर्थव्यवस्था Society and Economy in Modern Rajasthan	एमएएचआई –15 MAHI -15	8

परीक्षा पद्धति (Examination Pattern) :

सत्रीय गृहकार्य: प्रत्येक पाठ्यक्रम में सत्रीय गृहकार्य 20 अंकों का होगा। प्रत्येक पाठ्यक्रम में दो सत्रीय गृहकार्य करने होंगे। सत्रीय गृहकार्य पूर्ण करके सत्रांत परीक्षा से पूर्व संबंधित क्षेत्रीय केन्द्र पर जमा करवाना होगा।

सत्रांत (मुख्य) परीक्षाः एम.ए. (पूर्वार्द्ध) एवं एम.ए. (उत्तरार्द्ध) न्यूनतम अवधि अर्थात् 1 वर्ष के बाद विद्यार्थी की प्रत्येक पाठ्यक्रम की तीन घंटे की लिखित परीक्षा होगी। प्रत्येक पाठ्यक्रम की सत्रांत परीक्षा के लिए अधिकतम 80 अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम के दोनों भागों अर्थात सत्रांत परीक्षा एवं सत्रीय गृहकार्य में उत्तीर्ण होने के लिए दोनों में मिलाकर उत्तीर्णांक 36 प्रतिशत हैं। परन्तु किसी एक भाग सत्रीय गृहकार्य अथवा सत्रांत परीक्षा में न्यूनतम 25 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य है। यदि विद्यार्थी कुछ पाठ्यक्रमों को उत्तीर्ण नहीं कर पाया है तो उन पाठ्यक्रमों को उत्तीर्ण करने के लिए छः माह बाद होने वाली आगामी परीक्षा में पुनः बैठ सकता है। किसी एक परीक्षा में नए एवं पुराने अनुत्तीर्ण रहे पाठ्यक्रमों को मिलाकर अधिकतम 56 क्रेडिट के पाठ्यक्रमों की परीक्षा दे सकता है।

अंक तालिका में सत्रीय गृहकार्य एवं सत्रांत परीक्षा के अंकों को अलग–अलग दर्शाया जायेगा। सफल विद्यार्थियों को निम्न तालिका के अनुसार श्रेणी प्रदान की जाएगी–

प्रथम श्रेणी	–	60% एवं अधिक
द्वितीय श्रेणी	–	48% एवं 60% से कम
उत्तीर्ण	–	36% एवं 48% से कम

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) परीक्षा में कोई श्रेणी नहीं दी जाएगी।

इतिहास (History)

योजना

अधिकतम अंक 100 **समय : 3 घण्टे**

सत्रीय गृह कार्य 20 **सत्रांत परीक्षा 80** **न्यूनतम उत्तीर्णांक 36**

विश्व इतिहास (मध्यकालीन समाज एवं क्रान्ति का युग) (एमएएचआई–01)

World History (Medieval Society and Era of Revolution) (MAHI-01)

इकाई संख्या	इकाई का नाम
1	यूरोप में सामंतवाद का क्रमिक इतिहास
2	यूरोप में मध्यकालीन राजनीतिक विचारधारा और राजनीतिक संगठन
3	सामन्तवाद की श्रेणियां एवं स्वरूप
4	टर्की की राजनीति, अर्थव्यवस्था और समाज
5	मध्यकालीन यूरोपीय समाज का पतन
6	यूरोप में अठारहवीं शताब्दी में कृषि व्यवस्था

7	अठारहवीं सदी में यूरोप में कृषक विद्रोह
8	नगरों एवं शहरों का विकास एवं यूरोप में नगरीकरण
9	कारखाना और श्रमजीवि वर्ग
10	यूरोप में औद्योगिक अर्थव्यवस्था कृषि और उद्योग व्यापारी और व्यापारिक संघों के मध्य संबंध
11	उदारवाद एवं यूरोप में संवैधानिक विकास
12	अठारहवीं शताब्दी में यूरोप का धार्मिक एवं बौद्धिक जीवन
13	औद्यौगिक क्रान्ति
14	औद्यौगीकरण के बाद
15	फ्रांस की क्रान्ति – राज्य का स्वरूप एवं बुद्धिजीवी वर्ग और क्रान्ति
16	फ्रांस की क्रान्ति का प्रभाव
17	नेपोलियन का युग
18	रूस की अर्थव्यवस्था – एक पृथक संसार
19	अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम
20	अमेरिकी क्रान्ति का महत्व
21	अमेरिकी संविधान का निर्माण

विश्व इतिहास–(1815–1918) (राष्ट्रवाद, पूंजीवाद एवं समाजवाद) (एमएएचआई–02)

World History-(1815-1918) (Nationalism, Capitalism and Socialism) (MAHI-02)

योजना

अधिकतम अंक 100 **समय : 3 घण्टे**

सत्रीय गृह कार्य 20 **सत्रांत परीक्षा 80** **न्यूनतम उत्तीर्णांक 36**

इकाई संख्या	इकाई का नाम
1	मैटरनिक व्यवस्था तथा कांग्रेस की कूटनीति
2	यूरोप में 1830–70 के मध्य कृषि विस्तार
3	पूर्वी समस्या एवं क्रिमिया का युद्ध;
4	इटली का एकीकरण
5	जर्मनी का एकीकरण
6	पूर्वी यूरोप में राजनीतिक एवं राष्ट्रवादी संघर्ष (1856 से 1878 ई. तक)

7 ग्रेट ब्रिटेन, जर्मनी और फ्रांस के सवैंधानिक सुधारों और समाजवादी आन्दोलनों का तुलनात्मक अध्ययन
8 रूस में राजनीतिक और आर्थिक आन्दोलन (अर्द्ध दास प्रथा के अन्त तक)
9 यूरोप में नवीन शासन तंत्र
10 यूरोप में सामाजिक विचारधारा और संस्कृति
11 संधियों एवं समझौतों की पद्धति महाद्विपीय उच्चता की राजनीति (1878–90)
12 महान शक्तियों में विश्व सर्वोच्चता के लिए प्रतिस्पर्द्धा
13 सूदूर पूर्व में जापान का उत्थान
14 साम्राज्यवाद–चीनी और भारतीय साम्राज्यवाद का अध्ययन उसका स्वभाव एवं विकास
15 साम्राज्यवाद – मिश्र, दक्षिण अफ्रिका तथा मोरक्को के संदर्भ में
16 बाल्कन में उथल–पुथल एवं उत्तेजना (बाल्कन युद्ध), 1874–1914
17 चर्च और राज्य के संबंध
18 टर्की में समाज सुधार व युवा तुर्क आन्दोलन
19 अमेरिका में काले लोगों का इतिहास
20 प्रथम विश्व युद्ध के कारण एवं उसकी पृष्ठ–भूमि
21 रूस की क्रान्ति की बौद्धिक नींव
22 रूस की क्रान्ति एवं इसका प्रभाव
23 लेनिन–आंतरिक तथा विदेशी नीति

आधुनिक विश्व का इतिहास–(1919–1945) युद्ध एवं ओद्यौगिक समाज (एमएएचआई–03)

History of Modern World-(1919-1945) (War and Industrial Society) (MAHI-03)

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या इकाई का नाम

1 सन् 1918 – 1919 का रूपान्तरण और पेरिस समझौता सम्मेलन

2 सामुहिक सुरक्षा एवं निःशस्त्रीकरण
3 फ्रांस द्वारा सुरक्षा की खोज
4 आर्थिक थकान – क्षतिपूर्ति की समस्या
5 राष्ट्र संघ और अन्तरराष्ट्रीय शान्ति एवं व्यवस्था का उत्थान और पतन
6 समझौता द्वारा शान्ति स्थापना – लोकार्नो एवं पेरिस समझौता
7 समझौता द्वारा शान्ति स्थापना – वाशिंगटन सम्मैलन
8 नवीन टर्की का जन्म – मुस्तफा कमाल पाशा
9 नये गणतंत्र–वाईमर रिपब्लिक
10 समाजवाद का सिद्धान्त – मार्क्स, लेनिन, माओत्सेतुंग
11 सोवियत संघ का नवीन संविधान
12 लेनिन की नई आर्थिक नीति
13 नवीन आर्थिक विचार – क्रेंज के सिद्धान्त
14 विश्व व्यापार का संकुचन एवं 1929–1931 में गिरावट
15 गांधी दर्शन एवं अहिंसात्मक आन्दोलन
16 सामाजिक असन्तोष एवं मजदूर विद्रोह
17 संयुक्त राज्य अमेरिका की अर्थव्यवस्था की सफलता एवं असफलता : रूजवेल्ट की न्यू डील नीति
18 चतुर्थ विश्व की अर्थव्यवस्था–सूदूर पूर्व में जापान का उत्कर्ष
19 अन्तरराष्ट्रीय कोमिन्टर्न पैक्ट तथा सोवियत विदेश नीति
20 फासिस्ट राज्य
21 विश्व राजनीति में नाजियों के उद्देश्य
22 अर्द्ध सशस्त्र क्रान्ति –आस्ट्रिया का अंत
23 समझौतों, हमलों की घोषणा – 1939 में शान्ति का विनाश
24 अफ्रीका का संकट – अबीसीनिया का मुद्दा
25 स्पेन का गृह युद्ध और द्वितीय विश्व युद्ध की पृष्ठभूमि में महान युद्ध नीतियां
26 भारत में राष्ट्रवाद (1919–1947)
27 ब्रिटिश राष्ट्रमण्डल

28 सूदूर–पूर्व में संकट–मंचूरिया संकट

29 द्वितीय विश्व युद्ध की अवधि में सम्मलेन एवं समझौते

ऐतिहासिक चिन्तन (एमएएचआई–04)
Historical Thought (MAHI-04)

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या	इकाई का नाम
1	इतिहास का स्वरूप तथा क्षेत्र
2	इतिहास प्रगति के समरूप
3	इतिहास, विज्ञान और नैतिकता
4	इतिहास और समाज विज्ञान निश्चयात्मक अभिगम
5	चीनी इतिहास लेखन की भूमिका और उसका स्वरूप
6	अरबी और इस्लामी इतिहास लेखन की परम्पराएं
7	ईसाई धर्म एवं इतिहास चिंतन
8	रॉके के विशेष संदर्भ में इतिहास दर्शन का निश्चयात्मक अभिगम
9	इतिहास की भौतिकवादी व्याख्या (मार्क्सवादी सिद्धान्त)
10	बीसवीं शताब्दी का इतिहास लेखन स्पैंगलर और टायनबी के संदर्भ में
11	महाकाव्य, कौटिल्य अर्थशास्त्र व भास के साहित्य की ऐतिहासिक विवेचना
12	कालीदास–साहित्य, पुराण व हरिषेण की प्रयाग प्रशस्ति की ऐतिहासिक विवेचना
13	फाहियान, युवान च्वांग तथा इत्सिंग की भारत यात्रा वृत्तांत
14	बाबर नामा, अकबरनामा, तथा सुरजनराय भण्डारी की कृति – खुलासतुत्वारीख
15	राजस्थान का ख्यात एवं बात साहित्य
16	गुजराती रासमाला साहित्य का ऐतिहासिक महत्व
17	भारतीय इतिहास एवं इतिहास लेखन का यूरोपीय मत
18	स्वातंत्र्य – पूर्व भारत में राष्ट्रवादी इतिहास लेखन – आर.सी.दत्ता एवं दादा भाई नौरोजी

19	भारतीय इतिहास लेखन में अधुनातन प्रवृत्तियां – परम्परावादी, सम्प्रदायवादी राष्ट्रवादी तथा मार्क्सवादी
20	भारतीय लोक साहित्य का ऐतिहासिक दृष्टि से महत्व
21	इतिहास में तथ्य
22	इतिहास में वस्तुनिष्ठता
23	इतिहास में कारण की अवधारणा

प्राचीन भारत में राज्य एवं राजनीति (एमएएचआई–05)
State and Polity in Ancient India (MAHI-05)

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या	इकाई का नाम
1	प्राचीन भारतीय राज्य एवं शासन पद्धति के अध्ययन स्त्रोत एवं सामग्री
2	वैदिक काल में राजनीतिक विचार व संस्थाएं
3	महाकाव्यों से ज्ञात राजनीतिक विचार एवं प्रशासनिक संस्थाएं
4	प्राचीन भारत में राज्य की उत्पत्ति और स्वरूप
5	राज्य के प्रकार और कार्य
6	प्राचीन भारत में जनपदः स्वरूप व संगठन
7	प्राचीन भारतीय गणतंत्र और उसका संविधान
8	ईसापूर्व छठी सदी में राज्य और साम्राज्य का उदय
9	राजत्व (राजतंत्र), उसकी प्रकृति एवं कर्तव्य
10	राजत्व का स्वरूप एवं उस पर नियंत्रण (मर्यादाएं)
11	कौटिल्य अर्थशास्त्र में राजनीतिक विचार
12	प्राचीन भारतीय मंत्री परिषद
13	प्राचीन भारत में राजपुरूष तंत्र
14	प्रचीन भारत में अन्तर राज्य संबंध
15	राज्य एवं उसके संसाधन
16	प्राचीन भारत में विधिः स्वरूप एवं संहिताकरण
17	धर्मशास्त्रों के राजनीतिक विचार

18 प्राचीन भारत में न्यायिक प्रशासन
19 प्राचीन भारत में अपराध और दण्ड
20 प्राचीन भारत में सैनिक संगठन
21 स्थानीय स्वशासन

प्राचीन भारत में व्यापार एवं शहरीकरण (एमएएचआई –06)
Trade and Urbanisation in Ancient India (MAHI -06)

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या	इकाई का शीर्षक
1	व्यापार व शहरीकरण में अंतः संबंध
2	आद्य ऐतिहासिक काल–हड़प्पा संस्कृति : व्यापार व शहरीकरण
3	शहरीकरण में ह्रास : वैदिक कालीन आर्थिक जीवन
4	नगरीकरण का दूसरा चरण
5	प्राचीन भारत में व्यापार एवं वाणिज्य की रूपरेखा
6	जल व स्थल व्यापार मार्ग, परिवहन के साधन एवं निगम
7	विनियम का माध्यमः तौल एवं माप
8	मुद्राप्रणाली, साक्ष्य एवं अधिकोषण तथा राजस्व
9	वृत्ति संघ (व्यापारिक समुदाय) एवं व्यापारिक वस्तुएं
10	प्राचीन भारत में श्रेणियां
11	प्राचीन भारत में विदेशी व्यापार
12	प्राड : मौर्य आर्थिक जीवन, व्यापार एवं नगरीकरण (बौद्ध एवं जैन स्त्रोतों पर आधारित)
13	प्राचीन भारत में व्यापार एवं नगरीकरण का ऐतिहासिक सर्वेक्षण (मौर्य–शुंग–कुषाण काल (उत्तरी भारत)
14	मौर्य–सातवाहन काल (दक्षिण भारत)
15	गुप्त काल में आर्थिक जीवन
16	परवर्ती गुप्त – वाकाटक युग (उत्तर भारत)
17	परवर्ती गुप्त – युग के उपरान्त दक्षिण भारत

18 भारतीय व्यापार के पतन के प्रमुख कारण
19 गुप्त काल में नगरीय केन्दों का पतन – यथार्थ या मिथ
20 प्राचीन भारत में मेलें एवं उत्सव

भारत में भक्ति आंदोलन एवं सूफीवाद (एमएएचआई –09)
Bhakti Movement and Sufism in India (MAHI -09)

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या	इकाई का शीर्षक
1	उद्भव एवं अवधारणा–दक्षिण भारत में भक्ति आन्दोलन
2	शंकराचार्य एवं उनका अद्वैत वेदान्त
3	भारत में भक्ति आंदोलन का विकास
4	इस्लाम का भक्ति आंदोलन पर प्रभाव
5	भक्ति सन्तों की विशेषताएं
6	संत कबीर का जीवन एवं शिक्षाएं
7	I - नानक एवं उनकी शिक्षाएं
8	II खालसा पंथ : उत्पति, विकास, सिद्धांत एवं दर्शन
9	भक्ति आन्दोलन के अन्य संत एवं उनकी शिक्षाएं
10	सांस्कृतिक संश्लेशण और भक्ति आन्दोलन
11	भक्ति संतों का भारतीय समाज एवं संस्कृति में योगदान
12	भारत के बाहर सूफीमत की उत्पत्ति और विकास
13	सूफीमत का भारत में विकास
14	चिश्ती सिलसिले के प्रमुख संत और उनका सूफी आंदोलन
15	चिश्ती संतों का खानकाही जीवन और राज्य के साथ उनका संबंध
16	भारत में सुहरावर्दी सिलसिला के प्रमुख सूफी तथा उनके सिद्धांत एवं शिक्षाएं
17	सुहरावर्दी खानकाहें और उनका राजनीतिक संबंध
18	सूफीवाद के अन्य सूफी सम्प्रदाय (सिलसिले)
19	बोहरों की सूफी परम्पराएं

20 मुस्लिम रहस्यवादी विचारधारा और भारतीय संस्कृति को उसका योगदान

मध्यकालीन भारत में प्रशासकीय संस्थाओं का विकास (एमएएचआई –10)

Growth of Administrative Institutions in Medieval India (MAHI -10)

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या	इकाई का शीर्षक
1	तुर्क विजय के समय भारत का राजनीतिक एवं कानूनी ढांचा
2	मुस्लिम विधि में प्रशासन का सामान्य चरित्र
3	मध्यकाल में राजसत्ता का स्वरूप
4	जियाऊद्दीन बरनी एवं अबुल फजल के कार्यों में वर्णित मध्यकालीन भारत में राजनीतिक विचार
5	विजयनगर साम्राज्य का प्रशासन
6	दिल्ली सल्तनत का केन्द्रीय प्रशासन
7	सल्तनत कालीन प्रान्तीय एवं स्थानीय प्रशासन
8	दिल्ली सुल्तानों के अन्तर्गत इक्ता प्रणाली
9	सल्तनत काल में भू–राजस्व एवं आर्थिक सुधार
10	शेरशाह कालीन भू–राजस्व एवं सैन्य संगठन
11	मुगल काल में भूमि प्रशासन
12	मुगल काल में विधि एवं न्याय
13	मुगलकालीन सैनिक संगठन
14	मनसब व्यवस्था
15	मुगलों का केन्द्रीय प्रशासन
16	मुगलकाल में प्रान्तीय एवं स्थानीय प्रशासन
17	शिवाजी का केन्द्रीय प्रशासन
18	मुगलकाल में सामन्त वर्ग का संगठन और संरचना

19	मध्यकालीन भारत में जागीर व्यवस्था
20	मध्यकालीन भारत में जागीदारी व्यवस्था

भारत में किसान आंदोलन (1818–1951) (एमएएचआई –13)

Peasant Movement in India (1818–1951) (MAHI -13)

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या	इकाई का शीर्षक
1	भारत में किसान आंदोलन का परिचय
2	अंग्रेजी शासन काल के अन्तर्गत भारत में कृषीय संरचना
3	राजस्थान में जनजातियों के विद्रोंह (1818–1900)
4	संथाल विद्रोह (1855–56)
5	नील विद्रोह (1860)
6	पाबना एवं बोगुरा क्षेत्रों में कृषकों का विद्रोह (1870–1873)
7	दक्षिण भारत में कृषक विद्रोह –1875
8	राजस्थान एवं गुजरात में जनजातिय–विद्रोह–(1900–1913)
9	चम्परान, खेड़ा एवं बारडोली के किसान आंदोलन
10	बिजोलिया के सामन्ती एवं उपनिवेशी शासन के विरूद्ध कृषक विद्रोह (1887–1930)
11	प्रथम विश्व युद्धोत्तर कृषि समस्याएं और कृषीय जागृति
12	मोपला विद्रोह (1920–22)
13	यू.पी. के किसान आंदोलन में कांग्रेस और किसान सभा की भूमिका
14	बिहार के किसान आंदोलन में कांग्रेस और किसान सभा की भूमिका
15	बंगाल में तेभागा आंदोलन (1946–1947)
16	शेखावटी का किसान आंदोलन
17	श्रीराम राजू का विद्रोह
18	मोतीलाल तेजावत के नेतृत्व में आदिवासी आंदोलन

19 अखिल भारतीय किसान सभा की स्थापना और भारत के किसान आंदोलन में 1951 तक उसकी भूमिका

20 तेलंगाना के कृषकों का विद्रोह (1946–1951)

भारत में स्वतन्त्रता आंदोलन (1920–1947) (एमएएचआई –14)
Freedom Movements in India (1920-1947) (MAHI 14)

योजना

अधिकतम अंक 100 **समय : 3 घण्टे**

सत्रीय गृह कार्य 20 **सत्रांत परीक्षा 80** **न्यूनतम उत्तीर्णांक 36**

इकाई संख्या	इकाई का शीर्षक
1	स्वतंत्रता आंदोलन का अध्ययन–उपागम
2	राष्ट्रवाद के उदय के कारण
3	प्रथम विश्व युद्ध के उपरान्त जनचेतना
4	रौलट सत्याग्रह
5	खिलाफत और असहयोग आंदोलन (1920–22)
6	स्वराज्यवादियों की भूमिका एवं उपलब्धियां
7	साम्प्रदायिकता का विकास (1920–30)
8	क्रान्तिकारी आतंकवादी गतिविधियां
9	स्वतंत्रता आंदोलन में साम्यवादियों का योगदान
10	साइमन कमीशन और नेहरू रिपोर्ट
11	सविनय अवज्ञा आंदोलन और गोलमेज काफ्रेंस
12	कांग्रेस समाजवादीयों का उत्थान एवं विकास
13	संविधान एवं कांग्रेस (1935–1937)
14	भारत छोड़ो आन्दोलन –1942
15	मुस्लिम अलगाववाद का विकास (1930–46)
16	देशी रियासतों में स्वतंत्रता आंदोलन का सर्वेक्षण
17	सुभाष बोस और भारतीय राष्ट्रीय सेना (आई.एन.ए.)
18	1946 का नौसेनिक विद्रोह
19	सत्ता हस्तांतरण की प्रक्रिया
20	भारत की आजादी और विभाजन

आधुनिक राजस्थान में समाज एवं अर्थव्यवस्था (एमएएचआई –15)
Society and Economy in Modern Rajasthan (MAHI -15)

योजना

अधिकतम अंक 100 **समय : 3 घण्टे**

सत्रीय गृह कार्य 20 **सत्रांत परीक्षा 80** **न्यूनतम उत्तीर्णांक 36**

इकाई संख्या	इकाई का शीर्षक
1	राजस्थान में ब्रिटिश परमोच्चसत्ता और नई परिस्थितियों में सामंतशाही
2	राजस्थान में सामाजिक स्तरीकरण एवं आर्थिक वर्ग
3	राजस्थान में जनसांख्यिकीय संरचना
4	सामाजिक कट्टरता एवं सामाजिक सुधार
5	शिक्षा एवं साहित्य
6	आधुनिक राजस्थान में सामाजिक और आर्थिक प्रवृतियां
7	भूस्वामित्व एवं अधिकार
8	भू–राजस्व निर्धारण पद्धतियां एवं वसूली
9	ग्रामीण कर प्रणाली
10	राजस्थान में कृषि उत्पादन का प्रारूप
11	मुद्रा, बाजार, हाट एवं मण्डी
12	पशुपालन एवं कृषि सम्बन्ध व्यवसाय
13	आधुनिक राजस्थान के मेले एवं त्यौहार
14	अकाल–उसके सामाजिक व आर्थिक प्रभाव
15	ग्रामीण ऋण ग्रस्तता
16	राजस्थान में कृषकों व कृषि मजदूरों की सामाजिक व आर्थिक स्थिति
17	राजस्थान की खानें व खनिज सम्पदा
18	उद्योग
19	व्यापार एवं वाणिज्य
20	परिवहन एवं संचार

एम.ए. राजनीति विज्ञान **कार्यक्रम कोडः एमएपीएस**

M. A. Political Science **Programme Code : MAPS**

उद्देश्य (Objectives) :

- प्रवेश प्राप्त विषय में सघन ज्ञानार्जन द्वारा भावी विशेषज्ञता का संधान।
- अखिल भारतीय/राजस्थान प्रशासनिक सेवाओं में चयन की सामर्थ्य का विकास।
- विविध गैर–सरकारी संगठनों (N.G.Os) में बेहतर रोजगार सम्भावनाओं का अभिज्ञान।
- विश्व बैंक सहित विविध अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों के लिए परियोजना निर्माण की दक्षता का निर्धारण।
- व्यापक सामाजिक–राजनीतिक विचारों तथा प्रक्रियाओं के प्रति व्यावहारिक समझ एवं कर्म–कौशल का विस्तार और उस आधार पर परिपक्व राजनीतिक विश्लेषण की क्षमता का विकास।

प्रवेश योग्यता

(Admission Eligibility) : किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक (त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम) उपाधि।

अवधि (Duration) : न्यूनतम 2 वर्ष ; अधिकतम 6 वर्ष

माध्यम (Medium) : पाठ्य सामग्री केवल हिन्दी में उपलब्ध

श्रेयांक (Credit) : 72

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) 32 श्रेयांक

एम. ए. (उत्तरार्द्ध) 40 श्रेयांक

शुल्क (Fee) : एम.ए.(पूर्वार्द्ध) रू. 4000/–

एम.ए.(उत्तरार्द्ध) रू. 4000/–

कार्यक्रम संरचना (Programme Structure) :

एम.ए. राजनीति विज्ञान के पूर्वार्द्ध में कुल चार पाठ्यक्रम होंगे। जबकि उत्तरार्द्ध में कुल पाँच पाठ्यक्रम होंगे। प्रत्येक पाठ्यक्रम 8 श्रेयांक का होगा। विद्यार्थियों को हिन्दी माध्यम की अध्ययन सामग्री उपलब्ध करवायी जाएगी। एम. ए. उत्तरार्द्ध के अन्तिम पाठ्यक्रम एमएपीएस–09 के लिये कोई अध्ययन सामग्री उपलब्ध नहीं करवायी जाएगी।

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) राजनीति विज्ञान

क्र.सं. (S.No.)	पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course)	पाठ्यक्रम कोड (Course Code)	श्रेयांक (Credit)
1.	राजनीतिक चिन्तन Political Thought	एमएपीएस–01 MAPS-01	8
2.	तुलनात्मक राजनीति Comparative Politics	एमएपीएस–02 MAPS-02	8
3.	अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति International Politics	एमएपीएस–03 MAPS-03	8
4.	भारतीय राजनीति–I Indian Politics-I	एमएपीएस–04 MAPS-04	8

एम.ए. (उत्तरार्द्ध) राजनीति विज्ञान

क्र.सं. (S.No.)	पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course)	पाठ्यक्रम कोड (Course Code)	श्रेयांक (Credit)
1.	विकसित राजनीतिक सिद्धांत Advanced Political Theory	एमएपीएस–05 MAPS-05	8
2.	भारतीय राजनीति–II Indian Politics-II	एमएपीएस–06 MAPS-06	8
3.	भारत के विशेष संदर्भ में तुलनात्मक विदेश नीति अध्ययन Comparative Foreign Policy Studies with Special Reference to India	एमएपीएस–07 MAPS-07	8
4.	सार्वजनिक नीति Public Policy	एमएपीएस–08 MAPS-08	8
5.	निबंध Essay*	एमएपीएस–09 MAPS-09	8

*इस पाठ्यक्रम की सत्रान्त परीक्षा (मुख्य परीक्षा) में प्रश्नपत्र 100 अंकों का होता है। इस पाठ्यक्रम में कोई सत्रीय गृहकार्य नहीं दिया जाता है। इसमें दो खण्ड होते हैं। खण्ड "अ" में एम.ए. पूर्वार्द्ध के चारों पाठ्यक्रमों में दी गई पाठ्यसामग्री में से कोई पाँच

शीर्षक दिये जाते हैं। इसमें से आपको 2500 शब्दों का एक निबन्ध लिखना होता है। इसी प्रकार पाठ्यक्रम के खण्ड "ब" में एम.ए. उत्तरार्द्ध की अध्ययन सामग्री में से पाँच शीर्षक दिये जाते हैं। जिनमें से किसी एक शीर्षक पर 2500 शब्दों का एक निबन्ध लिखना होता है। इस प्रकार आपको अपनी पूर्वार्द्ध एवं उत्तरार्द्ध की सम्पूर्ण सामग्री में से दो निबन्धलिखने हैं।

परीक्षा पद्धति (Examination Pattern) :

सत्रीय गृहकार्यः प्रत्येक पाठ्यक्रम में सत्रीय गृहकार्य 20 अंकों का होगा। प्रत्येक पाठ्यक्रम में दो सत्रीय गृहकार्य करने होंगे। सत्रीय गृहकार्य पूर्ण करके सत्रांत परीक्षा से पूर्व संबंधित क्षेत्रीय केन्द्र पर जमा करवाना होगा।

सत्रांत (मुख्य) परीक्षाः एम.ए. (पूर्वार्द्ध) एवं एम.ए. (उत्तरार्द्ध) न्यूनतम अवधि अर्थात् 1 वर्ष के बाद विद्यार्थी की प्रत्येक पाठ्यक्रम की तीन घंटे की लिखित परीक्षा होगी। प्रत्येक पाठ्यक्रम की सत्रांत परीक्षा के लिए अधिकतम 80 अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम के दोनों भागों अर्थात सत्रांत परीक्षा एवं सत्रीय गृहकार्य में उत्तीर्ण होने के लिए दोनों में मिलाकर उत्तीर्णांक 36 प्रतिशत हैं। परन्तु किसी एक भाग सत्रीय गृहकार्य अथवा सत्रांत परीक्षा में न्यूनतम 25 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य है। यदि विद्यार्थी कुछ पाठ्यक्रमों को उत्तीर्ण नहीं कर पाया है तो उन पाठ्यक्रमों को उत्तीर्ण करने के लिए छः माह बाद होने वाली आगामी परीक्षा में पुनः बैठ सकता है। किसी एक परीक्षा में नए एवं पुराने अनुत्तीर्ण रहे पाठ्यक्रमों को मिलाकर अधिकतम 56 क्रेडिट के पाठ्यक्रमों की परीक्षा दे सकता है।

अंक तालिका में सत्रीय गृहकार्य एवं सत्रांत परीक्षा के अंकों को अलग–अलग दर्शाया जायेगा। सफल विद्यार्थियों को निम्न तालिका के अनुसार श्रेणी प्रदान की जाएगी–

प्रथम श्रेणी	–	60% एवं अधिक
द्वितीय श्रेणी	–	48% एवं 60% से कम
उत्तीर्ण	–	36% एवं 48% से कम

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) परीक्षा में कोई श्रेणी नहीं दी जाएगी।

राजनीति विज्ञान (Political Science)

योजना

अधिकतम अंक 100 **समय : 3 घण्टे**

सत्रीय गृह कार्य 20 **सत्रांत परीक्षा 80** **न्यूनतम उत्तीर्णांक 36**

राजनीतिक चिन्तन (एमएपीएस–01)
Political Thought (MAPS-01)

इकाई संख्या	इकाई का शीर्षक
1	राजनीति की यूनानी दृष्टि सामान्य सैद्धान्तिक संकल्पनाएं
2	प्लेटो के विचारों में राज्य सद्जीवन
3	अरस्तु की राजनीति : एक सामान्य परिचय
4	प्राचीन भारतीय राजनीतिक सामाजिक विचार संदर्भ
5	व्यास के राजनीतिक विचार
6	कौटिल्य के राजनीतिक विचार
7	मध्य युगीन राजनीतिक दर्शन की प्रकृति
8	मैकियावली
9	हॉब्स : निरंकुश राज्य
10	जॉन लॉक
11	राजनीति में उपयोगितावादी विचार बेन्थम और जॉन स्टुअर्ट मिल

तुलनात्मक राजनीति (एमएपीएस–02)
Comparative Politics (MAPS-02)

योजना

अधिकतम अंक 100 **समय : 3 घण्टे**

सत्रीय गृह कार्य 20 **सत्रांत परीक्षा 80** **न्यूनतम उत्तीर्णांक 36**

इकाई संख्या	इकाई का शीर्षक
1	तुलनात्मक राजनीति : अर्थ, स्वरूप तथा क्षेत्र के विविध प्रसंग
2	तुलनात्मक राजनीति का ऐतिहासिक–क्रम
3	गैर पश्चिमी राजनीतिक प्रणालियां : प्रमुख विशेषतायें
4	संरचनात्मक प्रकार्यात्मक विश्लेषण और तुलनात्मक राजनीति का संरचनात्मक – प्रकार्यात्मक दृष्टिकोण

5	राजनीति विकास व राजनीतिक आधुनिकीकरण
6	राजनीति संस्कृति तथा राजनीतिक समाजीकरण
7	संविधानवाद
8	प्रजातांत्रिक, अधिकारवादी तथा सर्वसत्तावादी व्यवस्थाएं
9	संसदात्मक तथा अध्यक्षात्मक शासन प्रणालियां
10	राजनीतिक दल, दबाव समूह तथा हित समूह
11	अभिजन सिद्धान्त के आयाम
12	आधुनिक व्यवस्थापिका
13	प्रतिनिधित्व के सिद्धान्त तथा निर्वाचन प्रणालियां
14	न्यायिक पुनरावलोकन : विचार तथा प्रक्रिया के विविध प्रसंग

अन्तरराष्ट्रीय राजनीति (एमएपीएस–03)
International Politics (MAPS-03)

योजना

अधिकतम अंक 100 **समय : 3 घण्टे**

सत्रीय गृह कार्य 20 **सत्रांत परीक्षा 80** **न्यूनतम उत्तीर्णांक 36**

इकाई संख्या	इकाई का शीर्षक
1	अन्तरराष्ट्रीय राजनीति : अर्थ, प्रकृति, स्वरूप तथा क्षेत्र
2	आदर्शवादी तथा यथार्थवादी उपागम
3	निकाय उपागम खेल तथा अनुरक्षण
4	अन्तरराष्ट्रीय राजनीति का मार्क्सवादी–लेनिनवादी उपागम
5	तृतीय विश्व के उपागम
6	राष्ट्र शक्ति : वैचारिक अनिवार्यताएं व उनका समसामयिक महत्व
7	राष्ट्र शक्ति के आधारभूत तत्व एवं उनकी परिवर्तनशीलता
8	राजनय
9	सामूहिक सुरक्षा एवं शक्ति संतुलन
10	निःशस्त्रीकरण एवं शस्त्र नियंत्रण
11	शांति और सहयोग
12	बहुराष्ट्रीय निगमों के विशिष्ट संदर्भ में अन्तरराष्ट्रीय राजनीति में अधीनस्थता की प्रकृति

13	क्षेत्रीय व्यवस्थाएं तथा अन्तरराष्ट्रीय राजनीति
14	नवीन अन्तरराष्ट्रीय व्यवस्था तथा उत्तर–दक्षिण संवाद
15	उत्तर–दक्षिण तथा दक्षिण–दक्षिण सहयोग
16	अन्तरराष्ट्रीय आतंकवाद
17	राष्ट्रीय हितों की अभिवृद्धि के उपकरण : प्रोपेगेन्डा एवं राजनीतिक युद्ध
18	राष्ट्रीय हित अभिवृद्धि के साधन : विचारधारा
19	शीतयुद्ध, द्विध्रुवीयता एवं बहुध्रुवीयता
20	गैर–पश्चिमी दृष्टिकोण एवं उनकी प्रभावोत्पादकता : गुटनिरपेक्षता एवं गुटनिरपेक्ष आन्दोलन
21	पराराष्ट्रीयता, अन्तरराष्ट्रीय अन्तर्निभरता एवं बहुकेन्द्रवादी परिप्रेक्ष्य
22	निरोपनिवेशवाद, निरोपनिवेशवाद एवं भारत की भूमिका, नरोपनिवेशवाद का प्रादुर्भाव
23	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का विकास एवं अन्तरराष्ट्रीय सम्बन्धों पर उसका प्रभाव

भारतीय राजनीति–I (एमएपीएस–04)
Indian Politics-I (MAPS-04)

योजना

अधिकतम अंक 100 **समय : 3 घण्टे**

सत्रीय गृह कार्य 20 **सत्रांत परीक्षा 80** **न्यूनतम उत्तीर्णांक 36**

इकाई संख्या	इकाई का शीर्षक
1	प्राचीन भारतीय राजनीति–सामाजिक संदर्भ
2	मध्यकालीन तथा आधुनिक भारतीय संदर्भ
3	आधुनिक भारतीय सामाजिक–राजनीतिक चिन्तन के विविध प्रसंग
4	राजा राममोहन राय तथा ब्रह्म समाज
5	दयानन्द तथा आर्यसमाज
6	आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिन्तन में राष्ट्रवाद एवं स्वराज्य के मूल स्वर
7	श्री अरविन्द

8	महादेव गोविन्द रानाडे
9	गोपाल कृष्ण गोखले
10	बाल गंगाधर तिलक
11	लाला लाजपत राय
12	मुस्लिम राजनीति चेतना के विविध वैचारिक संदर्भ
13	विनायक दामोदर सावरकर
14	रवीन्द्र नाथ टैगोर
15	महात्मा गांधी का विश्व–दृष्टिकोण
16	पं. जवाहर लाल नेहरू
17	डॉ. राममनोहर लोहिया : गांधीवादी समाजवाद के प्रणेता
18	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में कांग्रेस समाजवादियों की दलीय सहभागिता (1934–1948)
19	मानवेन्द्र नाथ रॉय
20	राजस्थान में प्रजामण्डल आन्दोलन
21	भारतीय संघ में देशी राज्यों का अधिमिलन एवं एकीकरण

विकसित राजनीतिक सिद्धान्त (एमएपीएस–05)
Advanced Political Theory (MAPS-05)

योजना

अधिकतम अंक 100 **समय : 3 घण्टे**

सत्रीय गृह कार्य 20 **सत्रांत परीक्षा 80** **न्यूनतम उत्तीर्णांक 36**

इकाई संख्या	इकाई का शीर्षक
1	राजनीति सिद्धान्त की प्रकृति
2	राजनीति विज्ञान में मूल्यों की भूमिका
3	स्वतंत्रता की अवधारणा – 1
4	स्वतंत्रता की अवधारणा – 2
5	न्याय की अवधारणा –I जॉन रॉल्स का न्याय सिद्धान्त
6	न्याय की अवधारणा –II माईकल वॉल्जर
7	समुदाय की अवधारणा –I चार्ल्स टेलर
8	समुदाय की अवधारणा –II अलासदैर मेकण्टायर

9	परम्परा, इतिहास तथा राजनीति I : माईकेल ऑकशॉट का राजनीतिक चिन्तन
10	परम्परा, इतिहास तथा राजनीतिक II : ऐरिक वोगेलिन का वैचारिक संदर्भ

भारतीय राजनीति–II (एमएपीएस–06)
Indian Politics-II (MAPS-06)

इकाई संख्या	इकाई का शीर्षक
1	भारत में संविधान निर्माण – 1 उदारवादी प्रजातांत्रिक प्रारूप ग्रहण करना
2	भारत में संविधान निर्माण – 2 संविधान सभा एवं अन्तरिम संसद
3	मूल अधिकार और मूल कर्त्तव्य
4	राज्य नीति के निदेशक तत्व
5	संघीय कार्यपालिका : भारतीय गणराज्य का राष्ट्रपति
6	संघीय कार्यपालिका : प्रधानमंत्री का पद
7	राज्य कार्यपालिका : राज्यपाल
10	संवैधानिक संशोधन – 1
11	संवैधानिक संशोधन – 2
12	न्यायिक पुनवरावलोकन
13	केन्द्र राज्य सम्बन्ध : तथ्य और समस्याएँ
14	क्षेत्रीयता और राष्ट्रीय एकीकरण
15	राजनीतिक दल एवं चुनावी राजनीति
16	निर्वाचन व्यवस्था एवं मतदान व्यवहार
17	स्वतंत्रता के पश्चात् शक्ति की राजनीति के निर्धारक के रूप में नौकरशाही
18	भूमि सुधारों की राजनीति एवं कृषक आन्दोलन
19	लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण और पंचायत राज संस्थाएं
20	राष्ट्रीय सुरक्षा एवं विकासात्मक समस्याएं
21	साम्प्रदायिक एवं धर्मान्धता
22	भारतीय राज्य में चुनौतयां : क्षेत्रवाद एवं राष्ट्रवाद

भारत के विशेष संदर्भ में तुलनात्मक विदेश नीति अध्ययन (एमएपीएस–07)

Comparative Foreign Policy Studies with Special Reference to India (MAPS-07)

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या	इकाई का शीर्षक
1	विदेश नीति का तुलनात्मक अध्ययन : तर्क
2	राष्ट्रीय क्षमता का सिद्धान्त : धारणा चित्रण
3	विदेश नीति और उसके उपकरण : संसद
4	विदेश नीति में स्वभावगत और व्यक्तिगत तत्वों का प्रभाव
5	विदेश नीति निर्माण में विचारधारा की भूमिका
6	विदेशी नीति के अभिकरण : शासनाध्यक्ष एवं सहयोगी मंत्री
7	विदेशी नीति के अभिकरण : विदेश मंत्रालय
8	विदेशी नीति के अभिकरण : प्रेस, जनसंचार माध्यम एवं जनमत
11	विदेश नीति निर्माण में आंतरिक बाध्यताऐं
12	भारत की विदेश नीति का निर्माण : मुख्य संस्थागत आवश्यकतायें
13	भारत की विदेश नीति को प्रभावित करने वाली अवस्थाऐं : घरेलू प्रेस, संचार माध्यम और जनमत
14	भारतीय विदेश नीति को प्रभावित करने वाली मुख्य अवस्थाऐं : स्वभावगत् और व्यक्तिगत तत्व

सार्वजनिक नीति (एमएपीएस–08)

Public Policy (MAPS-08)

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या	इकाई का शीर्षक
1	भारतीय राजनीति में केन्द्र–राज्य सम्बन्धों के संदर्भ में आवंटित प्राथमिकताएं एवं विकास
2	स्वतंत्रता के उपरान्त भारत में क्रियान्वयन एवं मूल्यांकन की लोकनीति के विशिष्ट संदर्भ में प्रशासनिक सुधार
3	भारत की विकास नीतियां : औद्योगिक और कृषि नीतियों के विशेष संदर्भ में
4	भारत में उभरते हुए नीति संबंधी विषय : एकीकृत ग्रामीण विकास कार्यक्रम एवं निर्धनता संबंधी कार्यक्रम
5	उपयुक्त प्रोद्योगिकी का विकास एवं प्रसारण
6	राष्ट्रीय एकीकरण की नीतियां : साम्प्रदायिक सद्भावना एवं एकीकरण
7	पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण प्रदूषण विरोधी कानूनों की बाध्यता
8	सामाजिक रूप से पिछड़े वर्गों के लिए नौकरियों में आरक्षण
9	भारत में कल्याणकारी नीतियां : शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सामाजिक सुरक्षा के विशेष संदर्भ में
10	ऊर्जा संरक्षण एवं परम्परागत ऊर्जा स्त्रोतों का पुनर्सृजन (कोयला, बिजली एवं तेल)

एमएपीएस – 09 (निबन्ध) के नियमः

इस पाठ्यक्रम की सत्रान्त परीक्षा (मुख्य परीक्षा) में प्रश्नपत्र 100 अंकों का होता है। इस पाठ्यक्रम में कोई सत्रीय गृहकार्य नहीं दिया जाता है। इसमें दो खण्ड होते हैं। खण्ड "अ" में एम.ए. पूर्वार्द्ध के चारों पाठ्यक्रमों में दी गई पाठ्यसामग्री में से कोई पाँच शीर्षक दिये जाते हैं। इसमें से आपको 2500 शब्दों का एक निबन्ध लिखना होता है। इसी प्रकार पाठ्यक्रम के खण्ड "ब" में एम.ए. उत्तरार्द्ध की अध्ययन सामग्री में से पाँच शीर्षक दिये जाते हैं। जिनमें से किसी एक शीर्षक पर 2500 शब्दों का एक निबन्ध लिखना होता है। इस प्रकार आपको अपनी पूर्वार्द्ध एवं उत्तरार्द्ध की सम्पूर्ण सामग्री में से दो निबन्धलिखने हैं।

एम.ए. लोक प्रशासन कार्यक्रम कोड : एमएपीए

M. A. Public Administration Programme Code : MAPA

उद्देश्य (Objectives) :

- प्रवेश प्राप्त विषय में सघन ज्ञानार्जन द्वारा भावी विशेषज्ञता का संधान।
- अखिल भारतीय/राजस्थान प्रशासनिक सेवाओं में चयन की सामर्थ्य का विकास।
- विविध गैर–सरकारी संगठनों (N.G.Os) में बेहतर रोजगार सम्भावनाओं का अभिज्ञान।
- विश्व बैंक समेत विविध अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों के लिए परियोजना निर्माण की दक्षता का निर्धारण।
- प्रशासनिक प्रक्रियाओं से प्रगाढ़ परिचय और उस आधार पर प्रासंगिक सार्वजनिक नीतियाँ/कार्यक्रमों के निरूपण व मूल्यांकन की सामर्थ्य का विस्तार।

प्रवेश योग्यता

(Admission Eligibility) : किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक (त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम) उपाधि।

अवधि (Duration) : न्यूनतम 2 वर्ष ; अधिकतम 6 वर्ष

माध्यम (Medium) : पाठ्य सामग्री केवल हिन्दी में उपलब्ध

श्रेयांक (Credit) : 72
एम.ए. (पूर्वार्द्ध) 32 श्रेयांक
एम. ए. (उत्तरार्द्ध) 40 श्रेयांक

शुल्क (Fee) : एम.ए. (पूर्वार्द्ध) रू. 4000/–
एम.ए. (उत्तरार्द्ध) रू. 4000/–

कार्यक्रम संरचना (Programme Structure) :

एम.ए. लोक प्रशासन के पूर्वार्द्ध में कुल चार पाठ्यक्रम होंगे। जबकि उत्तरार्द्ध में कुल पाँच पाठ्यक्रम होंगे। प्रत्येक पाठ्यक्रम 8 श्रेयांक का होगा। विद्यार्थियों को हिन्दी माध्यम की पाठ्यसामग्री उपलब्ध करवायी जाएगी। एम.ए. उत्तरार्द्ध के अन्तिम पाठ्यक्रम निबंध लेखन एमएपीए–09 के लिए कोई अध्ययन सामग्री उपलब्ध नहीं करवायी जाएगी।

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) लोक प्रशासन

क्र.सं. (S.No).	पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course)	पाठ्यक्रम कोड (Course Code)	श्रेयांक (Credit)
1.	लोक प्रशासन के सिद्धान्त Principles of Public Administration	एमएपीए–01 MAPA-01	8
2.	तुलनात्मक लोक प्रशासन Comparative Public Administration	एमएपीए–02 MAPA-02	8
3.	भारतीय प्रशासन Indian Administration	एमएपीए–03 MAPA-03	8
4.	कार्मिक प्रशासन Personnel Administration	एमएपीए–04 MAPA-04	8

एम.ए. (उत्तरार्द्ध) लोक प्रशासन

क्र.सं. (S.No)	पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course)	पाठ्यक्रम कोड (Course Code)	श्रेयांक (Credit)
1.	प्रशासनिक विचारक Administrative Thinkers	एमएपीए–05 MAPA-05	8
2.	विकास प्रशासन Development Administration	एमएपीए–06 MAPA-06	8
3.	राजस्थान के विशेष संदर्भ में भारत में राज्य प्रशासन State Administration in the Special Context of Rajasthan	एमएपीए–07 MAPA-07	8
4.	सार्वजनिक नीति Public Policy	एमएपीए–08 MAPA-08	8
5.	निबन्ध Essay*	एमएपीए–09 MAPA-09	8

***** इस पाठ्यक्रम की सत्रांत परीक्षा (मुख्य परीक्षा) में प्रश्नपत्र 100 अंकों का होता है। इस पाठ्यक्रम में कोई सत्रीय गृहकार्य नहीं दिया जाता है। इसमें दो खण्ड होते हैं। खण्ड –''अ'' में एम.ए. पूर्वार्द्ध के चारों पाठ्यक्रमों में दी गई पाठ्य सामग्री में से कोई पांच शीर्षक दिये जाते हैं। इनमें से आपको 2500 शब्दों का एक निबंध लिखना होता है। इसी प्रकार पाठ्यक्रम के खण्ड –''ब'' में एम.ए. उत्तरार्द्ध की अध्ययन सामग्री में से पांच शीर्षक दिये जाते हैं। जिनमें से किसी एक शीर्षक पर 2500 शब्दों का एक निबंध लिखना होता है। इस प्रकार आपको अपनी पूर्वार्द्ध और उत्तरार्द्ध की सम्पूर्ण सामग्री में से दो निबंध लिखने हैं।

परीक्षा पद्धति (Examination Pattern) :

सत्रीय गृहकार्यः प्रत्येक पाठ्यक्रम में सत्रीय गृहकार्य 20 अंकों का होगा। प्रत्येक पाठ्यक्रम में दो सत्रीय गृहकार्य करने होंगे। सत्रीय गृहकार्य पूर्ण करके सत्रांत परीक्षा से पूर्व संबंधित क्षेत्रीय केन्द्र पर जमा करवाना होगा।

सत्रांत (मुख्य) परीक्षाः एम.ए. (पूर्वार्द्ध) एवं एम.ए. (उत्तरार्द्ध) न्यूनतम अवधि अर्थात् 1 वर्ष के बाद विद्यार्थी की प्रत्येक पाठ्यक्रम की तीन घंटे की लिखित परीक्षा होगी। प्रत्येक पाठ्यक्रम की सत्रांत परीक्षा के लिए अधिकतम 80 अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम के दोनों भागों अर्थात सत्रांत परीक्षा एवं सत्रीय गृहकार्य में उत्तीर्ण होने के लिए दोनों में मिलाकर उत्तीर्णांक 36 प्रतिशत हैं। परन्तु किसी एक भाग सत्रीय गृहकार्य अथवा सत्रांत परीक्षा में न्यूनतम 25 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य है। यदि विद्यार्थी कुछ पाठ्यक्रमों को उत्तीर्ण नहीं कर पाया है तो उन पाठ्यक्रमों को उत्तीर्ण करने के लिए छः माह बाद होने वाली आगामी परीक्षा में पुनः बैठ सकता है। किसी एक परीक्षा में नए एवं पुराने अनुत्तीर्ण रहे पाठ्यक्रमों को मिलाकर अधिकतम 56 क्रेडिट के पाठ्यक्रमों की परीक्षा दे सकता है।

अंक तालिका में सत्रीय गृहकार्य एवं सत्रांत परीक्षा के अंकों को अलग–अलग दर्शाया जायेगा। सफल विद्यार्थियों को निम्न तालिका के अनुसार श्रेणी प्रदान की जाएगी–

प्रथम श्रेणी	–	60% एवं अधिक
द्वितीय श्रेणी	–	48% एवं 60% से कम
उत्तीर्ण	–	36% एवं 48% से कम

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) परीक्षा में कोई श्रेणी नहीं दी जाएगी।

लोकप्रशासन (Public Administration)

योजना

अधिकतम अंक 100 **समय : 3 घण्टे**

सत्रीय गृह कार्य 20 **सत्रांत परीक्षा 80** **न्यूनतम उत्तीर्णांक 36**

लोक प्रशासन के सिद्धान्त (एमएपीए–01)

Principles of Public Administration (MAPA-1)

इकाई संख्या	इकाई का शीर्षक
1	लोक प्रशासन की एक सामाजिक विज्ञान के रूप में प्रकृति, क्षेत्र एवं प्रस्थिति :अन्य सामाजिक विज्ञानों एवं प्रबन्ध से सम्बन्धों के विशिष्ट सदंर्भ में
2	लोक प्रशासन की नवीन प्रवृत्तियाँ : नवीन लोक प्रशासन, नवीन लोक प्रबन्ध, पुनरअभिमुखीकरण सरकार और जनोन्मुखी सरकार

3	शास्त्रीय विचारधाराएं : फ्रेडरिक विन्सलों टेलर, हेनरी फेयोल, लुथर एच गुलिक एवं लिडांल एफ, उर्विक
4	मानव सम्बन्ध उपागम : हाथार्न प्रयोगों में एल्टन मेयो का योगदान
5	पोस्डकार्ब (POSD CORB)
6	सत्ता और उत्तरदायित्व, नेतृत्व (नेता–एक अधिशासी के रूप में) पर्यवेक्षण, प्रत्यायोजन एवं संचार
7	सहयोग, समन्वय तथा विकेन्द्रीकरण
8	पदसोपान तथा समादेश की एकता
9	नियंत्रण का क्षेत्र, लाइन व स्टाफ अभिकरण
10	जवाबदेयता : अवाधारणा, तकनीकें एवं सीमाएँ, लोक प्रशासन पर संसदीय नियन्त्रण
11	नियंत्रण : प्रकृति, प्रकार तथा समस्याएँ, लोक प्रशासन का न्यायिक पुनरावलोकन

तुलनात्मक लोक प्रशासन (एमएपीए–02)

Comparative Public Administration (MAPA-02)

योजना

अधिकतम अंक 100 **समय : 3 घण्टे**

सत्रीय गृह कार्य 20 **सत्रांत परीक्षा 80** **न्यूनतम उत्तीर्णांक 36**

इकाई संख्या	इकाई का शीर्षक
1	तुलनात्मक लोक प्रशासन के अध्ययन का विकास
2	फ्रैड रिग्ज की सैद्धान्तिकी एवं प्रतिमान
3	विकास प्रशासन की विचारधारा
4	लोक प्रशासन में सिद्धान्त निर्माण के लिए तुलनात्मक शोध एक पद्धति के रूप में
5	ब्रिटेन की प्रशासनिक व्यवस्था की मुख्य विशेषताएँ
6	अमरीका की प्रशासनिक व्यवस्था की मुख्य विशेषताएँ
7	लोकतंत्रात्मक चीन की प्रशासनिक व्यवस्था की मुख्य विशेषताएँ
8	अमेरिका में स्थानीय संरकारें संघीय–स्थानीय संबंधों के विशेष संदर्भ में
9	विकास की अभिकर्ता (पंचायती राज संस्थाएँ) और स्थानीय स्वायत्त सरकार (पंचायतों) के रूप मे भारत में स्थानीय सरकार
10	राजनीति एवं लोक प्रशासन के तुलनात्मक अध्ययन में संरचनात्मक –

प्रकार्यात्मक उपागम

11 राजनीतिक व्यवस्थाओं के अध्ययन का व्यवहारवादी उपागम।

भारतीय प्रशासन (एमएपीए–03)
Indian Administration (MAPA-03)

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या	इकाई का शीर्षक
1	संघ स्तरीय प्रशासनिक संगठन : मंत्रालय; केन्द्रीय सचिवालय; मंत्रिमण्डल संचिवालय तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (पी.एम.ओ.)
2	राजनीति और प्रशासन में अन्तः क्रिया : ऐतिहासिक पृष्ठ–भूमि
3	भारतीय प्रशासन में भ्रष्टाचार : केन्द्रीय सर्तकता आयोग तथा भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के विशेष संदर्भ में
4	जिला दण्डाधिकारी तथा जिला विकास पदाधिकरी के रूप में कलेक्टर की बदलती भूमिका के विशेष संदर्भ में जिला प्रशासन
5	विकास अभिकर्ता (पंचायती राज संस्थाएँ) और स्थानीय स्वयात्त सरकार (पंचायतों) के रूप में भारत में स्थानीय सरकार
6	केन्द्रीय स्तर पर सामाजिक कल्याण प्रशासन
7	महिला एवं बाल विकास– राज्यस्तरीय प्रशासनिक तंत्र
8	अनुसूचित जाति एवं जन जाति कल्याणः नीति नियोजन तथा प्रशासनिक तंत्र
9	सामाजिक न्याय एवं आर्थिक विकास के लिए नियोजन।

कार्मिक प्रशासन (एमएपीए–04)
Personnel Administration (MAPA-04)

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या	इकाई का शीर्षक
1	कार्मिकीकरणः अर्थ, प्रकृति, क्षेत्र एवं महत्व
2	सामान्य तथा विशेषज्ञों के विशिष्ट संदर्भ में लोक सेवाओं का वर्गीकरण, श्रेणीकरण एवं एकीकरण

3	मानव संसाधन विकासः प्रोत्साहन, मनोबल, और अभिप्रेरण के सिद्धान्त एवं व्यवहार, आचरण के नियम तथा अनुशासनात्मक विनियम
4	लोक सेवाओं में मूल्य एवं नैतिकता, तटस्थता एवं प्रतिबद्धता
5	संघ राज्य व लोक सेवा आयोग
6	लोकसेवकों के राजनीतिक अधिकार– संघ बनाने का अधिकार, राजनीति में भाग लेने व वोट देने का अधिकार, न्यायालयों एवं अन्य न्यायाधिकरणों मे जाने का अधिकार
7	फ्रांस में लोक सेवकों के राजनैतिक अधिकार।

प्रशासनिक विचारक (एमएपीए–05)
Administration Thinkers (MAPA-05)

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या	इकाई का शीर्षक
1	कन्फ्यूसियस
2	कौटिल्य
3	जवाहर लाल नेहरू
4	सरदार वल्लभभाई पटेल
5	वूडरो विल्सन
6	चेस्टर आई. बर्नार्ड
7	मैरी पार्कर फौलेट
8	मैक्स वेबर – 1
9	मैक्स वेबर – 2
10	नौकरशाही : समाज शास्त्रीय परिप्रेक्ष्य
11	वैज्ञानिक प्रबन्ध : फ्रेडरिक विन्सलो टेलर तथा फेयोल का योगदान
12	अब्राहम एच. मैस्लो
13	फ्रेडरिक हर्जबर्ग
14	येहेज्केल ड्रोर

विकास प्रशासन (एमएपीए–06)
Development Administration (MAPA-06)

योजना

अधिकतम अंक 100 **समय : 3 घण्टे**

सत्रीय गृह कार्य 20 **सत्रांत परीक्षा 80** **न्यूनतम उत्तीर्णांक 36**

इकाई संख्या	इकाई का शीर्षक
1	विकास प्रशासन : अवधारणा, अर्थ, प्रकृति एवं क्षेत्र
2	विकास प्रशासन : उद्‌भव एवं विकासशील देशों में इसकी भूमिका
3	भारत में ग्रामीण विकास प्रशासन : एक परिदृश्य
4	भारत में पंचायती राज और ग्रामीण विकास
5	विकास प्रबंधन मे नागरिक सहभागिता
6	विकास प्रशासन और सामाजिक एवं सांस्कृतिक व्यवस्था
7	विकास प्रबन्ध व आर्थिक व्यवस्थायें
8	योजना प्रतिपादन एवं कार्यान्वयन
9	जिला एवं उससे नीचे के स्तर पर विकास के लिए प्रशासनिक व्यवस्था : जिला ग्रामीण विकास अभिकरण एवं पंचायतीराज संस्थाएं
10	नौकरशाही की संस्कृति और विकास प्रशासन
11	गैर सरकारी संगठनों की स्थिति व भूमिका
12	ग्रामीण विकास प्रशासन : बदलते परिप्रेक्ष्य
13	विकास प्रशासन में जन प्रतिभागिता

राजस्थान के विशेष संदर्भ में भारत में राज्य प्रशासन (एमएपीए–07)
State Administration in the Special Context of Rajasthan (MAPA-07)

योजना

अधिकतम अंक 100 **समय : 3 घण्टे**

सत्रीय गृह कार्य 20 **सत्रांत परीक्षा 80** **न्यूनतम उत्तीर्णांक 36**

इकाई संख्या	इकाई का नाम
1	राजस्थान में राज्य प्रशासन : एक पारिस्थिकी विश्लेषण
2	केन्द्र राज्य सम्बन्ध : विधायी और प्रशासनिक
3	भारत में केन्द्र – राज्य वित्तीय सम्बन्ध

4	भारत में प्रशासनिक सुधार एवं भविष्य के लिये कार्यसूची
5	मुख्यमंत्री : पद, शक्तियां तथा राज्यपाल से सम्बन्ध
6	राजस्थान लोक सेवा आयोग
7	राज्य सचिवालय
8	मुख्य सचिव : राज्य प्रशासन में उसकी भूमिका एवं महत्व
9	गृह विभाग
10	जिलाधीश
11	उपजिला प्रशासन की भूमिका एवं कार्य : उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार एवं पटवारी के सन्दर्भ में
12	राज्य एवं नीचे के स्तरों पर जनजाति विकास हेतु प्रशासनिक तंत्र

सार्वजनिक नीति (एमएपीए–08)
Public Policy (MAPA-08)

योजना

अधिकतम अंक 100 **समय : 3 घण्टे**

सत्रीय गृह कार्य 20 **सत्रांत परीक्षा 80** **न्यूनतम उत्तीर्णांक 36**

इकाई संख्या	इकाई का नाम
1	सार्वजनिक नीति : अर्थ, प्रकृति एवं क्षेत्र
2	सरकार मे निर्णय निर्माण : विशिष्ट सार्वजनिक नीति प्रसंग
3	योजना तथा सार्वजनिक नीति
4	शासकीय शोध संस्थानों के अंशकालिक और पूर्णकालिक कर्मचारियों के रूप में वैज्ञानिकों और समाज वैज्ञानिको की भूमिका
5	पंचायती राज संस्थाऐं तथा लोकनीतिगत हस्तक्षेप
6	सामाजिक रूप से पिछड़े वर्गों के लिए नौकरियों में आरक्षण
7	भारतीय राजनीति में केन्द्र राज्य सम्बन्धों के संदर्भ में आवंटित प्राथमिकताएं एवं विकास
8	राष्ट्रीय एकीकरण की नीतियां : सांप्रदायिक सद्‌भावना एवं राष्ट्रीय एकीकरण के विशेष संदर्भ में
9	पारिस्थिकी एवं पर्यावरण, प्रदूषण विरोधी कानूनों की बाध्यता
10	ऊर्जा संरक्षण एवं परम्परागत ऊर्जा स्त्रोतों का पुनसृजन (कोयला, बिजली एवं तेल)
11	भारत में कल्याणकारी नीतियां : शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सामाजिक सुरक्षा के विशेष संदर्भ में

12 भारत में विकास नीतियां : औद्योगिक और कृषिगत नीतियों के विशेष संदर्भ में

13 भारत में उभरते हुए नीति संबंधी विषय : एकीकरण ग्रामीण विकास कार्यक्रम एवं निर्धनता निवारण संबंधी कार्यक्रम

14 उपयुक्त प्रोद्यौगिकी का विकास एवं प्रसारण

15 राजस्व प्रशासन की नियामक नीतियां (राजस्थान के विशेष संदर्भ में)

16 स्वतंत्रता के उपरान्त भारत में क्रियान्वयन एवं मूल्यांकन की लोकनीति के विशिष्ट संदर्भ में प्रशासनिक सुधार

एमएपीए – 09 (निबन्ध) के नियमः

इस पाठ्यक्रम की सत्रांत परीक्षा (मुख्य परीक्षा) में प्रश्नपत्र 100 अंकों का होता है। इस पाठ्यक्रम में कोई सत्रीय गृहकार्य नहीं दिया जाता है। इसमें दो खण्ड होते हैं। खण्ड –''अ'' में एम.ए. पूर्वार्द्ध के चारों पाठ्यक्रमों में दी गई पाठ्य सामग्री में से कोई पांच शीर्षक दिये जाते हैं। इनमें से आपको 2500 शब्दों का एक निबंध लिखना होता है। इसी प्रकार पाठ्यक्रम के खण्ड –''ब'' में एम.ए. उत्तरार्द्ध की अध्ययन सामग्री में से पांच शीर्षक दिये जाते हैं। जिनमें से किसी एक शीर्षक पर 2500 शब्दों का एक निबंध लिखना होता है। इस प्रकार आपको अपनी पूर्वार्द्ध और उत्तरार्द्ध की सम्पूर्ण सामग्री में से दो निबंध लिखने हैं।

एम.ए. समाजशास्त्र **कार्यक्रम कोड : एमएएसओ**

M. A. Sociology **Programme Code : MASO**

उद्देश्य (Objectives) :

- प्रवेश प्राप्त विषय में सघन ज्ञानार्जन द्वारा भावी विशेषज्ञता का संधान।
- अखिल भारतीय/राजस्थान प्रशासनिक सेवाओं में चयन की सामर्थ्य का विकास।
- विविध गैर–सरकारी संगठनों (N.G.Os) में बेहतर रोजगार सम्भावनाओं का अभिज्ञान।
- विश्व बैंक सहित विविध अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों के लिए परियोजना निर्माण की दक्षता का निर्धारण।
- व्यापक सामाजिक–सांस्कृतिक प्रक्रियाओं के प्रति सहज बोध और उसके आधार पर सामाजिक आदर्श व सामाजिक यथार्थ से अन्तरंगता।

प्रवेश योग्यता

(Admission Eligibility)	**:**	किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक (त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम) उपाधि।
अवधि (Duration)	**:**	न्यूनतम 2 वर्ष **;** अधिकतम 6 वर्ष
माध्यम (Medium)	**:**	पाठ्य सामग्री केवल हिन्दी में उपलब्ध
श्रेयांक (Credit)	**:**	72 एम.ए. (पूर्वार्द्ध) 32 श्रेयांक एम. ए. (उत्तरार्द्ध) 40 श्रेयांक
शुल्क (Fee)	**:**	एम.ए. (पूर्वार्द्ध) रू. 4000/– एम.ए. (उत्तरार्द्ध) रू. 4000/–

कार्यक्रम संरचना

(Programme Structure) **:**

एम.ए. समाजशास्त्र के पूर्वार्द्ध में कुल चार पाठ्यक्रम होंगे। जबकि उत्तरार्द्ध में कुल पाँच पाठ्यक्रम होंगे। प्रत्येक पाठ्यक्रम 8 श्रेयांक का होगा। विद्यार्थियों को हिन्दी माध्यम की पाठ्यसामग्री उपलब्ध करवायी जाएगी। एम.ए. उत्तरार्द्ध के अन्तिम पाठ्यक्रम निबन्ध लेखन एमएएसओ–09 के लिए कोई अध्ययन सामग्री उपलब्ध नहीं करवायी जाएगी।

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) समाजशास्त्र

क्र.सं. (S.No.)	पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course)	पाठ्यक्रम कोड (Course Code)	श्रेयांक (Credit)
1.	समाजशास्त्र के मूलतत्व Foundations of Sociology	एमएएसओ–01 MASO-01	8
2.	समाजशास्त्रीय अनुसंधान का तर्क Logic of Sociological Enquiry	एमएएसओ–02 MASO-02	8
3.	भारतीय सामाजिक व्यवस्था Indian Social System	एमएएसओ–03 MASO-03	8
4.	ग्रामीण समाजशास्त्र Rural Sociology	एमएएसओ–04 MASO-04	8

एम.ए. (उत्तरार्द्ध) समाजशास्त्र

क्र.सं. (S.No)	पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course)	पाठ्यक्रम कोड (Course Code)	श्रेयांक (Credit)
1.	समकालीन समाजशास्त्रीय सिद्धान्त Contemporary Sociological Theory	एमएएसओ–05 MASO-05	8
2.	समाजशास्त्रीय विचारक Sociological Thinkers	एमएएसओ–06 MASO-06	8
3.	भारत में समाजशास्त्र का विकास Development of Sociology in India	एमएएसओ–07 MASO-07	8
4.	अपराध शास्त्र Criminology	एमएएसओ–08 MASO-08	8
5.	निबन्ध Essay*	एमएएसओ–09 MASO-09	8

* इस पाठ्यक्रम की सत्रांत परीक्षा (मुख्य परीक्षा) में प्रश्नपत्र 100 अंकों का होता है। इस पाठ्यक्रम में कोई सत्रीय गृहकार्य नहीं दिया जाता है। इसमें दो खण्ड होते हैं। खण्ड – ''अ'' में एम.ए. पूर्वार्द्ध के चारों पाठ्यक्रमों में दी गई पाठ्य सामग्री में से कोई पांच शीर्षक दिये जाते हैं। इनमें से आपको 2500 शब्दों का एक निबंध लिखना होता है। इसी प्रकार पाठ्यक्रम के खण्ड – ''ब'' में एम.ए. उत्तरार्द्ध की अध्ययन सामग्री में से पांच शीर्षक दिये जाते हैं। जिनमें से किसी एक शीर्षक पर 2500 शब्दों का एक निबंध लिखना होता है।

इस प्रकार आपको अपनी पूर्वार्द्ध और उत्तरार्द्ध की सम्पूर्ण सामग्री में से दो निबंध लिखने हैं।

परीक्षा पद्धति (Examination Pattern) :

सत्रीय गृहकार्यः प्रत्येक पाठ्यक्रम में सत्रीय गृहकार्य 20 अंकों का होगा। प्रत्येक पाठ्यक्रम में दो सत्रीय गृहकार्य करने होंगे। सत्रीय गृहकार्य पूर्ण करके सत्रांत परीक्षा से पूर्व संबंधित क्षेत्रीय केन्द्र पर जमा करवाना होगा।

सत्रांत (मुख्य) परीक्षाः एम.ए. (पूर्वार्द्ध) एवं एम.ए. (उत्तरार्द्ध) न्यूनतम अवधि अर्थात् 1 वर्ष के बाद विद्यार्थी की प्रत्येक पाठ्यक्रम की तीन घंटे की लिखित परीक्षा होगी। प्रत्येक पाठ्यक्रम की सत्रांत परीक्षा के लिए अधिकतम 80 अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम के दोनों भागों अर्थात सत्रांत परीक्षा एवं सत्रीय गृहकार्य में उत्तीर्ण होने के लिए दोनों में मिलाकर उत्तीर्णांक 36 प्रतिशत हैं। परन्तु किसी एक भाग सत्रीय गृहकार्य अथवा सत्रांत परीक्षा में न्यूनतम 25 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य है। यदि विद्यार्थी कुछ पाठ्यक्रमों को उत्तीर्ण नहीं कर पाया है तो उन पाठ्यक्रमों को उत्तीर्ण करने के लिए छः माह बाद होने वाली आगामी परीक्षा में पुनः बैठ सकता है। किसी एक परीक्षा में नए एवं पुराने अनुत्तीर्ण रहे पाठ्यक्रमों को मिलाकर अधिकतम 56 क्रेडिट के पाठ्यक्रमों की परीक्षा दे सकता है।

अंक तालिका में सत्रीय गृहकार्य एवं सत्रांत परीक्षा के अंकों को अलग–अलग दर्शाया जायेगा। सफल विद्यार्थियों को निम्न तालिका के अनुसार श्रेणी प्रदान की जाएगी–

प्रथम श्रेणी	–	60% एवं अधिक
द्वितीय श्रेणी	–	48% एवं 60% से कम
उत्तीर्ण	–	36% एवं 48% से कम

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) परीक्षा में कोई श्रेणी नहीं दी जाएगी।

समाज शास्त्र (Sociology)

योजना

अधिकतम अंक 100 **समय : 3 घण्टे**

सत्रीय गृह कार्य 20 **सत्रांत परीक्षा 80** **न्यूनतम उत्तीर्णांक 36**

समाजशास्त्र के मूल तत्व (एमएएसओ–01)
Foundations of Sociology (MASO-01)

इकाई संख्या	इकाई का शीर्षक
1	समाजशास्त्र : विकास एवं अभिगमन : ऐतिहासिक, कार्यात्मक एवं अन्तर्द्वन्द्व
2	आदमी की समाजशास्त्रीय अवधारणा
3	समाज : अर्थ, विशेषताएँ, समाज और एक समाज में अन्तर
4	संस्कृति : अर्थ, विशेषताएँ, सिद्धान्त, अवधारणाएँ

5	सामाजिक व्यवस्था एवं सामाजिक व्यवहार
6	सामाजिक संरचना एवं प्रकार्य
7	समाजीकरण : अवधारणा, सोपान और सिद्धान्त
8	सामाजिक समूह, प्रकार–प्राथमिक एवं द्वितीयक
9	समुदाय
10	संस्था एवं समिति
11	सामाजिक प्रक्रियाएं : सहयोगी, सहयोग, समायोजन, सात्मीकरण, असहयोगी
12	प्रस्थिति एवं भूमिका – अवधारणा, स्थिति एवं भूमिका के मध्य संबध
13	प्रतिमान एवं मूल्य : अवधारणा और वर्गीकरण
14	निराशा, विचलन एवं स्वत्व अंतरण
15	असमानता एवं सामाजिक स्तरीकरण : अवधारणा एवं आधार
16	सामाजिक स्तरीकरण के सिद्धान्त
17	सामाजिक नियंत्रण : अवधारणा, संस्थाएं एवं प्रकार
18	सामाजिक परिवर्तन : अवधारणा, कारक, प्रक्रिया, उद्विकास, विकास, प्रगति, क्रान्ति, वृद्धि
19	सामाजिक परिवर्तन के सिद्धान्त
20	अलगाव : अवधारणा एवं सिद्धान्त
21	सामाजिक क्रिया : अर्थ, परिभाषा एवं सिद्धान्त

समाजशास्त्रीय अनुसंधान का तर्क (एमएएसओ–02)
Logic of Sociological Enquiry (MASO-02)

योजना

अधिकतम अंक 100 **समय : 3 घण्टे**

सत्रीय गृह कार्य 20 **सत्रांत परीक्षा 80** **न्यूनतम उत्तीर्णांक 36**

इकाई संख्या	इकाई का शीर्षक
1	सामाजिक अनुसंधान : अर्थ, प्रकृति एवं प्रकार
2	अनुसंधान प्रारूप : विवरणात्मक, अन्वेषणात्मक एवं प्रयोगात्मक अनुसंधान प्रारूप
3	प्राक्कल्पनाएँ : स्त्रोत एवं प्रकार
4	तथ्य एवं सिद्धान्त के बीच संबंध
5	पैराडाईम एवं मॉडल
6	आँकड़े एकत्रित करने के स्त्रोत : पद्धति, प्रविधि एवं यन्त्र
7	सर्वेक्षण और प्रकरण अध्ययन

8	अवलोकन
9	प्रश्नावली
10	साक्षात्कार
11	अनुसूची
12	वैयक्तिक अध्ययन पद्धति
13	निदर्शन
14	केन्द्रीय प्रवृत्ति की माप : माध्य, माध्यिका, बहुलक
15	माध्य विचलन – मानक विचलन
16	सह – सम्बन्ध : श्रेणी सह – सम्बन्ध
17	अन्तर्वस्तु विश्लेषण प्रविधि
18	विक्षेपण के माप

भारतीय सामाजिक व्यवस्था (एमएएसओ–03)
Indian Social System (MASO-03)

योजना

अधिकतम अंक 100 **समय : 3 घण्टे**

सत्रीय गृह कार्य 20 **सत्रांत परीक्षा 80** **न्यूनतम उत्तीर्णांक 36**

इकाई संख्या	इकाई का शीर्षक
1	भारतीय समाज : एकता, बहुलता एवं विविधता
2	परिवार : अवधारणा, स्वरूप एवं परिवर्तन
3	विवाह : अवधारणा, स्वरूप एवं परिवर्तन
4	नातेदारी : अवधारणा, स्वरूप एवं परिवर्तन
5	जनजाति : अवधारणा, संरचना एवं परिवर्तन
6	जाति : अवधारणा, स्वरूप एवं संरचना
7	वर्ग : अवधारणा, संरचना एवं परिवर्तन
8	सामाजिक स्तरीकरण में उभरते नए स्वरूप
9	सामाजिक परिवर्तन एवं विकास : भारतीय समाज में परिवर्तन की प्रक्रियाएं
10	संस्कृतिकरण तथा पश्चिमीकरण : अवधारणा, प्रभाव एवं प्रक्रिया
11	आधुनिकीकरण एवं धर्मनिरपेक्षीकरण : अवधारणा, प्रभाव एवं प्रक्रिया
12	औद्योगीकरण एवं नगरीकरण : अवधारणा, प्रक्रिया एवं प्रभाव
13	जातिवाद
14	क्षेत्रवाद
15	साम्प्रदायिकतावाद

16 लैंगिक असमानता
17 संस्कृति
18 राजनीति
19 नागरीकीय समाज
20 आर्थिक व्यवस्था

ग्रामीण समाजशास्त्र (एमएएसओ–04)
Rural Sociology (MASO-04)

योजना

अधिकतम अंक 100 **समय : 3 घण्टे**

सत्रीय गृह कार्य 20 **सत्रांत परीक्षा 80** **न्यूनतम उत्तीर्णांक 36**

इकाई संख्या	इकाई का शीर्षक
1	ग्रामीण समाजशास्त्र : अर्थ, अध्ययन क्षेत्र एवं विषय वस्तु
2	ग्रामीण सामाजिक व्यवस्था : परिवार, नातेदारी एवं जाति
3	कृषक समाज एवं लघु समुदाय
4	सामाजिक परिवर्तन की प्रक्रियाएं
5	संस्कृतिकरण
6	ग्रामीण समाज – परम्परा एवं आधुनिकता
7	ग्रामीण शक्ति संरचना
8	ग्रामीण भारत में धर्म
9	जजमानी व्यवस्था
10	भारत में कृषक आन्दोलन
11	कृषक वर्ग संरचना : उत्पादन की पद्धति और कृषक संबंध
12	ग्रामीण भारत में भूमि सुधार
13	भूमिहीन श्रमिक, प्रवासी श्रमिक तथा विकिसानीकरण
14	ग्रामीण भारत में सामाजिक समस्याएँ : गरीबी एवं बेरोजगारी
15	वैश्वीकरण तथा ग्रामीण समाज
16	सामुदायिक विकास कार्यक्रम
17	सहकारिता आन्दोलन
18	पंचायती राज व्यवस्था
19	ग्रामीण विकास में गैर–सरकारी संगठनों की भूमिका
20	ग्रामीण विकास में वित्तीय संस्थाओं की भूमिका
21	हरित क्रान्ति व सामाजिक परिवर्तन

समकालीन समाजशास्त्रीय सिद्धान्त (एमएएसओ–05)
Contemporary Sociological Theory (MASO-05)

योजना

अधिकतम अंक 100 **समय : 3 घण्टे**

सत्रीय गृह कार्य 20 **सत्रांत परीक्षा 80** **न्यूनतम उत्तीर्णांक 36**

इकाई संख्या	इकाई का शीर्षक
1	अवधारणा, विचार एवं सिद्धान्त : एक अन्तः सम्बन्ध
2	समाजशास्त्रीय सिद्धान्त : अर्थ एवं प्रकृति
3	समाजशास्त्रीय सिद्धान्त के प्रकार
4	सिद्धान्त निर्माण की प्रक्रिया
5	प्रत्यक्षवादी एवं वैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य
6	रेडीकल एवं मानवतावादी परिप्रेक्ष्य
7	ऐतिहासिक उपागम
8	उद्विकासीय उपागम
9	संरचनात्मक–प्रकार्यात्मक उपागम
10	संरचनात्मक उपागम
11	नृजाति पद्धतिशास्त्रीय उपागम
12	प्रघटनाशास्त्रीय उपागम
13	आलोचनात्मक उपागम
14	सामाजिक विनिमय सिद्धान्त
15	संघर्षवादी सिद्धान्त : संघर्ष का मार्क्सवादी सिद्धान्त
16	संघर्षवादी सिद्धान्त : संघर्ष का प्रकार्यवादी सिद्धान्त
17	प्रतीकात्मक अन्तः क्रियावादी सिद्धान्त
18	नारीवादी उपागम
19	संस्कृतिवादी सिद्धान्त
20	उत्तर आधुनिकतावादी सिद्धान्त

समाजशास्त्रीय विचारक (एमएएसओ–06)
Sociological Thinkers (MASO-06)

योजना

अधिकतम अंक 100 **समय : 3 घण्टे**

सत्रीय गृह कार्य 20 **सत्रांत परीक्षा 80** **न्यूनतम उत्तीर्णांक 36**

इकाई संख्या	इकाई का शीर्षक
1	समाजशास्त्रीय तर्कवाद
2	द्वन्द्ववाद
3	अगस्ट कॉम्ट : विज्ञानों का संस्तरण

4	अगस्ट कॉम्ट : ज्ञान के विकास के स्तर
5	इमाईल दुर्खीम : सामाजिक तथ्य
6	इमाईल दुर्खीम : धर्म एवं समाज
7	इमाईल दुर्खीम : समाज में श्रम विभाजन
8	इमाईल दुर्खीम : आत्महत्या
9	मैक्स वेबर : सामाजिक क्रिया
10	मैक्स वेबर : पद्धतिशास्त्र
11	मैक्स वेबर : आदर्श प्रारूप
12	मैक्स वेबर : नौकरशाही
13	मैक्स वेबर : प्रोटेस्टेन्ट आचार संहिता एवं पूँजीवाद
14	कार्ल मार्क्स : द्वन्द्वात्मक, ऐतिहासिक भौतिकवाद
15	कार्ल मार्क्स : अलगाव
16	टाल्कट पारसन्स : प्रतिमान चर, क्रिया सिद्धान्त एवं व्यवस्था सिद्धान्त
17	आर. के. मर्टन : प्रकार्यात्मक प्रारूप एवं अप्रतिमानता
18	वैब्लिन : विलासी वर्ग का सिद्धान्त
19	विलफ्रेड़ पैरेटो : अभिजन का परिभ्रमण

भारत में समाजशास्त्र का विकास (एमएएसओ–07)
Development of Sociology in India (MASO-07)

योजना

अधिकतम अंक 100 **समय : 3 घण्टे**

सत्रीय गृह कार्य 20 **सत्रांत परीक्षा 80** **न्यूनतम उत्तीर्णांक 36**

इकाई संख्या	इकाई का शीर्षक
1	भारतीय शास्त्रीय साहित्य में समाजशास्त्रीय अर्न्तदृष्टि
2	स्वतंत्रता पूर्व भारत में समाजशास्त्र का विकास
3	स्वाधीन (स्वतंत्रता के पश्चात्) भारत में समाजशास्त्र का विकास
4	भारत में समाजशास्त्रीय अनुसंधान की प्रकृति एवं दिशाएँ
5	भारत में समाजशास्त्रीय अध्ययन से संबंधित विभिन्न उपागम
6	राधाकमल मुकर्जी का योगदान
7	डी.पी. मुकर्जी का योगदान
8	जी.एस. घुर्ये का योगदान
9	ए.आर. देसाई का योगदान
10	एम.एन.श्रीनिवास का योगदान
11	लुई ड्यमों का योगदान
12	आन्द्रे बेताई का योगदान
13	कृषक संबंध

14	सामाजिक आन्दोलन
15	कमजोर वर्ग
16	महिला अध्ययन
17	परिवार, विवाह एवं नातेदारी
18	औद्योगिक सम्बन्ध
19	विकास अध्ययन

अपराध शास्त्र (एमएएसओ–08)
Criminology (MASO-08)

योजना

अधिकतम अंक 100 **समय : 3 घण्टे**

सत्रीय गृह कार्य 20 **सत्रांत परीक्षा 80** **न्यूनतम उत्तीर्णांक 36**

इकाई संख्या	इकाई का शीर्षक
1	अपराध शास्त्र : परिभाषा, विस्तार एवं विषय क्षेत्र
2	विचलन और मूल्यहीनता की अवधारणा
3	अपराध की अवधारणा : कानूनी और समाजशास्त्रीय
4	अपराध के प्रकार
5	अपराध के कारकों सम्बन्धी सिद्धान्त
6	श्वेत वस्त्र अपराध
7	बाल अपराध
8	महिला अपराधी
9	पेशेवर अपराधी
10	संगठित अपराधी
11	दण्ड के सिद्धान्त
12	दण्ड के प्रकार
13	जेल व्यवस्था
14	बंदी व्यवस्था
15	बंदीगृहकरण
16	खुली जेल
17	परिवीक्षा एवं पैरोल सेवाएँ
18	अपराध पीड़ित
19	महिलाओं के विरूद्ध हिंसा
20	भ्रूण हत्या
21	साइबर अपराध
22	आतंकवाद

निबन्ध (एमएएसओ–09) Essay (MASO-09)

एम.ए. उत्तरार्द्ध के विद्यार्थियों के लिए यह प्रश्न पत्र अनिवार्य है। इसके पूर्णांक 100 हैं। इसमें सत्रीय गृह कार्य का प्रावधान नहीं है। इस प्रश्न पत्र में दो खण्ड होंगे अ और ब। खण्ड अ में एम.ए. पूर्वार्द्ध के पाठ्यक्रमों से सम्बन्धित निबन्ध पूछे जायेंगे जबकि खण्ड ब में उत्तरार्द्ध से सम्बन्धित निबन्ध पूछे जायेंगे। इन दोनों खण्डों में क्रमशः पाँच–पाँच निबन्ध शीर्षक होंगे। सत्रांत परीक्षा में विद्यार्थियों को इन दिये गये शीर्षकों में से ही निबन्ध लिखने होंगे।

प्रत्येक खण्ड 50 अंकों का होगा, प्रत्येक खण्ड में दिये गये 5–5 शीर्षकों में से विद्यार्थी को प्रत्येक खण्ड के एक–एक शीर्षक पर निबन्ध लिखना होगा। इस प्रकार उसे कुल दो निबन्ध लिखने होंगे। प्रत्येक निबन्ध 2500 शब्दों का होगा। उदाहरणार्थ दोनों खण्डों में देय निबन्धों का शीर्षक इस प्रकार हो सकता है।

निबन्ध लेखन के लिए निर्दिष्ट अनुसूची (The Prescribed List for Essay Writing) :–

खण्ड – अ

1. समाजीकरण के सोपान और सिद्धान्त (Stages and Theories of Socialization)
2. समुदाय की विशेषताएँ एवं प्रकार (Characteristics and Types of Community)
3. अनुसंधान प्रारूप (Research Design)
4. आँकड़ों के स्रोत (Sources of Data)
5. निदर्शन के प्रकार (Types of Sampling)
6. संयुक्त परिवार में परिवर्तन के कारक (Forces of Change in Joint Family)
7. जाति एवं राजनीति के बीच सम्बन्ध (Relation between Cast and Politics)
8. महिलाओं के अधिकार (Rights of Women)
9. ग्रामीण समाज में परिवर्तन (Changes in Rural Society)
10. ग्रामीण भारत में भूमि सुधार (Land Reforms in Rural India)

खण्ड – ब

1. समाजशास्त्रीय सिद्धान्त के प्रकार (Types of Sociological Theories)
2. नारीवाद (Feminism)
3. कार्ल मार्क्स (Carl Marx)
4. समाजशास्त्र में प्रकार्यात्मक विश्लेषण के लिए पेरेडिम (Paradigm for functional Analysis in Sociology)
5. जी.एस.घूर्ये का समाजशास्त्र में योगदान (G.S.Ghurye's Contribution to Sociology)
6. सामाजिक आन्दोलन (Social Movements)
7. प्रत्यक्षवाद (Positivism)
8. औद्योगिक सम्बन्ध (Industrial Relations)
9. पेशेवर अपराधी (Professional Criminal)
10. आतंकवाद (Terrarism)

एम. ए. संस्कृत — कार्यक्रम कोड : एमएएसए

M. A. Sanskrit — Programme Code: MASA

उद्देश्य (Objectives) :

- प्रवेश प्राप्त विषय में सघन ज्ञानार्जन द्वारा भावी विशेषज्ञता का संधान।
- संस्कृत काव्य,काव्यशास्त्र, गद्य व समालोचना की प्रमुख प्रवृत्तियों से अन्तरंगता और उसके आधार पर व्यवहार्य साहित्यिकी का विकास।
- भारतीय संस्कृति तथा वैदिक साहित्य के व्यापक अनुक्रम में संस्कृत वाङ्गमय का विशद् पारायण।
- संस्कृत साहित्य के इतिहास के संबंध में दक्षता का निर्धारण।
- उच्च शिक्षा में बेहतर सम्भावनाओं की तलाश और उसके आधार पर शिक्षक, शोधकर्ता तथा लेखक के रूप में उपयोगी भूमिका का निर्वाह।
- विविध प्रतियोगी परीक्षाओं में भाषा–दक्षता के आधार पर सफलता का सूत्रपात।

प्रवेश योग्यता

(Admission Eligibility)	**:**	किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक (त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम) उपाधि।
अवधि (Duration)	**:**	न्यूनतम 2 वर्ष ; अधिकतम 6 वर्ष।
माध्यम (Medium)	**:**	पाठ्य सामग्री केवल संस्कृत में उपलब्ध
श्रेयांक (Credit)	**:**	72 एम.ए. (पूर्वार्द्ध) में 32 श्रेयांक एम. ए. (उत्तरार्द्ध) में 40 श्रेयांक
शुल्क (Fee)	**:**	एम.ए.(पूर्वार्द्ध) रू. 4000/– एम.ए.(उत्तरार्द्ध) रू. 4000/–

कार्यक्रम संरचना (Programme Structure) :

एम.ए. संस्कृत के पूर्वार्द्ध में कुल चार पाठ्यक्रम होंगे। जबकि उत्तरार्द्ध में कुल पाँच पाठ्यक्रम होंगे। प्रत्येक पाठ्यक्रम 8 श्रेयांक का है। विद्यार्थियों को पाठ्यसामग्री संस्कृत माध्यम की उपलब्ध करवायी जाएगी। एम.ए. उत्तरार्द्ध के पाठ्यक्रम एमएएसए –09 (MASA-09) के लिए कोई अध्ययन सामग्री उपलब्ध नहीं करवायी जाएगी।

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) संस्कृत

क्र.सं. (S.No.)	पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course)	पाठ्यक्रम कोड (Course Code)	श्रेयांक (Credit)
1.	वैदिक साहित्य एवं तुलनात्मक भाषा विज्ञान	एमएएसए–01	8
2.	ललित साहित्य एवं नाटक	एमएएसए–02	8
3.	भारतीय दर्शन	एमएएसए–03	8
4.	भारतीय काव्यशास्त्र एवं व्याकरण	एमएएसए–04	8

एम.ए. (उत्तरार्द्ध) संस्कृत

क्र.सं. (S.No.)	पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course)	पाठ्यक्रम कोड (Course Code)	श्रेयांक (Credit)
1.	गद्य तथा काव्य	एमएएसए–05	8
2.	नाटक तथा नाटकशास्त्र	एमएएसए–06	8
3.	साहित्यशास्त्र	एमएएसए–07	8
4.	आधुनिक संस्कृत साहित्य का इतिहास	एमएएसए–08	8
5.	* निबंध	एमएएसए–09	8

* इस पाठ्यक्रम की सत्रांत परीक्षा (मुख्य परीक्षा) में प्रश्नपत्र 100 अंकों का होता है। इस पाठ्यक्रम में कोई सत्रीय गृहकार्य नहीं दिया जाता है। इसमें दो खण्ड होते हैं। खण्ड – ''अ'' में एम.ए. पूर्वार्द्ध के चारों पाठ्यक्रमों में दी गई पाठ्य सामग्री में से कोई पांच शीर्षक दिये जाते हैं। इनमें से आपको 2500 शब्दों का एक निबंध लिखना होता है। इसी प्रकार पाठ्यक्रम के खण्ड – ''ब'' में एम.ए. उत्तरार्द्ध की अध्ययन सामग्री में से पांच शीर्षक दिये जाते हैं। जिनमें से किसी एक शीर्षक पर 2500 शब्दों का एक निबंध लिखना होता है। इस प्रकार आपको अपनी पूर्वार्द्ध और उत्तरार्द्ध की सम्पूर्ण सामग्री में से दो निबंध लिखने हैं।

परीक्षा पद्धति (Examination Pattern) :

सत्रीय गृहकार्यः प्रत्येक पाठ्यक्रम में सत्रीय गृहकार्य 20 अंकों का होगा। प्रत्येक पाठ्यक्रम में दो सत्रीय गृहकार्य करने होंगे। सत्रीय गृहकार्य पूर्ण करके सत्रांत परीक्षा से पूर्व संबंधित क्षेत्रीय केन्द्र पर जमा करवाना होगा।

सत्रांत (मुख्य) परीक्षाः एम.ए. (पूर्वार्द्ध) एवं एम.ए. (उत्तरार्द्ध) न्यूनतम अवधि अर्थात् 1 वर्ष के बाद विद्यार्थी की प्रत्येक पाठ्यक्रम की तीन घंटे की लिखित परीक्षा होगी। प्रत्येक पाठ्यक्रम की सत्रांत परीक्षा के लिए अधिकतम 80 अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम के दोनों भागों अर्थात सत्रांत परीक्षा एवं सत्रीय गृहकार्य में उत्तीर्ण होने के लिए दोनों में मिलाकर उत्तीर्णांक 36 प्रतिशत हैं। परन्तु किसी एक भाग सत्रीय गृहकार्य अथवा सत्रांत परीक्षा में न्यूनतम 25 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य है। यदि विद्यार्थी कुछ पाठ्यक्रमों को उत्तीर्ण नहीं कर पाया है तो उन पाठ्यक्रमों को उत्तीर्ण करने के लिए छः माह बाद होने वाली आगामी परीक्षा में पुनः बैठ सकता है। किसी एक परीक्षा में नए एवं पुराने अनुत्तीर्ण रहे पाठ्यक्रमों को मिलाकर अधिकतम 56 क्रेडिट के पाठ्यक्रमों की परीक्षा दे सकता है।

अंक तालिका में सत्रीय गृहकार्य एवं सत्रांत परीक्षा के अंकों को अलग–अलग दर्शाया जायेगा। सफल विद्यार्थियों को निम्न तालिका के अनुसार श्रेणी प्रदान की जाएगी–

प्रथम श्रेणी	–	60% एवं अधिक
द्वितीय श्रेणी	–	48% एवं 60% से कम
उत्तीर्ण	–	36% एवं 48% से कम

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) परीक्षा में कोई श्रेणी नहीं दी जाएगी।

संस्कृत (Sanskrit)

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

वैदिक साहित्य एवं तुलनात्मक भाषा विज्ञान (एमएएसए–01)

इकाई संख्या	इकाई का शीर्षक
1	वैदिक साहित्य एवं देवताओं का सामान्य परिचय
2	अग्नि एवं रूद्र सूक्तों की व्याख्या
3	विष्णु एवं इन्द्र सुक्तों की व्याख्या
4	वरूण सूक्त 7.86, वाक्सूक्त 10.125 तथा अक्ष सूक्त 10.34 के मन्त्रों की व्याख्या
5	ऋग्वेद का दार्शनिक चिन्तन एवं प्रमुख दार्शनिक सूक्त
6	पुरूष सूक्त 10.90, प्रजापति सूक्त 10.121 तथा नासदीय सूक्त 10. 129 के मंत्रों की व्याख्या
7	नासदीय सूक्त एवं वैदिक सृष्टि प्रक्रिया का दार्शनिक विवेचन
8	यजुर्वेद शिवसंकल्पसूक्त अध्याय 34 (6 मंत्र), अर्थवेद पृथ्वीसूक्त 12.1 (1 से 18 मंत्र)

9	निरूक्त प्रमुख निर्वचन
10	निरूक्त व्याख्या पद्धति
11	अग्नि, रूद्र, विष्णु देवताओं का विस्तृत वर्णन
12	इन्द्र, अक्ष एवं वरूण देवताओं का विस्तृत वर्णन
13	वाक्, प्रजापति एवं पुरूष देवता का विस्तृत वर्णन
14	भाषाविज्ञान–स्वरूप एवं क्षेत्र
15	भाषा की उत्पत्ति के प्रमुख सिद्धान्त
16	विभिन्न लिपियों का स्वरूप–ज्ञान व लेखन कला की उत्पत्ति
17	उच्चारण स्थान, स्वर तथा व्यन्जन ध्वनियाँ
18	ध्वनि परिवर्तन एवं अर्थ परिवर्तन के कारण
19	ध्वनि नियम एवं ध्वनियों का विकास
20	संस्कृत, अवेस्ता, पालि, प्राकृत भाषाओं का विशेषताओं की दृष्टि से अध्ययन

ललित साहित्य एवं नाटक (एमएएसए–02)

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या	इकाई का शीर्षक
1	कालिदास का काल एवं रचनाएँ
2	कालिदास की भाषा शैली, काव्यकला, छन्द एवं अलंकार प्रयोग
3	गीतिकाव्य/दूतकाव्य परम्परा : उद्भव, विकास एवं मेघदूत का स्थान
4	मेघदूत के टीकाकार रस एवं मेघ का मार्ग
5	मेघदूत के पूर्वमेघ के श्लोकों की ससन्दर्भ व्याख्या व्याकरणात्मक टिप्पणी सहित
6	मेघदूत के पूर्वमेघ के श्लोकों की ससन्दर्भ व्याख्या व्याकरणात्मक टिप्पणी सहित
7	मेघदूत उत्तरमेघ के प्रमुख अंशों का सप्रसंग अनुवाद एवं सटिप्पण वैशिष्ट्य (श्लोक संख्या 1 से 30 तक)
8	मेघदूत उत्तरमेघ के प्रमुख अंशों का सप्रसंग अनुवाद एवं सटिप्पण वैशिष्ट्य (श्लोक संख्या 31 से 60 तक)
9	मेघदूत की प्रमुख सूक्तियों की सप्रसंग व्याख्या
10	नाट्यग्रन्थों के आधार पर रूपकों के प्रकार, संस्कृत रूपकों की विशेषताएँ एवं संस्कृत के प्रमुख नाटककार

11	विशाखदत्त का परिचय–काल मुद्राराक्षसः कथा, कथा का स्त्रोत
12	नाटककार विशाखदत्त : भाषा शैली, नाटकीय विशेषतायें नाटक की शास्त्रीय विशेषतायें
13	मुद्राराक्षस नाटक, विशाखदत्त का परिचय, मुद्राराक्षस की प्रमुख व्याख्यायें (प्रथम से तीन अंक तक)
14	मुद्राराक्षस नाटक (अंक 4 से अंक 7 तक) की प्रमुख व्याख्यायें
15	मुद्राराक्षसम् नाटक के प्रमुख पात्रों का चरित्र चित्रण तथा नायकत्व का निर्धारण
16	मुद्राराक्षस की प्रमुख सूक्तियाँ
17	शूद्रक – व्यक्तिनिर्धारण, काल, मृच्छकटिकम् की कथावस्तु एवं समीक्षा
18	मृच्छकटिकम् – अंक 1 से 5 (प्रमुख अंशों की सप्रसंग व्याख्या)
19	मृच्छकटिकम् के प्रमुख अंशों की सप्रसंग (5 से 10 अंक तक)
20	मृच्छकटिकम् – प्रमुख पात्रों का चरित्र–चित्रण
21	मृच्छकटिकम् की प्रमुख सूक्तियाँ

भारतीय दर्शन (एमएएसए–03)

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या	इकाई का शीर्षक
1	सांख्यदर्शन का सामान्य परिचय : प्रमुख ग्रन्थ एवं आचार्य
2	सत्कार्यवाद (सांख्यकारिका)
3	पुरूष एवं प्रकृति : स्वरूप सिद्धि (सांख्यकारिका)
4	बन्धन एवं मोक्ष (सांख्यकारिका)
5	प्रत्ययसर्ग (सांख्यकारिका)
6	वेदान्त – सामान्य परिचय एवं प्रमुख ग्रन्थ
7	अनुबन्ध चतुष्टय (वेदान्तसार)
8	अज्ञान, अध्यारोप, अपवाद (वेदान्तसार)
9	सृष्टि प्रक्रिया एवं पंचीकरण (वेदान्तसार)
10	महावाक्य (वेदान्तसार)
11	जीवन्मुक्त (वेदान्तसार)
12	न्याय – वैशेषिक का सामान्य परिचय
13	त्रिविध कारण (तर्कभाषा)
14	प्रमाणचतुष्टय (तर्कभाषा)

15 हेत्वाभास (तर्कभाषा)
16 प्रामाण्यवाद (तर्कभाषा)
17 नास्तिक दर्शनों का सामान्य परिचय (सर्वदर्शनसंग्रह)
18 चार्वाक दर्शन के प्रमुख सिद्धान्त (सर्वदर्शनसंग्रह)
19 काश्मीर शैवदर्शन : सामान्य परिचय, प्रमुख विचारक एवं ग्रन्थ
20 परमतत्व एवं जगद्विकास (परमार्थसार)
21 बन्धन, मोक्ष (परमार्थसार)
22 जीवन्मुक्त का स्वरूप एवं आचरण (परमार्थसार)

भारतीय काव्यशास्त्र एवं व्याकरण (एमएएसए–04)

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या इकाई का शीर्षक

1 विश्वनाथ का समय एवं 'साहित्यदर्पण' का योगदान
2 साहित्यदर्पण : प्रथम परिच्छेद के महत्वपूर्ण अंशों की व्याख्या
3 साहित्यदर्पण : द्वितीय परिच्छेद के महत्वपूर्ण अंशों की व्याख्या
4 अभिधा, संकेत–ग्रह, लक्षणा, व्यन्जना का विस्तृत विवेचन (साहित्य दर्पण)
5 तृतीय परिच्छेद (साहित्य दर्पण प्रथम 30 कारिकाओं में से) प्रमुख कारिकाओं/अंशों की व्याख्या/रस का स्वरूप रसास्वाद, परिभाषा साधारणीकरण का विवेचन
6 नाट्यशास्त्र
7 नाट्यशास्त्र – प्रथम अध्याय की व्याख्या
8 नाट्यशास्त्र – नाट्यमण्डप
9 नाट्यशास्त्र : द्वितीय अध्याय के प्रमुख अंशों की व्याख्या
10 साहित्य शास्त्र के प्रमुख सम्प्रदाय : अलंकार सम्प्रदाय – प्रमुख ग्रन्थ एवं चिन्तक
11 रस सम्प्रदाय : प्रमुख ग्रन्थ एवं चिन्तक; औचित्य सम्प्रदाय : प्रमुख ग्रन्थ एवं चिन्तक
12 रीति सिद्धान्त : प्रमुख ग्रन्थ एवं चिन्तक
13 वक्रोक्ति सिद्धान्त – प्रमुख ग्रन्थ एवं चिन्तक
14 ध्वनि सम्प्रदाय – प्रमुख ग्रन्थ एवं चिन्तक
15 काव्यालङ्कार की दृष्टि से काव्य का प्रयोजन, हेतु लक्षण, काव्यभेद,

मार्ग, दोष एवं भामह का योगदान का विवेचन
16 भामह काव्यालङ्कार–प्रथम अध्याय की महत्वपूर्ण कारिकाओं की व्याख्या
17 संस्कृत व्याकरण णिजन्त एवं सनन्त प्रक्रिया
18 संस्कृत व्याकरण – यङन्त, यङ्लुगन्त एवं नाम धातु प्रकरण
19 कण्ड्वादय : आत्मनेपद एवं परस्मैपद प्रक्रिया
20 भावकर्म, कर्मकर्त्तृक एवं लकारार्थ प्रक्रिया

गद्य तथा काव्य (एमएएसए–05)

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या इकाई का शीर्षक

1 महाकवि बाणभट्ट कृत कादम्बरी की गद्य शैली का सामान्य परिचय
2 महाराज शूद्रक का वैशिष्ट्य वर्णन (आसीदशेषनरपति..... कौतुकमाकर्ण्यताम्)
3 विन्ध्याटवी वर्णन (अस्तिपूर्वापर जलनिधि.....मदुपभुक्तशेषम अकरोदशनम्)
4 प्रभात वर्णन एवं शबरसैन्य द्वारा विन्ध्याटवी के भयंकर विध्वंस का वर्णन (एकदा तु प्रभात..... मरणमद्यैव उपपादयेत्?)
5 जाबालि आश्रम वर्णन (इत्येवं चिन्तेयत्येव ..... यदि कौतूहलम्)
6 महाकवि माघ कृत 'शिशुपालवधम्' महाकाव्य की विशेषताओं का मूल्यांकन
7 सभाभवन में श्रीकृष्ण, बलराम एवम् उद्धव की मन्त्रणा से सम्बन्धित वर्णन (शिशुपालवधम्, द्वितीय सर्ग, श्लोक 1 से 40)
8 सभाभवन में श्रीकृष्ण, बलराम एवम् उद्धव की मन्त्रणा से सम्बन्धित वर्णन (शिशुपालवधम्, द्वितीय सर्ग, श्लोक 41 से 80)
9 सभाभवन में श्रीकृष्ण, बलराम एवम् उद्धव की मन्त्रणा से सम्बन्धित वर्णन (शिशुपालवधम्, द्वितीय सर्ग, श्लोक 81 से 118)
10 महाकवि बिल्हण विरचित विक्रमाङ्कदेवचरितम् ऐतिहासिक महाकाव्य की विशेषताओं का मूल्यांकन
11 देवस्तुति एवं प्रभातवर्णन (विक्रमाङ्कदेवचरितम् प्रथम सर्ग, श्लोक 1 से 35)
12 चालुक्यवंशीय राजाओं का प्रताप वर्णन (विक्रमाङ्कदेवचरितम्, प्रथम सर्ग, श्लोक 36 से 70)
13 चालुक्यवंशीय राजाओं का प्रताप वर्णन (विक्रमाङ्कदेवचरितम्, प्रथम

सर्ग, श्लोक 71 से 106)

14 आचार्य पुष्पदत्त प्रणीत शिवमहिम्नः स्तोत्र में शिव का महिमामय वर्णन (श्लोक 1 से 20) संस्कृत–व्याख्या

15 स्तोत्र पाठ का महत्व (श्लोक 21 से 43) संस्कृत–व्याख्या

नाटक तथा नाट्यशास्त्र (एमएएसए–06)

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या इकाई का शीर्षक

1 उत्तररामचरितम् – सामान्य परिचय

2 उत्तररामचरितम् – प्रथम एवं द्वितीय अंक

3 उत्तररामचरितम् – तृतीय एवं चतुर्थ अंक

4 उत्तररामचरितम् – पंचम, षष्ठ एवं सप्तम अंक

5 रत्नावली – सामान्य परिचय

6 रत्नावली – प्रथम एवं द्वितीय अंक

7 रत्नावली – तृतीय एवं चतुर्थ अंक

8 दशरूपकम् – संस्कृत व्याख्या (प्रथम प्रकाश 1–34 कारिका)

9 दशरूपकम् – संस्कृत व्याख्या (प्रथम प्रकाश 35–68 कारिका)

10 दशरूपकम् – द्वितीय प्रकाश

11 दशरूपकम् – तृतीय प्रकाश (प्रतिपाद्य विषय)

12 दशरूपकम् – चतुर्थ प्रकाश (प्रतिपाद्य विषय)

13 नाट्यशास्त्र – षष्ठ अध्याय (1–32 श्लोक)

14 नाट्यशास्त्र – षष्ठ अध्याय (रसनिरूपण)

15 नाट्यशास्त्र – षष्ठ अध्याय (रसविषयक व्याख्याएँ)

साहित्यशास्त्र (एमएएसए–07)

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या इकाई का शीर्षक

1 काव्यप्रकाश – प्रथम उल्लास (कारिका संख्या 1 से 5)

2 काव्यप्रकाश – द्वितीय उल्लास (कारिका संख्या 6 से 12 पर्यन्त)

3 काव्यप्रकाश – द्वितीय उल्लास (कारिका संख्या 13 से 20) एवं तृतीय

उल्लास

4 काव्यप्रकाश – चतुर्थ उल्लास (रस सम्बन्धी चार मतों का विवेचन)

5 काव्यप्रकाश – चतुर्थ उल्लास (कारिका संख्या 37 से अन्त तक)

6 काव्यप्रकाश – पंचम उल्लास (कारिका 45 से 47)

7 काव्यप्रकाश – पंचम उल्लास (47वीं कारिका का पश्चाद्वर्ती भाग)

8 काव्यप्रकाश – सप्तम उल्लास (पदादिदोष)

9 काव्यप्रकाश – सप्तम उल्लास (अर्थदोष एवं रसदोष)

10 काव्यप्रकाश – अष्टम उल्लास (अलंकार एवं गुण स्वरूप)

11 ध्वन्यालोक के प्रथम उद्योत का प्रतिपाद्य विषय

12 ध्वन्यालोकप्रथमोद्योतकारिकाणां संस्कृत–व्याख्या

13 ध्वन्यालोक के द्वितीय उद्योत में प्रतिपादित मुख्य विषय का विवेचन

14 ध्वन्यालोक – द्वितीय उद्योत (कारिका संख्या 1 से 11)

15 ध्वन्यालोक – द्वितीय उद्योत (कारिका संख्या 12 से 22)

16 ध्वन्यालोक – द्वितीय उद्योत (कारिका संख्या 23 से 37)

आधुनिक संस्कृत साहित्य का इतिहास (एमएएसए–08)

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या इकाई का शीर्षक

1 आधुनिक संस्कृत महाकाव्यानि (संस्कृत के आधुनिककालीन महाकाव्यों का परिचय)

2 उन्नीसवीं सदी के और बीसवीं के प्रारम्भ के लघुकाव्य (लघुकाव्य का स्वरूप तथा आधुनिक संस्कृत लघुकाव्यों का परिचय)

3 बीसवीं शताब्दी के लघुकाव्य (बीसवीं सदी के लघुकाव्यों का विवरण)

4 उन्नीसवीं शताब्दी के संस्कृत गीतिकाव्य (उन्नसीवीं सदी के गीतिकाव्यों का विवरण)

5 बीसवीं शताब्दी का संस्कृत गीतिकाव्य (बीसवीं सदी के गीतिकाव्यों का विवरण)

6 आधुनिक संस्कृत नाट्य साहित्य : प्रारम्भिक उत्थानकाल (1870 से 1920 तक के नाटकों का परिचय)

7 बीसवीं शताब्दी के पूर्वार्ध का संस्कृत रूपक साहित्य (1920 से 1950 तक के संस्कृत नाटकों का परिचय)

8 बीसवीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध का संस्कृत रूपक साहित्य (1950 से 1990

तक के संस्कृत नाटकों का परिचय)

9 उन्नसवीं तथा बीसवीं शताब्दी के संस्कृत उपन्यास (आधुनिक संस्कृत उपन्यासों का परिचय)

10 आधुनिक संस्कृत साहित्य में लघुकथा (आधुनिक संस्कृत कथाओं का परिचय)

11 आधुनिक संस्कृत साहित्य में निबन्ध परम्परा (आधुनिक निबन्धों का परिचय)

12 आधुनिक संस्कृत साहित्य में यात्रावृत्त, जीवनवृत्त, आत्मकथा तथा पत्र साहित्य (आधुनिक संस्कृत साहित्य की इन विधाओं का परिचय)

13 आधुनिक संस्कृत साहित्य में जैन मनीषियों का योगदान (आधुनिक संस्कृत साहित्य की विभिन्न विधाओं में जैन मनीषियों द्वारा लिखे गये साहित्य का परिचय)

एमएएसए – 09 (निबन्ध) के नियमः

इस पाठ्यक्रम की सत्रांत परीक्षा (मुख्य परीक्षा) में प्रश्नपत्र 100 अंकों का होता है। इस पाठ्यक्रम में कोई सत्रीय गृहकार्य नहीं दिया जाता है। इसमें दो खण्ड होते हैं। खण्ड – ''अ'' में एम.ए. पूर्वार्द्ध के चारों पाठ्यक्रमों में दी गई पाठ्य सामग्री में से कोई पांच शीर्षक दिये जाते हैं। इनमें से आपको 2500 शब्दों का एक निबंध लिखना होता है। इसी प्रकार पाठ्यक्रम के खण्ड – ''ब'' में एम.ए. उत्तरार्द्ध की अध्ययन सामग्री में से पांच शीर्षक दिये जाते हैं। जिनमें से किसी एक शीर्षक पर 2500 शब्दों का एक निबंध लिखना होता है। इस प्रकार आपको अपनी पूर्वार्द्ध और उत्तरार्द्ध की सम्पूर्ण सामग्री में से दो निबंध लिखने हैं।

एम. ए. राजस्थानी कार्यक्रम कोड : एमएआरजे

M.A. Rajasthani Programme Code : MARJ

उद्देश्य (Objectives) :

- राजस्थानी विषय में गहराई सूं ज्ञान अरजण करण सारू भविस रा गुणीजन री खोज करणो।
- राजस्थानी भाषा, काव्य, साहित्यशास्त्र, गद्य साहित्य अर आलोचना री खास–खास धारावां रो परिचै करावणो अर उणारै आधार सूं व्यावहारिक ज्ञान नै आगै बढ़ाणो।
- राजस्थानी साहित्य री सांगोपांग जाणकारी करावणी।
- नाटक, एंकाकी अर कथेतर गद्य विधावां, कहाणी, उपन्यास अर भाषा विज्ञान रै संबंध में उच्च कोटि रो ज्ञान विद्यार्थी नै देवणो।
- विश्वविद्यालय शिक्षा में ज्ञान री संभावना री पड़ताल करणी अर उणनै आधार बणा र जोगा प्राध्यापक, सोध–खोज करणवाला अर लेखक तैयार करणा।
- प्रांत अर राष्ट्र में हूवणवाली प्रतियोगी परीक्षावां खातर राजस्थानी भाषा अर साहित्य रा ज्ञान री जाणकारी देवणो।
- राजस्थानी भाषा अर साहित्य रा ज्ञान नै बढावणो।
- राजस्थानी लोक साहित्य अर संस्कृति री पूरी जाणकारी करावणी।

प्रवेश योग्यता (Admission Eligibility) :

इण पाठ्यक्रम में पढ़ाई करण सारू किणी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक (तीन बरसां रो पाठ्यक्रम) उपाधि हूवणी जरूरी है।

समय री सीमा (Duration) : कम सूं कम 2 बरस ; ज्यादा सूं ज्यादा 6 बरस

माध्यम (Medium) : पाठ्य सामग्री केवल राजस्थानी भाषा में उपलब्ध

श्रेयांक (Credit) : 72
एम. ए. (पूर्वार्द्ध) 32
एम. ए. (उत्तरार्द्ध) 40

शुल्क (Fee) : एम.ए. (पूर्वार्द्ध) रु. 4000/–
एम.ए. (उत्तरार्द्ध) रु. 4000/–

कार्यक्रम री रूपरेखा (Programme Structure) :

एम. ए. राजस्थानी रा पूर्वार्द्ध में कुल चार पाठ्यक्रम हुवैला। हरैक पाठ्यक्रम 8

श्रेयांक रौ हुवैला अर कुल 32 श्रेयांक रा पाठ्यक्रम है। एम. ए. (उत्तरार्द्ध) में कुल पांच पाठ्यक्रम हुवैला। हरैक पाठ्यक्रम 8 श्रेयांक रा अर कुल 40 श्रेयांक रा पाठ्यक्रम है। विद्यार्थियों को अध्ययन री सामग्री राजस्थानी भाषा में ही दी जावैला।

एम. ए. (पूर्वार्द्ध) राजस्थानी

क्रं सं. (S. No.)	पाठ्यक्रम रो नाम (Name of Course)	पाठ्यक्रम कोड (Course Code)	श्रेयांक (Credit)
1.	आधुनिक राजस्थानी गद्य साहित्य	MARJ - 01	8
2.	आधुनिक राजस्थानी पद्य साहित्य	MARJ - 02	8
3.	राजस्थानी साहित्य रो इतिहास	MARJ - 03	8
4.	राजस्थानी लोक साहित्य	MARJ - 04	8

एम. ए. (उत्तरार्द्ध) राजस्थानी

क्र. सं. (S. No.)	पाठ्यक्रम रो नाम (Name of Course)	पाठ्यक्रम कोड (Course Code)	श्रेयांक (Credit)
1.	प्राचीन अर मध्यकालीन राजस्थानी काव्य	MARJ - 05	8
2.	प्राचीन अर मध्यकालीन राजस्थानी गद्य	MARJ - 06	8
3.	साहित्य शास्त्र अर पाठालोचन	MARJ - 07	8
4.	राजस्थानी भक्ति साहित्य	MARJ - 08	8
5.	*निबंध (राजस्थानी भाषा में लिखणो जरूरी)	MARJ - 09	8

* इण पाठ्यक्रम री सत्रांत परीक्षा (मुख्य परीक्षा) 100 अंका की हवैला। इण में सत्र रो कोई काम नहीं दियो जावैला। इण में दो भाग हवैला। भाग 'अ' में एम.ए. पूर्वार्द्ध में दियोड़ा चारों पाठ्यक्रमां री पाठ्यसामग्री माय सूं कोई पांच शीर्षक दिया जावेला। इणा माय सूं आप नै 2500 सबद रो कोई एक निबंध लिखणौ हुवैला। इण ही तरै पाठ्यक्रम रा भाग 'ब' में एम.ए. उत्तरार्द्ध री पाठ्यसामग्री माय सूं कोई पांच शीर्षक दिया जावेला जिणा माय किण ही एक शीर्षक पर 2500 सबद रो कोई एक निबंध लिखणौ हुवैला। इणी तेरे आप नै सगरी पाठ्यक्रम माय सूं कोई दो निबंध लिखणा हुवैला।

परीक्षा रो तरीको (Examination Pattern) :

सत्र रै हिसाब सूं काम : हरैक पाठ्यक्रम में सत्र रै हिसाब सूं घर रो काम (सत्रीय गृहकार्य) 20 अंक रो करायौ जावैला। हरैक पाठ्यक्रम में दो सत्रीय गृहकार्य दिया जावैला। सत्र रा इण काम नै क्षेत्रीय केन्द्र पर जमा कराणौ पड़ैला। हरैक पाठ्यक्रम के सत्र रा इण काम में विद्यार्थी रै कम सूं कम 25% अंक आवण सूं ही उणनै उत्तीर्ण (Pass) मान्यौ जावेला।

संत्रात री परीक्षा :

पढ़ाई रो एक साल पूरो हुयां पछै विद्यार्थी री हरैक पाठ्यक्रम में तीन घण्टा री लिखित परीक्षा हुवैला। हरैक पाठ्यक्रम खातर 80 अंक तय (निर्धारित) हैं। हरैक पाठ्यक्रम संत्रात री परीक्षा में विद्यार्थी रै कम से कम 25% अंक आवण सूं ही उणनै उत्तीर्ण (Pass) मान्यौ जावैला। हरैक पाठ्यक्रम में समेकित रूप से विद्यार्थी रै कम सूं कम 36% अंक (सत्रीय कार्य 20 अंक अर सत्र रै अंत री परीक्षा 80 अंक में जोड़कर) आवण सूं ही उणनै उत्तीर्ण (Pass) मान्यौ जावैला। अंक तालिका में सत्रीय कार्य तथा सत्रांक रा अंक अलग अलग लिख्या जावैला। परीक्षा रो माध्यम हिन्दी या राजस्थानी भाषा दोन्या माय कोई एक ले सकै है।

उर्त्तीण विद्यार्थियां रो श्रेणी निर्धारण इण भाँत है –

प्रथम श्रेणी (First Devision)	60% या ज्यादा
द्वितीय श्रेणी (Second Division)	40% या 60% सूं कम
उत्तीर्ण (Pass)	36% या 48% सूं कम

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) परीक्षा में कोई श्रेणी नहीं दी जावैला।

राजस्थानी (Rajasthani)

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

आधुनिक राजस्थानी गद्य साहित्य (एमएआरजे–01)

इकाई संख्या	इकाई का शीर्षक
1	राजस्थानी गद्य साहित्य–परम्परा अर विकास
2	राजस्थानी भासा गद्य री पुराणी विधावां
3	आधुनिक राजस्थानी भासा गद्य री–प्रमुख विधावां अर कथ्य
4	राजस्थानी भासा रा उपन्यास – उदभव अर विकास
5	प्रमुख उपन्यासकार – अन्नाराम सुदामा (प्रमुख उपन्यास – मेवै रा रूख)
6	प्रमुख उपन्यासकार – श्रीलाल नथमल जोशी (प्रमुख उपन्यास – धोरां रो धोरी)
7	आधुनिक राजस्थानी कहाणी – उद्भव अर विकास
8	आधुनिक राजस्थानी कहाणी – परिभासा, तत्व अर सिल्प

9 प्रमुख कहाणीकार – मुरलीधर व्यास
10 प्रमुख कहाणीकार – करणीदान बारहठ
11 प्रमुख कहाणीकार – बैजनाथ पंवार
12 प्रमुख कहाणीकार – नृसिंह राजपुरोहित
13 आधुनिक राजस्थानी निबन्ध साहित्य – प्रमुख निबंधकार – डॉ. मनोहर शर्मा
14 प्रमुख निबंधकार – डॉ. कल्याणसिंह शेखावत
15 राजस्थानी भासा रा नाटक अर एकांकी – उद्‌भव अर विकास

आधुनिक राजस्थानी पद्य साहित्य (एमएआरजे–02)

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या इकाई का शीर्षक

1 राजस्थानी काव्य री प्राचीन परम्परा
2 मध्यकालीन राजस्थानी काव्य कालगत प्रवृतियां, काव्य धारावां अर विधावां
3 आधुनिक राजस्थानी काव्य : उद्‌भव अर विकास
4 राजस्थानी काव्य में राष्ट्रीय अर मानवतावादी चेतना
5 आधुनिक राजस्थानी काव्य प्रमुख कवि : चंद्रसिंह
6 प्रमुख कवि – गणेशलाल व्यास 'उस्ताद'
7 प्रमुख कवि – सत्यप्रकाश जोशी
8 प्रमुख कवि – नारायणसिंह भाटी
9 प्रमुख कवि – रेवतदान चारण
10 प्रमुख कवि – कन्हैयालाल सेठिया
11 प्रमुख कवि – रघुराजसिंह हाडा
12 प्रमुख कवि – मेघराज 'मुकुल'

राजस्थानी साहित्य रो इतिहास (एमएआरजे–03)

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या इकाई का शीर्षक

1 वैदिक, संस्कृत अर अपभ्रंस भासावां रो सामान्य परिचै

2 राजस्थानी भासा – उतपत अर विकास
3 भासा अर लिपि
4 नागरी लिपि – आखरां अर अंकां रो विकास
5 मुड़िया लिपि – सामान्य जाणकारी
6 राजस्थानी भासा री बोलियां–उपबोलियां
7 डिंगल अर पिंगल
8 राजस्थानी भासा री व्याकरणगत विसेसतावां – सबद भण्डार
9 राजस्थानी भासा री व्याकरणगत विसेसतावां–ध्वनि अर सबद रूप
10 राजस्थानी साहित्य रो काल विभाजन
11 राजस्थानी भासा रो जूनो साहित्य
12 आधुनिक राजस्थानी साहित्य

राजस्थानी लोक–साहित्य (एमएआरजे–04)

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या इकाई का शीर्षक

1 लोक साहित्य : सामान्य सिद्धांत अर परिभासा
2 लोक मानस अर लोक–वार्ता
3 लोक–साहित्य अर अन्य विसय : पारस्परिक संबंध
4 लोक–साहित्य : अध्ययन रा सम्प्रदाय
5 लोक–गीत : परिभासा अर वर्गीकरण
6 राजस्थानी लोक –गीत : विवेचन
7 लोक–कथा : परिभासा, वर्गीकरण अर अभिप्राय
8 राजस्थानी लोक–कथा : विवेचन
9 लोक गाथा : परिभासा, वर्गीकरण, भारतीय परम्परा
10 राजस्थानी लोक–गाथा : विवेचन
11 लोक–नाट्य : परिभासा अर वर्गीकरण
12 राजस्थानी लोक–नाट्य : विवेचन
13 राजस्थानी लोकोक्ति–साहित्य विवेचन
14 राजस्थानी लोक–वाद्य
15 राजस्थानी लोक–संस्कृति

प्राचीन अर मध्यकालीन राजस्थानी काव्य (एमएआरजे–05)

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या	इकाई का शीर्षक
1	प्राचीन राजस्थानी साहित्य : उद्‌भव अर विकास
2	जूनो राजस्थानी काव्य : प्रमुख रचनाकार अर रचनावां
3	प्रमुख रचना : ढोला मारू, रा दूहा – कथ, सिल्प अर सैली
4	प्रमुख रचना : बीसलदेव रासो – कथ, सिल्प अर सैली
5	प्रमुख रचना : कान्हड़दे प्रबंध – कथ, सिल्प अर सैली
6	प्रमुख रचना : रणमल्ल छंद – कथ, सिल्प अर सैली
7	प्रमुख रचना : हालां झालां रा कुंडळिया – कथ, सिल्प अर सैली
8	प्रमुख रचना : क्रिसन रूकमणि री वेलि – कथ, सिल्प अर सैली
9	प्रमुख कविवर : कुशललाभ
10	प्रमुख रचनाकार : पद्‌मनाभ
11	प्रमुख कवेसर : नरहरिदास बारहठ
12	प्रमुख कवेसर : आसानंद बारहठ
13	प्रमुख कवेसर : अल्लूजी कविया
14	प्रमुख कवेसर : पृथ्वीराज राठौड़

प्राचीन अर मध्यकालीन राजस्थानी गद्य (एमएआरजे–06)

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या	इकाई का शीर्षक
1	प्राचीन अर मध्यकालीन राजस्थानी साहित्य
2	राजस्थानी गद्य रो उद्‌भव अर विकास
3	राजस्थानी भासा रो : वात साहित्य
4	राजस्थानी भासा रो ख्यात साहित्य
5	प्रमुख गद्य ग्रंथ : राजान राउत रो वात बणाव
6	प्रमुख गद्य ग्रंथ : कुंवरसी सांखलो
7	प्रमुख गद्य ग्रंथ : नैणसी री ख्यात
8	प्रमुख गद्य ग्रंथ : अचळदास खींची री वचनिका

9	प्रमुख गद्य ग्रंथ : पृथ्वीचन्द्र चरित्र वाग्विलास
10	प्रमुख गद्य ग्रंथ : बही साहित्य

साहित्य शास्त्र अर पाठालोचन (एमएआरजे–07)

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या	इकाई का शीर्षक
1	साहित्यसास्त्र रो रूप अर विवेचन
2	भारतीय साहित्यसास्त्र रा तत्व, मूल प्रेरणा अर प्रयोजन
3	भारतीय काव्यसास्त्र : सामान्य परिचै
4	भारतीय काव्यसास्त्र : ध्वनि सम्प्रदाय
5	भारतीय काव्यसास्त्र : वक्रोक्ति सम्प्रदाय
6	भारतीय काव्यसास्त्र : अलंकार सम्प्रदाय
7	रस सिद्धान्त काव्य सास्त्र : सामान्य जाणकारी
8	पास्चात्य मतानुसार साहित रा तत्व, मूल प्रेरणा अर प्रयोजन
9	प्रमुख चिंतक–डॉ.आई.ए. रिचर्डस अर वांरा सिद्धान्त
10	प्रमुख चिंतक – कॉलरिज अर वारा सिद्धान्त
11	प्रमुख चिंतक – अरस्तू अर वारा सिद्धान्त
12	प्रमुख चिंतक – क्रोंचे अर वांरा सिद्धान्त
13	राजस्थानी छंदसास्त्र अेक ओळखाण
14	राजस्थानी काव्य रा प्रमुख छंद, अलंकार अर काव्य दोस
15	पाठालोचन : सिद्धान्त, प्रक्रिया अर प्रशिप्त अंश

राजस्थानी भक्ति साहित्य (एमएआरजे–08)

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या	इकाई का शीर्षक
1	भगती साहित्य : उद्‌भव अर विकास
2	भगती काव्य : परम्परा अर मूल स्त्रोत
3	भगतीकाल अथवा मध्यकाल (वि.सं. 1450 सूं 1850 तक) : जुग रो दरसाव
4	मध्यकालीन सगुण भगती रा वैष्णव सम्प्रदाय

5 सगुण अर निरगुण भगती धारा
6 भगती धारावां : प्रमुख रचनाकार अर रचनावां
7 राजस्थानी साहित्य री धार्मिक अर दार्सनिक पूठभौम (पृष्ठभूमि)
8 पूर्वी राजस्थान रा प्रमुख संत–सम्प्रदाय
9 पश्चिम राजस्थान रा संत सम्प्रदाय
10 दादू पंथ दादू दयाल उणा रा चेला–दादू वाणी अर संत साहित्य
11 राजस्थान रा संत–सम्प्रदाय अर वारो साहित्य
12 राजस्थानी भासा रा भगती साहित्य री विसेसतावां
13 राजस्थानी भासा नै भगती साहित्य री देन
14 राजस्थान रा लोक देवी–देवता

एमएआरजे – 09 (निबन्ध) के नियमः

इण पाठ्यक्रम री सत्रांत परीक्षा (मुख्य परीक्षा) 100 अंका की ह्वैला। इण में सत्र रो कोई काम नहीं दियो जावैला। इण में दो भाग ह्वैला। भाग 'अ' में एम.ए. पूर्वार्द्ध में दियोड़ा चारों पाठ्यक्रमां री पाठ्यसामग्री माय सूं कोई पांच शीर्षक दिया जावेला। इणा माय सूं आप नै 2500 सबद रो कोई एक निबंध लिखणौ हुवैला। इण ही तरै पाठ्यक्रम रा भाग 'ब' में एम.ए. उत्तरार्द्ध री पाठ्यसामग्री माय सूं कोई पांच शीर्षक दिया जावेला जिणा माय किण ही एक शीर्षक पर 2500 सबद रो कोई एक निबंध लिखणौ हुवैला। इणी तेरे आप नै सगरी पाठ्यक्रम माय सूं कोई दो निबंध लिखणा हुवैला।

एम.ए./एम.एससी. गणित **कार्यक्रम कोड : एमए/एमएससीएमटी**

M.A./M.Sc. Mathematics **Programme Code : MA/MScMT**

Objectives:

- To provide competitive edge in the global business environment through updation of Mathematical skills.
- To develop specialization in the relevant area.
- To extend the benefits of distance education to so far unreached masses.

Admission Eligibility:

Bachelors Degree (TDC) with Mathematics (as an optional subject) passed from any recognized University. M.Sc.(Mathematics) Degree shall be awarded only to the students having B.Sc. Degree.

Duration : Minimum 2 years ; Maximum 6 years
Medium : Course Material is Available only in English
Credit : 80
M.A./M.Sc. (Previous) 40 credits
M.A./M.Sc. (Final) 40 credits
Fee : Rs. 4000/- for M.A./M.Sc. (Previous)
Rs. 4000/- for M.A./M.Sc. (Final)

Programme Structure :

There will be total 10 courses in M.A./M.Sc. Mathematics, 5 courses in M.A./M.Sc. MT Previous and 5 courses in M.A./M.Sc. MT Final. Study material will be provided in English Medium only.

M.A./M.Sc.(Previous) Mathematics

S. No.	Name of the Course	Course Code	Credit
1.	Advanced Algebra	MA/MScMT-01	8
2.	Real Analysis and Topology	MA/MScMT-02	8
3.	Differential Equations, Calculus of Variations & Special Functions	MA/MScMT-03	8
4.	Differential Geometry and Tensors	MA/MScMT-04	8
5.	Mechanics	MA/MScMT-05	8

M.A./M.Sc. (Final) Mathematics

S. No.	Name of the Course	Course Code	Credit
1.	Analysis and Advanced Calculus	MA/MScMT-06	8
2.	Viscous Fluid Dynamics	MA/MScMT-07	8
3.	Numerical Analysis	MA/MScMT-08	8
4.	Integral Transforms and Integral Equations	MA/MScMT-09	8
5.	Mathematical Programming	MA/MScMT-10	8

Examination Pattern:

Internal Assignment: In each course Internal Assignment will be of 20 marks. Two Assignments will be given in each course. The Internal Assignments shall be submitted to the Concerned Regional Centre. To pass in Internal Assignment a candidate shall be required to score of minimum of 25% marks in each course .

Term-end Examination: On the completion of the minimum duration i.e. one year a candidate will be examined by the means of written examination of three hours duration in each course. The maximum marks for each course shall be 80 marks. To pass in Term End Examination a candidate shall be required to score 36% marks in each course as well as in aggregate. However, it is compulsory to secure 25% marks in each component i.e. Internal Assignment and Term End Examination otherwise he/she will have to reappear in the next examination after six months to clear the due papers. Their will be a ceiling of 56 credits in an examination to clear fresh as well as due courses.

The marks obtained in internal assignment and term end examination shall be shown separately in the marksheet. The successful candidate shall be classified as per the following table-

First Division	-	60% above
Second Division	-	48% to less than 60%
Pass	-	36% to less than 48%

No Division shall be awarded for the M.A/M.Sc. Mathematics Previous examination.

गणित (Mathematics)

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

: Advanced Algebra (MA/MSc MT-01)

Unit No.	Title of the Unit
1.	Direct Products of Group
2.	Isomorphism Theorems, Conjugacy and the Class equation of a Group
3.	Commutators, Derived subgroups, Solvable Groups and Composition Series
4.	Euclidean Ring
5.	Modules
6.	Linear Transformation of Vector Spaces
7.	Basic Theory of Field Extensions, Simple Extensions, Algebraic and Transcendental Extensions
8.	Splitting fields, Normal Extension, Separable and Inseparable Extensions and Automorphism of Extensions
9.	Galois Theory
10.	Matrices of Linear Maps
11.	Rank and Nullity of Matrices
12.	Determinants of Matrices
13.	Real Inner Product Space-I
14.	Real Inner Product Space-II
15.	Real Inner Product Space-III

Real analysis and Topology (MA/MSc MT-02)

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

Unit No.	Title of the Unit
1	Algebra and Algebras of Sets
2	Lebesgue Measures and Measurable Sets
3	Measurable functions and Convergence of Sequences of

	Measurable Functions
4	Weierstrass Approximation Theorem and Lebesgue Integral
5	Summable Functions, Space of Square Summable Functions
6	Fourier Series and Coefficients, Parseval's Identity, Riesz-Fisher Theorem
7	L^p - Spaces, Holder-Minkowski Inequalities, Completeness of L^p-Spaces
8	Topological Spaces
9	Bases, Sub-bases and Continuity
10	Separation Axioms (T_0, T_1, T_2, T_4 Spaces)
11	Compact and Locally Compact Spaces
12	One Point Compactification
13	Connected and Locally Connected Spaces
14	Product and Quotient Spaces
15	Nets and Filters

Differential Equations, Calculus of Variations and Special Functions (MA/MSc MT-03)

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

Unit No.	Title of the Unit
1.	Non-Linear Ordinary Differential Equations of Particular Forms and Riccati's Equation
2.	Total Differential Equations
3.	Partial Differential Equations of Second order, Monge's Method
4.	Classification of Linear PDE of Second Order, Cauchy Problem and Method of Separation of Variables
5.	Laplace, Wave and Diffusion Equations and Canonical Forms
6.	Eigen values, Eigen functions and Sturm-Liouville Boundary Value Probleon
7.	Variational Problems with Fixed Boundaries and Euler-Lagrange Equation

8.	Functionals Dependent on Higher Order Derivatives and Variational Problems in Parametric Form
9.	Series Solution of Second Order Linear Differential Equation
10.	Gauss Hypergeometric Function: its Properties and Integral Representation
11.	Gauss and Confluent Hypergeometric Functions
12.	Legendre's Polynomials and Functions $P_n(x)$ and $Q_n(x)$
13.	Bessel's Functions
14.	Hermite Polynomials
15.	Laguerre Polynomials

Differential Geometry and Tensors (MA/MSc MT-04)

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

Unit No.	Title of the Unit
1	Space Curves, Tangent, Contact of Curve and Surface, Oseulating Plane
2	Principal Normal and Binormal, Curvature, Torsion, Serret-Frenet's Formulae, Osculating Circle and Osculating Sphere
3	Existence and Uniqueness Theorems, Bertrand Curves, Involute Evolutes, conoids, Inflexional Tangents, Singular Points, Indicatrix
4.	Envelope, Edge of Regression, Ruled Surfaces, Developable Surface, Tangent Plane to a Ruled Surface
5	Necessary and Sufficient Condition that a Surface $\varsigma = F(\xi, \eta)$ should Represent a Developable Surface, Metric of a Surface
6	First, Second and Third Fundamental Forms, Fundamental Magnitudes of Some Important Surfaces, Orthogonal Trajectories, Normal Curvature
7	Meunir's Theorem, Principal Direction and Principal Curvantures, First Curvanture, Mean Curvature, Gaussian Curvature, Umbilies, Radius of Curvature of any Normal Section at an Umbilie on $z = f(x, y), z = f(x, y)$, Lines of Curvature

8	Principal Radii, Relation between Fundamental Forms, Asymptotic Lines, Differential Equation of an of an Asympotic line, Curvature and Torsion of an Asymptotic Line
9	Geodesies, Differential Equation of a Geodesic, Single Differential Equation of a Geodesic, Geodesic on a Surface of Revolution, Geodesic Curvature and Torsion, Gauss-Bonnet Theorem
10	Gauss's Formulae, Gauss's Characteristic Equation Weingarten Equation, Mainardi-Codazzi Equation, Fundamental Existence Theorem for Surfaces, Parallel Surfaces, Gaussian and Mean Curvature for a Parallel Surface, Bonnet's Theorem on Parallel Surfaces
11	Tensor Analysis, Kronecker Delta, Contravariant and Covariant Tensors, Symmetric Tensors, Quotient law of Tensors, Relative tensor.
12	Riemannian Space, Metric Tensor, Indicator, Permutation Symbol and Permutation Tensors, Christoffel Symbols and their Properties.
13	Covariant Differentiation of Tensors, Ricci Theorem, Intrinsic Derivative.
14	Geodesics, Differential Equation of Geodesic, Geodesic Coordinates, Field of Parallel Vectors.
15	Riemannian-Christoffel Tensor and its Properties, Covariant CurvatureTensor, Einstein Space, Bianchi's Identify, Einstein Tensor, Flat Space, Isotropic Point, Schur's Theorem.

Mechanics (MA/MSc MT-05)

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

Unit No.	Title of the Unit
1	D'Alembert's Principle
2	Motion About a Fixed Axis
3	Motion of a Rigid Body in Two Dimensions Under Finite Forces and Impulsive Forces

4	Motion in Three Dimensions Under Finite Forces
5	Motion in Three Dimensions (Under no Forces)
6	Conservation of Momentum and Energy
7	Generalised Co-ordinates
8	Motion of a top
9	Hamilton's Principle and Principle of Least Action
10	Kinematics
11	Equation of Continuity-I
12	Equation of Continuity-II
13	Equations of Motion I
14	Equations of Motion II
15	Motion in Two Dimensions

मास्टर ऑफ कॉमर्स **कार्यक्रम कोड : एमकॉम**

Master of Commerce **Programme Code : MCom**

उद्देश्य (Objectives) :

- वाणिज्य विषयक स्नात्कोत्तर स्तरीय ज्ञान की विशेषज्ञता का विकास।
- अखिल भारतीय स्तर पर व्याख्याता/प्रशासनिक सेवा के लिए सामर्थ्य का विकास।
- सरकारी एवं गैर–सरकारी संगठनों के लिए रोजगार संभावनाओं का निर्माण करना।
- वाणिज्य विषयक लेखा एवं वित्त सेवाओं हेतु योग्यता बढ़ाना।

प्रवेश योग्यता

(Admission Eligibility) : किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक (त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम) उपाधि।

अवधि (Duration) : न्यूनतम अवधि 2 वर्ष; अधिकतम 6 वर्ष।

माध्यम (Medium) : पाठ्य सामग्री केवल हिन्दी में उपलब्ध

श्रेयांक (Credit) : 72

एम.कॉम. (पूर्वार्द्ध) 32

एम. कॉम. (उत्तरार्द्ध) 40

शुल्क (Fee) : एम.कॉम. (पूर्वार्द्ध) रू. 4000/–

एम.कॉम. (उत्तर्रार्द्ध) रू. 4000/–

कार्यक्रम संरचना (Programme Structure) :

एम. कॉम. पूर्वार्द्ध में कुल चार पाठ्यक्रम होंगे। जबकि उत्तरार्द्ध में कुल पाँच पाठ्यक्रम होंगे। प्रत्येक पाठ्यक्रम 8 श्रेयांक का होगा। विद्यार्थी को हिन्दी माध्यम की पाठ्य सामग्री उपलब्ध करवायी जाएगी।

एम.कॉम.(पूर्वार्द्ध)

क्र.सं. (S.No.)	पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course)	पाठ्यक्रम कोड (Course Code)	श्रेयांक (Credit)
1.	संगठन एवं प्रबन्ध Organization and Management	एम कॉम–01 M Com - 01	8
2.	व्यावसायिक वातावरण Business Environment	एम कॉम –02 M Com – 02	8
3.	वित्तीय एवं निगम लेखांकन Financial and Corporate Accounting	एम कॉम –03 M Com - 03	8
4.	वित्तीय प्रबन्ध Financial Management	एमकॉम –04 M Com - 04	8

एम.कॉम.(उत्तरार्द्ध)

क्र.सं. (S.No.)	पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course)	पाठ्यक्रम कोड (Course Code)	श्रेयांक (Credit)
1.	शोध प्रविधि Research Methodology	एम कॉम–05 M Com - 05	8
2.	प्रबंधकीय अर्थशास्त्र Managerial Economics	एम कॉम –06 M Com – 06	8
3.	अन्तर्राष्ट्रीय व्यवसाय International Business	एम कॉम –07 M Com - 07	8
4.	लागत एवं प्रबंध लेखांकन Cost and Management Accounting	एम कॉम –08 M Com - 08	8
5.	लागत एवं प्रबन्ध अंकेक्षण Cost and Management Audit	एम कॉम –09 M Com - 09	8

परीक्षा पद्धति (Examination Pattern) :

सत्रीय गृहकार्य: प्रत्येक पाठ्यक्रम में सत्रीय गृहकार्य 20 अंकों का होगा। प्रत्येक पाठ्यक्रम में दो सत्रीय गृहकार्य करने होंगे। सत्रीय गृहकार्य पूर्ण करके सत्रांत परीक्षा से पूर्व संबंधित क्षेत्रीय केन्द्र पर जमा करवाना होगा।

सत्रांत (मुख्य) परीक्षा: एम.कॉम. (पूर्वार्द्ध) एवं एम.कॉम. (उत्तरार्द्ध) न्यूनतम अवधि अर्थात् 1 वर्ष के बाद विद्यार्थी की प्रत्येक पाठ्यक्रम की तीन घंटे की लिखित परीक्षा होगी। प्रत्येक पाठ्यक्रम की सत्रांत परीक्षा के लिए अधिकतम 80 अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम के दोनों भागों अर्थात सत्रांत परीक्षा एवं सत्रीय गृहकार्य में उत्तीर्ण होने के लिए

दोनों में मिलाकर उत्तीर्णांक 36 प्रतिशत हैं। परन्तु किसी एक भाग सत्रीय गृहकार्य अथवा सत्रांत परीक्षा में न्यूनतम 25 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य है। यदि विद्यार्थी कुछ पाठ्यक्रमों को उत्तीर्ण नहीं कर पाया है तो उन पाठ्यक्रमों को उत्तीर्ण करने के लिए छः माह बाद होने वाली आगामी परीक्षा में पुनः बैठ सकता है। किसी एक परीक्षा में नए एवं पुराने अनुत्तीर्ण रहे पाठ्यक्रमों को मिलाकर अधिकतम 56 क्रेडिट के पाठ्यक्रमों की परीक्षा दे सकता है।

अंक तालिका में सत्रीय गृहकार्य एवं सत्रांत परीक्षा के अंकों को अलग–अलग दर्शाया जायेगा। सफल विद्यार्थियों को निम्न तालिका के अनुसार श्रेणी प्रदान की जाएगी–

प्रथम श्रेणी	–	60% एवं अधिक
द्वितीय श्रेणी	–	48% एवं 60% से कम
उत्तीर्ण	–	36% एवं 48% से कम

एम. कॉम (पूर्वार्द्ध) परीक्षा में कोई श्रेणी नहीं दी जाएगी।

मास्टर ऑफ कॉमर्स (Master of Commerce)

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

संगठन एवं प्रबन्ध (एमकॉम–01)
Organisation and Management (M.Com-01)

इकाई संख्या	ईकाई का शीर्षक
1	संगठन का परिचय
2	संगठन की विचारधारा
3	संगठन संरचना
4	संगठन के प्रकार एवं औपचारिक व अनौपचारिक संगठन
5	संगठनात्मक व्यवहार
6	व्यक्तिगत व्यवहार और सीखना
7	अवबोध
8	मनोवृत्ति
9	व्यक्तित्व
10	प्रबन्धन प्रणालियां एवं प्रक्रिया

11	निर्णयन
12	नियोजन
13	उद्देश्यानुसार प्रबन्धन
14	सम्प्रेषण प्रक्रिया
15	संघर्ष का प्रबन्ध
16	नेतृत्व
17	अभिप्रेरणा
18	संस्कृति व प्रबन्ध
19	संगठनात्मक परिवर्तन/परिवर्तन–प्रबंध
20	संगठन विकास

व्यावसायिक वातावरण (एमकॉम–02)
Business Environment (M.Com-02)

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या	ईकाई का शीर्षक
1	व्यावसायिक वातावरण
2	सामाजिक एवं सांस्कृतिक वातावरण
3	व्यवसाय का सामाजिक उत्तरदायित्व
4	राजनीतिक वातावरण
5	नियमन नीति एवं व्यवस्था
6	कम्पनी अधिनियम के मूल तत्व
7	श्रम सन्नियम
8	प्रतियोगिता अधिनियम, 2002
9	सूचना प्रोद्योगिकी विकास एवं सूचना प्रोद्योगिकी अधिनियम, 2000
10	भारतीय विदेशी विनिमय पद्धति में फेमा
11	अस्वस्थ ओद्योगिक कम्पनीज (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 1985
12	भारतीय अर्थव्यवस्था की संरचना
13	आर्थिक नियोजन एवं ग्याहरवीं पंचवर्षीय योजना
14	आर्थिक नीति
15	लघु उद्योग

16	आर्थिक सुधार
17	भुगतान संतुलन एवं आयात निर्यात नीति
18	वैश्वीकरण एवं विश्व व्यापार संगठन
19	विदेश विनियोग एवं एकजुटता
20	व्यावसायिक तकनीकि वातावरण

वित्तीय एवं निगम लेखांकन (एमकॉम–03)

Financial and Corporate Accounting (M.Com-03)

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या	ईकाई का शीर्षक
1	लेखांकन–सिद्धान्त
2	लेखांकन चक्र
3	वित्तीय विवरण पत्रों को तैयार करना
4	लेखा मानकों का प्रतिपादन एवं उनकी अनुपालना
5	अंशों का निर्गमन, हरण एवं पुनर्निर्गमन
6	पूर्वाधिकार अंशों का शोधन एवं वापसी खरीद
7	ऋण–पत्रों का निर्गमन व शोधन
8	लाभों का निपटारा
9	प्रबन्धकीय पारिश्रमिक
10	कम्पनियों के अन्तिम खाते
11	एकीकरण के लिये लेखांकन
12	बैंकिंग कम्पनियों के लेखे
13	बीमा कम्पनियों के लेखे
14	राजकीय लेखांकन
15	कम्प्यूटर से लेखांकन कार्य
16	सामाजिक लेखांकन
17	मूल्यवर्धन लेखांकन
18	पर्यावरण लेखांकन

वित्तीय प्रबन्ध (एमकॉम–04)

Financial Management (M.Com-04)

इकाई संख्या	इकाई का शीर्षक
1	वित्तीय प्रबंध – एक सिंहावलोकन
2	मुद्रा का समय मूल्य
3	अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय प्रबंध
4	परियोजना नियोजन एवं वित्त व्यवस्था
5	परियोजना की संभाव्यता विश्लेषण
6	वित्त के स्त्रोत
7	पूंजी संरचना : नियोजन
8	पूंजी संरचना के सिद्धान्त
9	पूंजी की लागत
10	उत्तोलक
11	पूंजी बजटन – I
12	पूंजी बजटन – II
13	आय का प्रबंध एवं प्रतिधारण नीति
14	लाभांश नीति एवं सिद्धान्त
15	लाभांश निर्णयन एवं नियोजन
16	कार्यशील पूंजी का प्रबन्ध
17	रोकड़ प्रबन्ध
18	स्कंध प्रबंध
19	प्राप्यों का प्रबन्ध

शोध प्रविधि (एमकॉम–05)

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

Research Mathodology (M.Com-05)

इकाई संख्या	ईकाई का शीर्षक
1	व्यावसायिक शोध

2	शोध प्रविधि
3	समंकों का संग्रहण – प्राथमिक एवं द्वितीयक
4	निदर्शन प्रविधियां
5	मापन एवं मापनी प्रविधियां
6	सांख्यिकीय समंकों का सम्पादन
7	समंकों की चित्रमय एवं बिन्दुरेखीय प्रदर्शन
8	केन्द्रीय प्रवृत्ति के माप
9	विचरण के माप एवं विषमता
10	प्रतीपगमन विश्लेषण
11	सह–सम्बन्ध
12	कालश्रेणी विश्लेषण
13	सूचकांक
14	प्रायिकता एवं प्रायिकता नियम
15	प्रायिकता बंटन
16	परिकल्पना परीक्षण – I
17	परिकल्पना परीक्षण – II
18	प्रसरण विश्लेषण
19	शोध कार्य की रिपोर्ट तैयार करना
20	ग्रन्थ सूची एवं सन्दर्भिका, लोगारिथम आदि

प्रबन्धकीय अर्थशास्त्र (एमकॉम–06)
Managerial Economics (M.Com-06)

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या	ईकाई का शीर्षक
1	प्रबन्धकीय अर्थशास्त्र की आधारभूत अवधारणा
2	प्रबन्धकीय अर्थशास्त्र का परिचय
3	मांग विश्लेषण
4	मांग की लोच

5	मूल्य विश्लेषण
6	विनियोग विश्लेषण
7	मांग पूर्वानुमान
8	उत्पादन के सिद्धान्त–उत्पादन फलन
9	उत्पादन एवं लागत विश्लेषण
10	लागत अवधारणाएं
11	मूल्य निर्धारण का सिद्धान्त
12	कीमत एवं उत्पादन निर्णय
13	लाभदायकता विश्लेषण
14	राष्ट्रीय आय : संगणना
15	केन्ज का रोजगार सिद्धान्त एवम् व्यापार–चक्र

अन्तरराष्ट्रीय व्यवसाय (एमकॉम–07)
International Business (M.Com-07)

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या	ईकाई का शीर्षक
1	अन्तरराष्ट्रीय व्यावसायिक पर्यावरण
2	अन्तरराष्ट्रीय व्यापार के सिद्धान्त
3	भुगतान सन्तुलन
4	व्यापार शर्ते
5	वैश्वीकरण – एक दृष्टि
6	बहुराष्ट्रीय निगम
7	तकनीकी स्थानान्तरण
8	विश्व व्यापार संगठन
9	क्षेत्रीय आर्थिक समूह
10	बहुपक्षीय वस्तु समझौते
11	अन्तरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाएं
12	भारत का विदेशी व्यापार

13	निर्यात व्यापार के लिए संगठनात्मक ढांचा
14	व्यापार नीति
15	निर्यात सदन/क्षेत्र/विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र
16	नियामक ढांचा
17	प्रलेखीय साख
18	भुगतानों की रीतियां
19	निर्यात एवं आयात क्रिया विधि

लागत एवं प्रबन्ध लेखांकन (एमकॉम–08)
Cost and Management Accounting (M.Com-08)

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या	ईकाई का शीर्षक
1	लागत विश्लेषण एवं लागत लेखांकन
2	सामग्री और श्रम
3	उपरिव्यय लागत
4	क्रिया आधारित लागत निर्धारण विधि अथवा ए बी सी
5	उपकार्य लागत निर्धारण विधि
6	प्रक्रिया लागत निर्धारण विधि
7	परिचालन लागत निर्धारण
8	बजटरी नियन्त्रण
9	प्रमाप लागत लेखांकन की मूल विचारधारा
10	विचरण विश्लेषण
11	शून्य–आधार बजटन
12	वित्तीय विश्लेषण की तकनीकें
13	अनुपात विश्लेषण
14	रोकड़ प्रवाह विश्लेषण
15	सीमान्त लागत लेखांकन
16	सम–विच्छेद विश्लेषण
17	निर्णयन हेतु लागत निर्धारण

लागत एवं प्रबन्ध अंकेक्षण (एमकॉम–09)
Cost and Management Audit (M.Com-09)

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या	ईकाई का शीर्षक
1	लागत अंकेक्षण
2	लागत अंकेक्षक
3	लागत अंकेक्षण कार्यक्रम
4	लागत लेखांकन अभिलेख नियम
5	लागत अंकेक्षण रिपोर्ट
6	सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमो का अंकेक्षण एवं औचित्य अंकेक्षण
7	कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 227 (4A) के अन्तर्गत अंकेक्षण की आवश्यकताएं
8	प्रबन्ध एवं प्रक्रिया अंकेक्षण
9	प्रबन्ध अंकेक्षण कार्यक्रम
10	प्रबन्ध तथा प्रक्रिया अंकेक्षण के विशिष्ट क्षेत्र : आन्तरिक नियन्त्रण की समीक्षा
11	क्रय प्रक्रियाओं की समीक्षा
12	विक्रय एवं वितरण नीतियों तथा कार्यक्रमों की समीक्षा
13	प्रबन्ध सूचना प्रणाली की प्रभावोत्पादकता की समीक्षा
14	कर्मचारी नीतियों की समीक्षा
15	निर्माण प्रक्रियाओं की समीक्षा
16	प्रबन्ध निर्णयों का मूल्यांकन
17	सामाजिक अंकेक्षण
18	बैंकों एवं सहकारी समितियों आदि का विशेष अंकेक्षण

कम्प्यूटर विज्ञान में स्नात्कोत्तर उपाधि कार्यक्रम कोड : एमएससीसीएस

Master of Computer Science **Programme Code : MScCS**

Objectives :

- To give the learners knowledge of advanced computer subjects including software and hardware.
- To enable the learners get a better job in computer industry. The jobs may include-System Analysts, Programmers, and Technical Facilitators in the industries and teaching posts in colleges and universities.
- To enable the learners to work as system managers and hardware engineers in IT industry.

Admission Eligibility :

Bachelors Degree (TDC) from any recognised university in any discipline with atleast Second Division.

Lateral Entry:

Astudent shall be admitted to M.Sc. (CS) final year who has passed PGDCA of VMOU or PGDCA of any recognised university with atleast Second Division in Bechelor's Degree (TDC) provided that 70% of the syllabi is common with that of VMOU.

Duration : Minimum 2 years : Maximum 6 years
Leteral entry afterPGDCA Minimum 1 year
Maximum 4 yrars.

Medium : Course Material is Available only in English

Credit : 72
MScCS (Previous) 36
MScCS (Final) 36

Fee : Rs. 12500/- for MSc CS (Previous)
Rs. 15000/- for MSc CS (Final)

Programme Structure :

There will be six courses in MSc (CS) Previous and six courses in MSc (CS) Final.

M.Sc. (Previous) Computer Science

S. No.	Name of the Course	Course Code	Credit
1.	Computer Fundamental and System Software	MScCS - 01	6
2.	Application Software & Web Designing	MScCS - 02	6
3.	OOPS Programming with C++ and Java	MScCS - 03	6
4.	Programming in VB and Dot Net	MScCS - 04	6
5.	Computer Networking & Network & Internet	MScCS - 05	6
6.	Project	MScCS - 06	6

M.Sc. (Final) Computer Science

S. No.	Name of the Course	Course Code	Credit
1.	Data Structure and Algorithm	MScCS – 07	6
2.	Computer Architecture & Microprocessors	MScCS – 08	6
3.	Software Engineering	MScCS – 09	6
4.	Operating System	MScCS – 10	6
5.	Data Communication and Networks	MScCS – 11	6
6.	Project Work	MScCS – 12	6

Examination Pattern :

Internal Home Assignment : There will be no Internal Home Assignment in this Programme.

Term-end Examination : In MSc(CS) each theory course shall be of 100 marks. however, the courses having practical components shall be of 150 marks consisting of theory course of 100 marks and practical component of 50 marks. The project in MSc (Previous) shall be of 150 marks where as the project in the MSc (Final) shall be of 300 marks. To pass the term-end examination, a student is required to secure 36 percent in aggregate (theory and practical) in each course as well as in the programme as a whole.

If a candidate is not able to pass some courses , he/she will have to reappear in the next examination to be held after every 6 months. There will be a ceiling of 56 credits in an examination to clear fresh as well as due courses.

The marks obtained in theory and practical examination shall be shown separtely in the marksheet. The successful candidates shall be classified as per the following table-

First Division	-	60% above
Second Division	-	48% to less than 60%
Pass	-	36% to less than 48%

No division shall be awarded for the MSc (Previous) examination.

Computer Fundamental and System Software (MSc(C.S.) - 01)

Scheme

Max.Marks 150 Duration: 3 hr.

Theory 100 Practical 50 Min.PassMarks 54

Unit No.	Title of the Unit
1	Introduction to Computer System
2	Storage Devices
3	Hard disk Drives Interface
4	Input Devices
5	Output Devices
6	Representation of Number System
7	Study of Logic Gates
8	Operating system Concept
9	Process Management
10	Memory Management
11	File System
12	Dos Operating System
13	Windows Operating System
14	Linux Operating System

Application Software and Web Designing (MSc (C.S.) -02)

Scheme

Max.Marks 150 Duration: 3 hr.

Theory 100 Practical 50 Min.PassMarks 54

Unit No.	Title of the Unit
1	World Processing Software
2	Spell Checking and Grammer Checking
3	Spread Sheet Package-MS Excel 2000
4	Formating Features MS-Excel 2000
5	Advance Features MS-Excel 2000

6	Presentation Software MS-Power Point 2000
7	Advance Features of Power Point
8	MS-Access 2000
9	Data Handling in MS-Access
10	Data Base System Architecture
11	DBMS-Classical Data Management
12	SQL-Strucutred Query Language
13	Web Designing
14	XML (eXtensible Markup Language)
15	Computer Virus

OOPS Programming with C++ and JAVA (MSc (C.S.) -03)

Scheme

Max.Marks 150 Duration: 3 hr.

Theory 100 Practical 50 Min.PassMarks 54

Unit No.	Title of the Unit
1	Object Oriented Programming Concepts
2	Simple Programming in C++
3	Control Structure and Functions In C++
4	IDE, Forms and Controls
5	Function and Operator Overloding
6	Inheritance, Polymorphism and Virtual Functions
7	Pointers, Arrays and Memory
8	Input, Output and File Handling
9	Generic Programming with Template
10	Introduction of JAVA Programming
11	Overloading and Inheritance
12	Packages and Interfaces
13	Exception Handling
14	Multithereading
15	Applet and GUI
16	Event Handling

VB and DOT NET Technology (MSc (C.S.) -04)

Scheme

Max.Marks 150 Duration: 3 hr.

Theory 100 Practical 50 Min.PassMarks 54

Unit No.	Title of the Unit
1	Business Data Processing
2	Creating an Application Visual Basic
3	Writing Code in Visual Basic
4	IDE, Forms and Controls
5	Working with Files
6	Introduction to Database
7	Graphics in Visual Basic
8	VB.NET
9	Creating Applications in VB.NET
10	Object Oriented Programming in VB.NET
11	Data Control Features of VB.NET
12	Web and VB.NET
13	Controls in VB.NET
14	File Handling in VB.NET

Computer Networking and Network and Internet (MSc (C.S.) - 05)

Scheme

Max.Marks 150 Duration: 3 hr.

Theory 100 Practical 50 Min.PassMarks 54

Unit No.	Title of the Unit
1	Computer Network Fundamentals
2	Computer Network Contd.
3	Computer Network Contd.
4	Internet
5	Internet Features
6	Internet Connectivity
7	World Wide Web
8	Application of Internet
9	E-Commerce
10	Creating and Maintaining Web Sites
11	Formatting Features

12	Website Features
13	JAVA Script
14	Active Server Pages (ASP)
15	Active Server Pages (ASP) contd.

Data Structures and Algorithms (MSc (C.S.) -07)

Scheme

Max.Marks 150 Duration: 3 hr.

Theory 100 Practical 50 Min.PassMarks 54

Unit No.	Title of the Unit
1	Introduction to Data Structures
2	Arrays
3	Link List
4	Stack Data Strucutre
5	Queue Data Strucutre
6	Tree Data Strucutre
7	Advanced Tree
8	Graph Theory Fundamentals
9	Graph Theory Algorithms
10	Graph Theory Applications
11	Sorting Algorithms
12	Algorithm Design Techniques
13	Dynamic Programming
14	Problem Classes

Computer Architecture and Micro Processor (MSc (C.S.) -08)

Scheme

Max.Marks 150 Duration: 3 hr.

Theory 100 Practical 50 Min.PassMarks 54

Unit No.	Title of the Unit
1	Processor Basics
2	Organization and Architecture
3	Datapath Design
4	Processor Organization
5	Reduced Instruction Set Computer
6	Control Design
7	Memory Organization

8	System Organization
9	Introduction to Micro Computer System
10	Features of Micro Computer Systems
11	Peripherals and Their Interfacing with 8085
12	Comparative Study of 8085, 8086 and 8086

Software Engineering (MSc (C.S.) -09)

Scheme

Max.Marks 150 Duration: 3 hr.

Theory 100 Practical 50 Min.PassMarks 54

Unit No.	Title of the Unit
1	Introduction to Software Engineering
2	Software Requirements Analysis
3	Software Specifications
4	Software Process Models
5	Software Design
6	Project Management
7	Software Cost Estimation, Metrics and Measures
8	Software Reuse
9	Verification and Validation
10	Software Testing
11	Quality Management
12	Process Improvement and Measurement

Operating System (MSc (C.S.) -10)

Scheme

Max.Marks 150 Duration: 3 hr.

Theory 100 Practical 50 Min.PassMarks 54

Unit No.	Title of the Unit
1	Security and Protection
2	Process Synchronization
3	Deadlock
4	Shell Programming
5	AWK Programming
6	Introduction to Advanced Operating Systems
7	Distributed Operating Systems
8	Distributed Mutual Exclusion

9	Distributed Deadlock
10	Distributed File Systems
11	Distributed Shared Memory
12	Distributed Resource Security
13	Distributed Data Security
14	Multiprocessor Operating System
15	Database Operating System

Data Communications and Networks (MSc (C.S.) -11)

Scheme

Max.Marks 150 Duration: 3 hr.

Theory 100 Practical 50 Min.PassMarks 54

Unit No.	Title of the Unit
1	Transmission Terminology
2	Data Encoding and Communication Techniques
3	Multiplexing and Communication Hardware
4	Introduction to Computer Networks
5	Computr Networks
6	Physical Layer
7	Data Link Layer and LAN
8	Local Area Network
9	Network Layer and Routing
10	Transport Services and Mechanism
11	Application Layer and Network Security
12	The Internet

MSc (CS) -12 Project Work Rules

In this a student will have be do a Major Project in any of the Programming Language which he how studies in his/her studies. The same will have to be submitted at the time of Practical Examination.

पत्रकारिता (जनसंचार) स्नात्कोत्तर उपाधि **कार्यक्रम कोड : एमजे(एमसी)**

Master of Journalism (Mass Communication) **Programme Code : MJ(MC)**

उद्देश्य (Objectives) :

- जनसंचार सिद्धान्तों के सांगोपांग अध्ययन को सुदृढ़ आधार देना।
- जनसंचार माध्यमों के संबंध में शोध प्रशिक्षण एवं सतत् अध्ययन को गति देना।
- जनसंचार की प्रक्रियाओं को व्यावहारिक उपयोग में लाने के लिए प्रशिक्षण देना।
- मीडिया के विभिन्न क्षेत्र विशेष में रूचि के अनुसार दक्षता पर जोर देना।
- मीडिया की विभिन्न अवधारणाओं और समस्याओं से परिचित कराना।
- एक जनसंचारकर्मी एवं पत्रकार के लिए मुद्रित माध्यमों यथा पत्र–पत्रिकाओं आदि से लेकर रेडियो, टेलीविजन, समाचार एजेन्सियों, जनसम्पर्क विभागों एवं कार्पोरेट संस्थानों में रोजगार प्राप्ति के योग्य बनाना।

प्रवेश योग्यता (Admission Eligibility) :

बैचलर ऑफ जर्नलिज्म एण्ड मास कम्यूनिकेशन बी.जे. (एम.सी.)/बैचलर ऑफ जर्नलिज्म (बी.जे.) /स्नातक के साथपी.जी.डिप्लोमा इन जर्नलिज्म अथवा समकक्ष मान्य विश्वविद्यालय की पत्रकारिता एवं जनसंचार की उपाधि।

अवधि (Duration) : न्यूनतम अवधि 2 वर्ष ; अधिकतम 6 वर्ष

माध्यम (Medium) : पाठ्य सामग्री केवल हिन्दी में उपलब्ध

श्रेयांक (Credit) : 72

एम.जे. (एम.सी.) पूर्वार्द्ध 32

एम.जे.(एम.सी.) उत्तरार्द्ध 40

शुल्क (Fee) : एम.जे. (एम. सी.) (पूर्वार्द्ध) रू. 7500/–

एम.जे. (एम. सी.) (उत्तरार्द्ध) रू. 7500/–

कार्यक्रम संरचना (Programme Structure) :

एम.जे. (एम.सी.) पूर्वार्द्ध में कुल चार पाठ्यक्रम होंगे जबकि उत्तरार्द्ध में कुल पाँच पाठ्यक्रम होंगे। प्रत्येक पाठ्यक्रम 8 श्रेयांक का होगा। विद्यार्थियो को हिन्दी माध्यम की अध्ययन सामग्री उपलब्ध करवायी जाएगी।

तालिका–1 एमजे (एमसी) पूर्वार्द्ध

क्र.सं. (S.No.)	पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course)	पाठ्यक्रम कोड (Course Code)	श्रेयांक (Credit)
1.	जन संचार माध्यमों के लिए लेखन Writing for Mass Media	एमजे(एमसी)–01 MJ (M C)-01	8
2.	फीचर लेखन एवं पत्रिका संपादन Feature Writing and Magazine Editing	एमजे(एमसी)–02 MJ (MC)-02	8
3.	जनसंचार शोध प्रविधि Mass Communication Research Methodology	एमजे(एमसी)–03 MJ (MC)-03	8
4.	जनसंचार के सिद्धान्त Principles of Mass Communication	एमजे(एमसी)–04 MJ(MC)-04	8

एम.जे. (एम.सी.) उत्तरार्द्ध

एम.जे. (एम.सी.) उत्तरार्द्ध में विद्यार्थी को कुल 5 पाठ्यक्रम लेने होंगे। उसमें से तालिका संख्या–2 में दिये गये दोनों पाठ्यक्रम अनिवार्य है। अन्य तीन पाठ्यक्रमों का चयन तालिका संख्या–3 में से करना है। इस तालिका में कुल 5 पाठ्यक्रम दिये गये हैं। विद्यार्थी अपनी रूचि के अनुसार किन्ही तीन पाठ्यक्रमों का चयन करे। एम.जे. (एम.सी.) उत्तरार्द्ध पाठ्यक्रम में लघु शोध प्रबंध पाठ्यक्रम कोड एम.जे. (एम.सी.)–10 वही विद्यार्थी ले सकेंगे जिन्होंने बी.जे. (एम.सी.)/बी.जे./पी.जी. डिप्लोमा इन जर्नलिज्म में 60% अथवा अधिक अंक प्राप्त किये हो।

तालिका–2

क्र.सं. (S.No)	पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course)	पाठ्यक्रम कोड (Course Code)	श्रेयांक (Credit)
1	दृश्य–श्रव्य जनसंचार प्रविधि Audio-Visual Communication Technology	एमजे (एमसी)–06 MJ (MC)-06	8
2	परियोजना कार्य (प्रोजेक्ट) Project Work	एमजे (एमसी)–11 MJ (MC)-11	8

किन्ही तीन पाठ्यक्रमों का चयन कीजिए :

तालिका – 3

क्र.सं. (S.No)	पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course)	पाठ्यक्रम कोड (Course Code)	श्रेयांक (Credit)
1	विश्व का समाचार जगत The World Press	एमजे (एमसी)–05 MJ (MC)-05	8
2	विकासात्मक जनसंचार Developmental Communication	एमजे (एमसी)–07 MJ (MC)-07	8
3	ग्रामीण एवं पर्यावरण पत्रकारिता Rural and Environment Journalism	एमजे (एमसी)–08 MJ (MC)-08	8
4	मुद्रण, प्रकाशन एवं जनसंचार प्रबंधन Printing, Publishing and Mass Communication Management	एमजे(एमसी)–09 MJ (MC)-09	8
5	लघु शोध प्रबंध (प्रदत्त विषय पर) *बी.जे. (एम.सी.)/बी.जे./पी.जी. डिप्लोमा इन जर्नलिज्म में 60% अथवा अधिक अंक प्राप्त किये हो। Dissertation	एमजे (एमसी)–10 MJ (MC)-10	8

परीक्षा पद्धति (Examination Pattern) :

सत्रीय गृहकार्य : प्रत्येक पाठ्यक्रम में सत्रीय कार्य 20 अंकों का होगा। प्रत्येक पाठ्यक्रम में दो सत्रीय गृहकार्य दिये जाएंगे। सत्रीय कार्य पूर्ण करके संबंधित क्षेत्रीय केन्द्र पर जमा करवाना होगा।

संत्रात (मुख्य) परीक्षा : न्यूनतम अवधि अर्थात् 1 वर्ष के बाद विद्यार्थी की प्रत्येक पाठ्यक्रम में तीन घंटे की लिखित परीक्षा होगी। प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए अधिकतम 80 अंक निर्धारित हैं। इस कार्यक्रम में उत्तीर्णांक 40 प्रतिशत है। विद्यार्थियों को दोनों परीक्षाओं में अलग–अलग (सत्रीय एवं सत्रांत) उत्तीर्ण होना आवश्यक होगा। किसी एक पाठ्यक्रम में उत्तीर्ण होने के लिए न्यूनतम 36% अंक सत्रीय एवं सत्रांत दोनों परीक्षाओं में अलग–अलग लाना अनिवार्य है। लेकिन सम्पूर्ण कार्यक्रम में सफलता प्राप्त करने के लिये न्यूनतम कुल प्राप्तांक सत्रीय एवं संत्रात परीक्षा को मिलाकर 40 प्रतिशत अंक अनिवार्य होंगे। अर्थात 900 में से 360 अंक आवश्यक होंगे। पाठ्यक्रम लघु शोध प्रबंध एमजे (एमसी)–10 एवं पाठ्यक्रम परियोजना कार्य (प्रोजेक्ट)एमजे (एमसी)–11 में सत्रीय गृहकार्य नहीं दिया जाएगा एवं इन दोनो पाठ्यक्रमों के प्रत्येक के अधिकतम अंक 100 होंगे। सफल विद्यार्थियों को निम्नानुसार श्रेणी प्रदान की जाएगी।

प्रथम श्रेणी	–	60% एवं अधिक
द्वितीय श्रेणी	–	48% एवं 60% से कम
उत्तीर्ण	–	40% एवं 48% से कम

एमजे (एमसी) पूर्वार्द्ध परीक्षा में कोई श्रेणी नहीं दी जाएगी।

पत्रकारिता एवं जनसंचार (Journalism (Mass Communication)

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

जनसंचार माध्यमों के लिए लेखन – एमजे (एमसी)–01)

Writing for Mass Media - MJ (MC)-01

इकाई संख्या	इकाई का शीर्षक
1	लेखन के मूल तत्व
2	फीचर लेखन
3	टेलीविजन के लिए फीचर लेखन
4	टेलीविजन के लिए लेखन
5	टेलीविजन–संवाददाता
6	नाटक–लेखन
7	रेडियों के लिए लेखन
8	उद्घोषणा–लेखन
9	दूरदर्शन से सीधा प्रसारण
10	विभिन्न मुद्रित–माध्यमों के लिए विज्ञापन लेखन
11	इलाक्ट्राय–माध्यमों के लिए विज्ञापन–लेखन
12	भेंटवार्ता–लेखन
13	संस्मरण–लेखन
14	जनसंपर्क के लिए लेखन
15	मुद्रित–माध्यमों के लिए समूह लेखन
16	इलाक्ट्राय (रेडियो) माध्यम के लिए समूह लेखन
17	स्तंभ–लेखन
18	व्यंग्य–लेखन
19	सृजनात्मक लेखन
20	आत्मकथा लेखन

21 रिपोर्ताज लेखन
22 समाचार लेखन
23 संपादन के रूप में लेखन

फीचर लेखन एवं पत्रिका संपादन – एमजे (एमसी)–02
Feature Writing and Magazine Editing - MJ (MC)-02

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या	इकाई का शीर्षक
1	फीचर : अर्थ, परिभाषा, गुण एवं प्रकार
2	फीचर, अन्य विधाएं एवं फीचर संरचना
3	अच्छे फीचर लेखन के गुण
4	सामाजिक फीचर लेखन
5	रेडियो के लिए फीचर लेखन
6	भारत में मुक्त–लेखन
7	उद्योगों के लिए लेखन
8	कृषि के लिए लेखन
9	पर्यावरण के लिए लेखन
10	फिल्मों के लिए लेखन
11	बच्चों के लिए लेखन
12	पत्रकारिता के विविध आयाम
13	सामाजिक पत्रकारिता
14	फिल्म पत्रकारिता
15	बाल पत्रकारिता
16	विशेष विषय–पत्रिकाएं
17	नााटक समीक्षा –1
18	नाटक समीक्षा – 2
19	फिल्म समीक्षा
20	कला समीक्षा
21	पुस्तक समीक्षा

22 समाचारपत्र का संपादकीय प्रबंधन
23 पत्रिकाओं का संपादन
24 पत्रिका प्रकाशन की अर्थव्यवस्था
25 पत्रिका विज्ञापन एवं वितरण प्रबंध
26 वाणिज्य एवं व्यापारिक लेखन

जनसंचार शोध प्रविधि – एमजे (एमसी)–03
Mass Communication Research Methodology - MJ (MC)-03

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या	इकाई का शीर्षक
1	जनसंचार शोध प्रविधि : अर्थ एवं प्रकृति
2	जनसंचार शोध की प्रक्रिया
3	शोध अध्ययन के विविध प्रकार
4	शोध अध्ययन : ऐतिहासिक सर्वेक्षण, सामग्री विश्लेषण एवं प्रकरण अध्ययन
5	जनसंचार शोध में विषयनिष्ठता की समस्या
6	जनसंचार शोध–विषय का चयन एवं प्रक्रिया–निर्धारण
7	जनसंचार–शोध अध्ययन की परिकल्पना
8	जनसंचार–शोध–तथ्य की तकनीक भाग – 1(प्रश्नावली एवं अनुसूची)
9	जनसंचार शोध–तथ्य की तकनीक भाग–2(साक्षात्कार, अवलोकन और प्रक्षेपी तकनीक)
10	(अ) साक्षात्कार एवं स्रोत सामग्री, (ब) सामाजिक प्रक्रिया के रूप में साक्षात्कार
11	शोध परिकल्पनाएं – भाग–1
12	शोध परिकल्पनाएं – भाग–2
13	सर्वेक्षण शोध
14	केंद्रीय प्रवृत्ति की मापें : माध्य, माध्यका, बहुलक
15	अपकिरण की मापें एवं विषमता
16	सह संबंध (Correlation)

17 जनसंचार एवं राष्ट्रीय विकास के संदर्भ में शोध

जनसंचार के सिद्धान्त – एमजे (एमसी)–04
Principles of Mass Communiation - MJ (MC)-04

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या	इकाई का शीर्षक
1	संचार–जनसंचार : अवधारणा एवं स्वरूप
2	जनसंचार : लक्ष्य, कार्य और प्रक्रिया
3	जनसंचार माध्यम एवं सामाजिक परिवर्तन
4	जनसंचार माध्यम विशेषज्ञों के विशेष प्रतिवेदन (मैकब्राइड प्रतिवेदन)
5	समाज और जनसंचार
6	जनसंचार और राजनीति
7	सरकारें एवं जनसंचार
8	जनमत और प्रचार
9	जनसंचार के सिद्धान्त भाग–1
10	जनसंचार के सिद्धान्त भाग–2
11	संचार की प्रकृति एवं विधि
12	संचार के प्रकार, व्यक्ति और जनसंचार
13	संचार के नए आयाम एवं नई सूचना प्रौद्योगिकी
14	जनसंचार एवं संस्कृति
15	भारत की जनसंचार नीति

विश्व का समाचार जगत – एमजे(एमसी)–05
The World Press - MJ (MC)-05

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या	इकाई का शीर्षक
1	समाचारपत्रों का उद्‌गम और विकास
2	अंतर्राष्ट्रीय समाचार–जगत

3	विश्व के विकसित समाचारपत्र
4	एशिया में जनसंचार और नई सूचना प्रौद्योगिकी–1 (दक्षिणी एशिया)
5	एशिया में जनसंचार और नई सूचना प्रौद्योगिकी–2 (दक्षिणी पूर्वी एशिया)
6	एशिया में जनसंचार और नई सूचना प्रौद्योगिकी–3 (पूर्वी एशिया)
7	एशिया में प्रेस कानून एवं प्रेस परिषद
8	अंतर्राष्ट्रीय प्रेस कानून एवं प्रेस परिषद
9	प्रेस की स्वतंत्रता : अवधारणा एवं आकलन
10	टेलीविजन का वैश्वीकरण (एशिया के विशेष संदर्भ में)
11	भारत में केबल एवं सैटेलाइट टेलीविजन
12	विश्व में रेडियो का उद्‌गम और विकास

दृश्य–श्रव्य जनसंचार प्रविधि एम.जे.(एमसी)–06
Audio-Visual Communication Technology MJ (MC)-06

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या	इकाई का शीर्षक
1	नई सहस्त्राब्दी में इलेक्ट्रोनिक संचार माध्यम
2	भारत में इलेक्ट्रोनिक संचार माध्यम (विशेषताएं एवं प्रासंगिकता)
3	भारत में रेडियो
4	भारत में सिनेमा–1
5	भारत में सिनेमा भाग–2
6	भारत में दूरदर्शन
7	टेलीविजन के मूल सिद्धान्त –1
8	टेलीविजन के मूल सिद्धान्त – 2
9	सिनेमा प्रोजेक्टर
10	टेप रिकार्डर एवं कैसेट
11	दक्षेस देशों में जनसंचार एवं नई सूचना प्रौद्योगिकी
12	अमेरिका और ब्रिटेन में टेलीविजन
13	अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं में सूचना प्रसारण विधि
14	दूरदर्शन संरचना एवं प्रबन्ध

15 रेडियो प्रसारण के सिद्धान्त
16 आकाशवाणी की प्रसारण सेवाएँ
17 रेडियो की भाषा और अनुवाद
18 टेलीविजन के लिए समाचार लेखन
19 दूरदर्शन समाचार का अनुवाद
20 भारत में संचार क्रान्ति
21 भारत में जन प्रसारण क्रांति
22 भारत में निजी टेलीविजन क्रांति
23 भारत में इंटरनेट एवं कम्प्यूटर कांति
24 टेलीविजन निर्देशन
25 टेलीविजन आलेख
26 टेलीविजन धारावाहिक लेखन

विकासात्मक जनसंचार – एमजे (एमसी)–07
Developmental Communication - MJ (MC)-07

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या इकाई का शीर्षक

1 विकासात्मक जनसंचार : अर्थ, क्षेत्र एवं महत्व
2 तीसरी दुनिया में विकासात्मक जनसंचार
3 तीसरी दुनिया में विकास की प्रक्रिया और सामाजिक परिवर्तन
4 तीसरी दुनिया में विकासात्मक संचार : प्रकरण अध्ययन
5 जनसंचार माध्यमों का विकास एवं जीवन स्तर
6 पारम्परिक जनसंचार माध्यमः महत्व एवं उपयोग
7 विकासात्मक समाचार
8 ग्रामीण विकास की समस्याएं – 1
9 ग्रामीण विकास की समस्याएं – 2
10 जनसंचार एवं संस्कृति
11 उन्नत कृषि में जनसंचार माध्यमों का योगदान
12 विकासात्मक जनसंचार शोध : एक समीक्षा
13 शेक्षणिक तकनोलॉजी

14 इनफोरमेशन तकनोलॉजी बिल

ग्रामीण एवं पर्यावरण पत्रकारिता – एमजे (एमसी)–08
Rural and Environment Journalism - MJ (MC)-08

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या ईकाई का शीर्षक

1 ग्रामीण जनसंचार की प्रकृति एवं क्षेत्र
2 लोक माध्यम
3 भारत के प्रमुख लोक माध्यम
4 मौखिक परंपराएं और लोकमाध्यम
5 पर्यावरण की अवधारणा एवं स्वरूप
6 भारत में पर्यावरण एवं पर्यावरणीय समस्याएं
7 पर्यावरण और जनसंचार
8 भारत में पर्यावरणीय आन्दोलन
9 ग्रामीण एवं पर्यावरण पत्रकारिता
10 ग्रामीण क्षेत्रों में जनसंचार का योगदान
11 ग्रामीण जनसंचार और सामाजिक परिवर्तन
12 ग्रामीण पत्रकारिता की लघु एवं मध्यम पत्र–पत्रिकाएं
13 ग्रामीण जनसंचार एवं ग्रामीण विकास
14 पर्यावरणीय कानून
15 भारत में भाषाई पत्रकारिता
16 ग्रामीण जनसंचार में इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों का योगदान

मुद्रण, प्रकाशन एवं जनसंचार प्रबंधन – एमजे (एमसी)–09
Printing, Publishing and Mass Communication Management
MJ (MC)-09

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या इकाई का शीर्षक

1 मुद्रण का इतिहास (विश्व के संदर्भ में)

2	भारत में मुद्रण का विकास
3	टाइप सैटिंग (टाइपोग्राफी)
4	(अ) डेस्क टॉप पब्लिशिंग (डी.टी.पी.)
	(ब) Glossary (Publishing & Computer)
5	प्रेस–कॉपी
6	प्रूफ रीडिंग एवं प्रूफ रीडर
7	समाचारपत्रों का प्रबंध संगठन
8	विज्ञापन और मीडिया आयोजन
9	विज्ञापन और प्रसार विभाग का संगठन
10	पत्रकार संगठन
11	श्रमजीवी पत्रकार कानून
12	श्रमजीवी पत्रकारों का वेतनमान
13	पत्रकार वेतनमान–मणिसाना वेज बोर्ड
14	भारतीय प्रेस परिषद
15	भारतीय प्रेस परिषद की संरचना एवं कार्य विधि
16	समाचार समितियों का प्रबन्ध संगठन
17	समाचार समितियां : समस्याएं एवं संभावनाएं
18	समाचारपत्र का सम्पादकीय विभाग (संरचना एवं कार्य विधि)

शोध प्रबंध एमजे (एमसी)–10 परियोजना कार्य (प्रोजेक्ट)एमजे (एमसी)–11 के नियम

पाठ्यक्रम लघु शोध प्रबंध एमजे (एमसी)–10 एवं पाठ्यक्रम परियोजना कार्य (प्रोजेक्ट)एमजे (एमसी)–11 में सत्रीय गृहकार्य नहीं दिया जाएगा एवं इन दोनो पाठ्यक्रमों के प्रत्येक के अधिकतम अंक 100 होंगे। सफल विद्यार्थियों को निम्नानुसार श्रेणी प्रदान की जाएगी।

पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नात्कोत्तर उपाधि कार्यक्रम कोड : एमएलआईएस

Master of Library and Information Science Programme Code : MLIS

उद्देश्य (Objectives) :

- देश में विद्यमान पुस्तकालय एवं सूचना केन्द्रों के प्रभावी संगठन एवं प्रबन्धन के लिए आवश्यक कौशल एवं प्रशिक्षण उपलब्ध करवाना।
- सेवारत कर्मियों के व्यावसायिक विकास तथा बेहतर कार्यकारी संभावनाओं को सुलभ करवाना।
- पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विषय की नवीनतम प्रवृत्तियों तथा तकनीकी प्रशिक्षण से ज्ञान एवं कर्मकौशल का प्रसार करवाना।

प्रवेश योग्यता (Admission Eligibility) :

पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातक उपाधि (BLIS) न्यूनतम 50% अंको के साथ

अथवा

पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातक उपाधि (BLIS) के साथ मान्यता प्राप्त पुस्तकालय में दो वर्ष का कार्य करने का अनुभव।

अवधि (Duration)	**:**	न्यूनतम 1 वर्ष ; अधिकतम 4 वर्ष
माध्यम (Medium)	**:**	पाठ्य सामग्री केवल हिन्दी में उपलब्ध
श्रेयांक (Credit)	**:**	48
शुल्क (Fee)	**:**	रू. 7500/–

कार्यक्रम संरचना (Programme Structure) :

पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान स्नात्कोत्तर (MLIS) कार्यक्रम में कुल 8 पाठ्यक्रम हैं। तालिका–1 में दिये गये क्रम सं. 1 से 7 तक (MLIS-01-MLIS-07) के पाठ्यक्रम विद्यार्थी को लेना अनिवार्य है। तालिका–2 में पाठ्यक्रम –08 में तीन ऐच्छिक पाठ्यक्रम हैं इनमें से किसी एक पाठ्यक्रम का चयन करना है। इस प्रकार कुल आठ पाठ्यक्रम लेना है। विद्यार्थियों को हिन्दी माध्यम की अध्ययन सामग्री उपलब्ध करवायी जाएगी।

लघुशोध प्रबंध (MLIS -12) वे ही विद्यार्थी ले सकते हैं जिन्होंने पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान स्नातक उपाधि (BLIS) में 60% अंक या अधिक से उत्तीर्ण की है। लघुशोध प्रबंध कार्य के लिए विश्वविद्यालय द्वारा मान्य परामर्शदाताओं के निर्देशन में किया जाएगा। कार्यक्रम संरचना की विस्तृत जानकारी अगले पृष्ठ पर तालिका 1 में दी गयी हैं।

परीक्षा पद्धति (Examination Pattern) :

सत्रीय (गृह) कार्य : प्रत्येक पाठ्यक्रम में सत्रीय गृहकार्य 20 अंकों का होगा।

प्रत्येक पाठ्यक्रम में दो सत्रीय गृहकार्य दिये जाएंगे। सत्रीय गृहकार्य पूर्ण करके संबंधित क्षेत्रीय केन्द्र पर जमा कराना होगा।

संत्रात (मुख्य) परीक्षा : न्यूनतम अवधि अर्थात् 1 वर्ष के बाद विद्यार्थी की प्रत्येक पाठ्यक्रम में तीन घंटे की लिखित परीक्षा होगी। प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए अधिकतम 80 अंक निर्धारित हैं। इस कार्यक्रम में उत्तीर्णांक 40 प्रतिशत है। विद्यार्थियों को दोनों परीक्षाओं में अलग–अलग (सत्रीय एवं सत्रांत) उत्तीर्ण होना आवश्यक होगा। किसी एक पाठ्यक्रम में उत्तीर्ण होने के लिए न्यूनतम 36 प्रतिशत अंक सत्रीय एवं सत्रांत दोनों परीक्षाओं में अलग–अलग लाना अनिवार्य है। लेकिन सम्पूर्ण कार्यक्रम में सफलता प्राप्त करने के लिये न्यूनतम कुल प्राप्तांक सत्रीय एवं संत्रात परीक्षा को मिलाकर 40 प्रतिशत अंक अनिवार्य होंगे। अर्थात् 800 में से 320 अंक आवश्यक होंगे। लघुशोध (MLIS-12) के लिए कोई सत्रीय गृहकार्य नहीं दिया जाएगा। उत्तीर्ण विद्यार्थियों को निम्नानुसार श्रेणी दी जायेगी :

प्रथम श्रेणी	–	60% एवं अधिक
द्वितीय श्रेणी	–	48% एवं 60% से कम
उत्तीर्ण	–	40% एवं 48% से कम

तालिका – 1

क्र.सं. (S.No.)	पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course)	पाठ्यक्रम कोड (Course Code)	श्रेयांक (Credit)
1.	पुस्तकालय,सूचना एवं समाज Library, Information and Society	एमएलआईएस–01 MLIS-01	6
2.	ज्ञान का संगठन एवं शोध पद्धति Organisation of Knowledge and Research Methodology	एमएलआईएस–02 MLIS-02	6
3.	सूचना संग्रहण एवं पुनः प्राप्ति Information Storage and Retrieval	एमएलआईएस–03 MLIS-03	6
4.	सूचना स्रोत, संसाधन एवं प्रणालियाँ Information Sources, Resources and Systems	एमएलआईएस–04 MLIS-04	6
5.	सूचना उत्पाद एवं सेवाएँः संरचना, विकास एवं विपणन Information Products and Services: Design, Development and Marketing	एमएलआईएस–05 MLIS-05	6
6.	पुस्तकालय एवं सूचना केन्द्रों का प्रबन्धन Library and Information Centres Management	एमएलआईएस–06 MLIS-06	6

7	पुस्तकालय में सूचना संचार प्रोद्यौगिकी का अनुप्रयोग Application of Information Communication Technology in Libraries	एमएलआईएस–07 MLIS-07	6
तालिका–2 **पाठ्यक्रम VIII (ऐच्छिक समूह) निम्नांकित पाठ्यक्रम समूह में से किसी एक पाठ्यक्रम का चयन करें।**			
8	पुस्तकालय सामग्री का परिरक्षण एवं संरक्षण Preservation and Conservation of Library Material	एमएलआईएस –08 MLIS -08	6
9	शैक्षणिक पुस्तकालय प्रणाली Academic Library System	एमएलआईएस –09 MLIS -09	6
10	लघु शोध प्रबंध Dissertation नोट : बी.एल.आई.एस. में 60 प्रतिशत या अधिक अंक से उत्तीर्ण विद्यार्थियों को देय।	एमएलआईएस –12 MLIS -12	6

पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान (Library and Information Science)

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

पुस्तकालय, सूचना एवं समाज (एमएलआईएस–01)

Library, Information and Society (MLIS-01)

इकाई संख्या	इकाई का शीर्षक
1	पुस्तकालयों की सामाजिक तथा ऐतिहासिक पृष्ठभूमि
2	आधुनिक समाज में पुस्तकालयों एवं सूचना केन्द्रों की भूमिका
3	पुस्तकालय एवं सूचना सेवाओं में पाँच सूत्रों का निहितार्थ
4	पुस्तकालयों का विकासः भारत के विशेष संदर्भ में
5	पुस्तकालय अधिनियम : आवश्यकता, उद्धेश्य एवं भारत में सार्वजनिक पुस्तकालय अधिनियमों का विशेषकर राजस्थान सार्वजनिक पुस्तकालय अधिनियम, 2006 का अध्ययन
6	सूचना और ज्ञान
7	सूचना उत्पादन : विधियाँ और स्वरूप
8	पुस्तकालय एवं सूचना नीति : राष्ट्रीय सूचना नीति

9	सूचना समाज : सामाजिक तथा आर्थिक निहितार्थ
10	बौद्धिक सम्पदा अधिकार, कॉपीराइट एवं साइबर कानून
11	सूचना साक्षरता
12	सूचना संचार प्रौद्योगिकी एवं समाज
13	पुस्तकालय एवं ज्ञान– प्रबंध

ज्ञान का संगठन एवं शोध पद्धति (एमएलआईएस–02)
Organisation of Knowledge and Research Methodology (MLIS-02)

योजना

अधिकतम अंक 100 **समय : 3 घण्टे**

सत्रीय गृह कार्य 20 **सत्रांत परीक्षा 80** **न्यूनतम उत्तीर्णांक 36**

इकाई संख्या	इकाई का शीर्षक
1	ज्ञान जगत के उद्धेश्य एवं विशेषताएँ
2	विषय निर्माण की विधियाँ
3	विषय–उनके प्रकार एवं वर्धन
4	विभिन्न वर्गीकरण पद्धतियों में ज्ञान जगत का चित्रण
5	चिंतन की विधियाँ
6	अनुसंधान का अर्थ, अनुसंधान समस्या और अनुसंधान प्रकिया
7	अनुसंधान विधियाँ
8	शोध अभिकल्प
9	उपकरण एव प्रविधियाँ
10	आँकडों का विश्लेषण एवं निर्वचन
11	ग्रन्थमिति
12	शोध प्रतिवेदन लेखन
13	अनुसंधान में सॉफ्टवेयर पैकेजों का अनुप्रयोग

सूचना संग्रहण एवं पुनः प्राप्ति (एमएलआईएस–03)
Information Storage and Retrieval (MLIS-03)

योजना

अधिकतम अंक 100 **समय : 3 घण्टे**

सत्रीय गृह कार्य 20 **सत्रांत परीक्षा 80** **न्यूनतम उत्तीर्णांक 36**

इकाई संख्या	इकाई का शीर्षक
1	सूचना का बौद्धिक व्यवस्थापन
2	वर्गीकरण प्रणालियाँ–यूनिवर्सल डेसीमल क्लासीफिकेशन के विशेष संदर्भ में
3	पुस्तकालय वर्गीकरण की वर्तमान प्रवृतियाँ
4	सूचना संग्रहण एवं पुर्नप्राप्ति प्रणालीः अभिकल्पन एवं विशेषताएँ
5	अनुक्रमणिका एवं अनुक्रमणीकरण
6	अनुक्रमणीकरण पद्धतियाँ : परम्परागत
7	अनुक्रमणीकरण पद्धतियाँ : कम्प्यूटरीकृत
8	विषय वस्तु विकास
9	थिसॉरस एवं विषय शीर्षक सूचियाँ
10	ग्रन्थपरक अभिलेख प्रारूपों हेतु मानक
11	सूचना पुनर्प्राप्ति प्रक्रिया
12	सूचना पुनर्प्राप्ति प्रणाली का मूल्यांकन

सूचना स्रोत, संसाधन एवं प्रणालियां (एमएलआईएस–04)
Information Sources, Resources and Systems (MLIS-04)

योजना

अधिकतम अंक 100 **समय : 3 घण्टे**

सत्रीय गृह कार्य 20 **सत्रांत परीक्षा 80** **न्यूनतम उत्तीर्णांक 36**

इकाई संख्या	इकाई का शीर्षक
1	सूचना स्रोत– प्राथमिक, द्वितीयक एवं तृतीयक स्रोत
2	संचार क विभिन्न माध्यमों में सूचना स्रोत
3	सूचना स्रोत– संस्थागत एवं मानव संसाधन
4	सूचना मध्यस्थ
5	सूचना स्रोत– मानविकी
6	सूचना स्रोत– सामाजिक विज्ञान
7	सूचना स्रोत– विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी
8	सूचना स्रोतों का उपयोक्तान्मुख संगठन (अभ्यास)
9	उद्धरण–विश्लेषक उत्पाद एवं उनका उपयोग
10	इन्टरनेट सूचना संसाधन
11	वेब संसाधनों का मूल्यांकन
12	सूचना केन्द्र, सूचना प्रणालियाँ एवं नेटवर्क्स
13	राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय सूचना केन्द्र एवं सूचना प्रणालियाँ
14	यूनेस्को एवं इफ्ला की भूमिका

सूचना उत्पाद एवं सेवाएं : संरचना, विकास एवं विपणन (एमएलआईएस–05)

Information Products and Services : Design, Development and Marketing (MLIS-05)

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या	इकाई का शीर्षक
1	सूचना उपयोक्ताओं की श्रेणियाँ
2	सूचना आवश्यकता एवं सूचना खोज–सम्बन्धी व्यवहार
3	उपयोक्ता अध्ययनः प्रविधियाँ, तकनीकें, मूल्यांकन
4	साहित्यिक खोज एवं ग्रंथ–सूची का संकलन
5	तकनीकी पूछताछ सेवा
6	प्रलेख वितरण सेवाएँ
7	अनुवाद सेवाएँ
8	सूचना उत्पाद, प्रकार डिजाइन एवं परीक्षण
9	चयनित सूचना उत्पादः सूचना पत्र एवं गृह पत्रिका
10	व्यापार एवं उत्पाद बुलेटिन
11	सूचना विश्लेषण एवं समेकन
12	आभासी संदर्भ सेवा
13	विपणन वस्तु के रूप में सूचना
14	विपणन अभिगम एवं रीति–नीति
15	ई–विपणन

पुस्तकालय एवं सूचना केन्द्रों का प्रबन्धन (एमएलआईएस–06)

Library and Information Centres Management (MLIS-06)

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या	इकाई का शीर्षक
1	प्रबन्धन अवधारणा, परिभाषा, क्षेत्रः वैज्ञानिक प्रबन्धन के कार्य तथा सिद्धान्त

2	प्रबन्धन विचार के स्कूल
3	प्रबन्धकीय गुणवत्ता एवं नेतृत्व
4	प्रणालीगत विचारधारा
5	मानव संसाधन प्रबन्धन
6	अभिप्रेरण
7	सहभागी प्रबन्धन एवं सम्पूर्ण गुणवत्ता प्रबन्धन
8	पुस्तकालयों में समय प्रबन्धन
9	वित्तीय प्रबन्धन
10	परिवर्तन प्रबन्धन
11	पुस्तकालय में इवेन्ट प्रबन्धन
12	पुस्तकालयों व अभिलेखागारों में आपदा प्रबन्धन

पुस्तकालय में सूचना संचार प्रोद्यौगिकी का अनुप्रयोग (एमएलआईएस–07)

Application of Information Communication Technology in Libraries (MLIS-07)

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या	इकाई का शीर्षक
1	सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का परिचय
2	डेटाबेस अवधारणा एवं डेटाबेस घटक
3	डेटाबेस संरचना, संगठन एवं खोज
4	डेटाबेस प्रबन्धन प्रणाली
5	नित्यप्रति कार्य
6	प्रमुख पुस्तकालय सॉफ्टवेयरों का अध्ययन
7	संसाधन सहभगिता एवं पुस्तकालय एवं सूचना नेटवर्क्स
8	इन्टरनेट : मूलाधार विशेषताएँ एवं उपकरण
9	डिजिटल पुस्तकालय : मूलतत्व, घटक एवं सेवाएँ
10	डिजिटल पुस्तकालय : तकनीकी आधारभूत ढाँचा,परिरक्षण एवं आई. पी. आर. विषय
11	इलेक्ट्रोनिक संचार उपकरण
12	पुस्तकालय वेबसाइट अभिकल्पन के चरण

पुस्तकालय सामग्री का परिरक्षण एवं संरक्षण (एमएलआईएस–08)
Preservation and Conservation of Library Material (MLIS-08)

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या	इकाई का शीर्षक
1	परिरक्षण एवं संरक्षणः आवश्यकता, उद्धेश्य, कार्य एवं उपयोगिता
2	लेखन सामग्री का उद्भव एवं विकास
3	पुस्तकालय सामग्री के हानिकारक तत्व : पर्यावरणीय कारक
4	पुस्तकालय सामग्री के हानिकारक तत्वः जैविकीय कारक
5	पुस्तकालय सामग्री के हानिकारक तत्वः रासायनिक कारक
6	पुस्तकालय सामग्री के प्रकार एवं उनका सरंक्षण :पाण्डुलिपियाँ एवं मुद्रित प्रलेख
7	क्षतिग्रस्त पुस्तकालय सामग्री का पुनरूद्धार
8	पुस्तकालय सामग्री की जिल्दबन्दी : मानक विनिर्देश
9	जिल्दबन्दी हेतु सामग्री, उपकरण ओर जिल्दबन्दी प्रकिया
10	सूक्ष्म प्रलेख : माइक्रोफिल्म, माइक्रोफिश आदि
11	डिजिटल परिरक्षण व संरक्षण

शैक्षणिक पुस्तकालय प्रणालियाँ (एमएलआईएस–09)
Academic Library System (MLIS-09)

योजना

अधिकतम अंक 100 समय : 3 घण्टे

सत्रीय गृह कार्य 20 सत्रांत परीक्षा 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई संख्या	इकाई का शीर्षक
1	शैक्षणिक पुस्तकालय : शिक्षा में भूमिका, उद्देश्य एवं कार्य
2	विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय शिक्षा में पुस्तकालय
3	शैक्षणिक पुस्तकालयों के उन्नयन में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की भूमिका
4	संसाधन अभिवृद्धि में पुस्तकालय सत्ता की भूमिका
5	शैक्षणिक पुस्तकालय में सेवाओं का विकास
6	शैक्षणिक पुस्तकालय में वित्तीय प्रबंध

7	संग्रह विकास के घटक एवं समस्याएं
8	मल्टी–मीडिया स्रोतों का संग्रह विकास
9	संग्रह विकास एवं अनुरक्षण की नीति
10	शैक्षणिक पुस्तकालयों में मानव संसाधन प्रबंध
11	शैक्षणिक पुस्तकालय प्रबन्धकों के लिए निरन्तर/सतत शिक्षा कार्यक्रम
12	संसाधन सहभागिता : अवधारणा, आवश्यकता, उद्देश्य एवं भारत में शैक्षणिक पुस्तकालयों में संसाधन सहभागिता
13	इन्फ्लिबनेट : उद्देश्य, कार्य, संगठन एवं सेवाएं

एमएलआईएस –12 (लघुशोध प्रबन्ध) के नियमः

लघुशोध प्रबंध (MLIS -12) वे ही विद्यार्थी ले सकते हैं जिन्होंने पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान स्नातक उपाधि (BLIS) में 60% अंक या अधिक से उत्तीर्ण की है। लघुशोध प्रबंध कार्य के लिए विश्वविद्यालय द्वारा मान्य परामर्शदाताओं के निर्देशन में किया जाएगा। कार्यक्रम संरचना की विस्तृत जानकारी विवरणिका में दी गयी हैं।